{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
मंगलवार 06 अक्टूबर 2026
अश्विन कृष्ण 10 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 17, अंक 16
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	72,382.47
निफ्टी	-	22,555.75
सोना	-	1,57,755
चांदी	-	2,35,000
डॉलर	-	96.33

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

एसआईआर फैसले पर बवाल... सुप्रीम कोर्ट का एसआईआर के 14 फैसलों पर नोटिस, सीईसी ज्ञानेश को सस्पेंड करने से इनकार, कहा

चुनाव आयोग ने कानून तोड़ा होगा तो रोक देंगे फैसले

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को निलंबित करने का अंतरिम आदेश देने से इनकार कर दिया। उन पर एसआईआर से जुड़े करीब 14 फैसले दो अन्य चुनाव आयुक्तों की सहमति के बिना लेने का आरोप है। सुप्रीम कोर्ट ने इन आरोपों पर चुनाव आयोग से जवाब मांगा है। कोर्ट ने कहा कि अगर फैसले बिना सहमति के लिए पाए गए, तो उन्हें वापस लिया जा सकता है। सीजेपी सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने याचिका पर केंद्र सरकार, चुनाव आयोग, सीईसी ज्ञानेश कुमार, चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी, डिप्टी इलेक्शन कमिश्नर मनीष गर्ग और डीजी (आई) सीमा खन्ना को नोटिस जारी किया।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि 10 दिन में कुछ ऐसा नहीं हो जाएगा। अगर कुछ गलत हुआ है तो हम हमेशा उसे रद्द कर सकते हैं। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि इस याचिका का आधार जो न्यूज रिपोर्ट है, वह 100 प्रतिशत सही, आंशिक रूप से सही या गलत भी हो सकती है। हम सिर्फ उसके आधार पर कोई आदेश नहीं दे सकते हैं।

तीन याचिकाओं पर तीन जजों की बेंच कर रही सुनवाई

इस मामले की सुनवाई सीजेआई, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. नागा मोहना की तीन सदस्यीय बेंच कर रहा है। बेंच तीन अलग-अलग याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई कर रही है। ये याचिकाएं शैलेंद्र मणि त्रिपाठी, राकेश कुमार सिंह और सुधाकर सिंह की ओर से दायर की गई हैं। याचिकाकर्ताओं की ओर से वकील विकास सिंह ने दलील देना शुरू किया। उन्होंने कहा कि वास्तविक एक्ट में कहा गया है कि चुनाव आयोग बहुमत से फैसले लेगा या फिर सर्वसम्मति से फैसला लेगा। अकेले कोई भी निर्णय नहीं लिया जा सकता है।

फॉर्म 6 में किए गए किसी भी बदलाव को मंजूरी नहीं दी

फॉर्म 6 में किए गए 'गैरकानूनी' बदलावों को लेकर दलील पर सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने फॉर्म 6 में किए गए 'किसी भी' बदलाव को मंजूरी नहीं दी है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि चुनाव आयोग से रिपोर्ट मिलने के बाद न्यायालय यह देखेगा कि फॉर्म में बदलाव किसने किया था। पहली बार चुनाव आयोग के मतदाता पंजीकरण फॉर्म के ऑनलाइन संस्करण यानी फॉर्म 6 में एक नया हिस्सा जोड़ा गया था। इसमें नए मतदाता से उसके माता-पिता की स्थिति के बारे में पूछा गया था कि वे मतदाता सूची के आखिरी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में शामिल थे या नहीं। हालांकि, फॉर्म के मूल कानूनी प्रारूप में कोई बदलाव नहीं किया गया था। जिन राज्यों में एसआईआर की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, वहां चुनाव आयोग ने अपने ईसीआईनेट पोर्टल से फॉर्म 6 में जोड़ी गई एसआईआर से जुड़ी घोषणा हटा दी है।

खास खबर

15 दिन में घर पहुंचेगा यूडीआईडी कार्ड

नई दिल्ली। दिव्यांगजनों के लिए सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ लेना आसान बनाने के लिए केंद्र सरकार 70 लाख अतिरिक्त क्यूआर कोड वाले विशिष्ट दिव्यांगता प्रमाण पत्र (यूडीआईडी) कार्ड तैयार करने की योजना बना रही है। आवेदकों को यह प्रमाण पत्र कार्ड आवेदन के महज पंद्रह दिन के अंदर उनके पते पर पहुंचाने का लक्ष्य भी रखा गया है। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अंतर्गत आने वाला दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग ने इस संदर्भ में काम करना शुरू भी कर दिया है। इसके लिए एजेंसी को चयनित करने का काम भी किया जा रहा है। सरकार का जोर ऐसी व्यवस्था विकसित करने पर है, जिसमें किसी दिव्यांग व्यक्ति की पहचान और दिव्यांगता से जुड़ी जानकारी एक मानकीकृत कार्ड के जरिए आसानी से सत्यापित की जा सके। इससे अलग-अलग सरकारी स्तरों पर लाभार्थियों की पहचान और उन्हें मिलने वाली सुविधाओं की निगरानी भी अधिक व्यवस्थित तरीके से की जा सकेगी।

गांधीजी पर आपत्तिजनक रील बनाना पड़ा भारी

सूरत। सूरत में 47 साल की महिला इंफ्लुएंसर को महात्मा गांधी की तस्वीर वाले 500 रुपए के नोट पर आपत्तिजनक रील डालने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। सूरत पुलिस की साइबर क्राइम ब्रांच ने सोमवार को यह कार्रवाई की। आरोपी की पहचान सिमरन पटेल के रूप में हुई है। उसके इंस्टाग्राम पर करीब 10 लाख फॉलोअर्स हैं। पुलिस के मुताबिक, सिमरन ने 1 अक्टूबर को इंस्टाग्राम पर यह रील अपलोड की थी। इसके बाद एक नागरिक ने पुलिस से शिकायत की। साइबर क्राइम ब्रांच की प्रेस नोट के अनुसार, सिमरन पटेल सूरत के अडाजण इलाके की रहने वाली हैं। वह गृहिणी हैं। पुलिस ने बताया कि रील में 500 रुपए के नोट पर गांधीजी की तस्वीर को अश्लील तरीके से दिखाया गया था। इसमें आपत्तिजनक और अपमानजनक बातें कही गई थीं। रील में यौन संकेत वाले इशारे भी किए गए थे। सिमरन ने यह वीडियो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया था।

18 राज्यों में बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। देश के कई हिस्सों में मानसून की विदाई के बाद भी बारिश का दौर पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। भारतीय मौसम विभाग ने 6 अक्टूबर के लिए दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, बिहार समेत 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। नए मौसम तंत्र के सक्रिय होने से उत्तर भारत से लेकर दक्षिण भारत तक बारिश की गतिविधियां बढ़ने का अनुमान है।

एसआईआर का विरोध- 19 विपक्षी दल आज दिल्ली में चुनाव आयोग घेरेंगे...संसद से मुख्यालय तक 3 किमी का मार्च निकालेंगे, वोटर लिस्ट की पारदर्शिता, सीईसी पर कार्रवाई और बैलेट पेपर से चुनाव की मांग

सेव डेमोक्रेसी मार्च में होगा फर्जीवाड़े का पर्दाफाश

नई दिल्ली। एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) को लेकर चुनावी राजनीति अब सड़क पर उतरने जा रही है। विपक्षी इंडिया ब्लॉक के 19 दल मंगलवार को संसद से चुनाव आयोग मुख्यालय तक करीब 3 किलोमीटर का 'सेव डेमोक्रेसी मार्च' निकालेंगे। विपक्ष का आरोप है कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया में पारदर्शिता का अभाव है और बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम सूची से बाहर होने की आशंका है।

मार्च में कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, टीएमसी, एनसीपी(एसपी), शिवसेना (यूबीटी), राजद, सीपीएम, सीपीआई, नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीडीपी, जेएमएम, सीपीआई-एमएल, आईयूएमएल, केसी(एम), एमडीएमके, वीसीके, आरएसपी, एआईएफबी और केसी(जे) सहित 19 दल शामिल होंगे। इन दलों के पास लोकसभा में कुल 178 और राज्यसभा में 62 सांसद हैं। इस लिहाज से मार्च सिर्फ प्रतीकात्मक प्रदर्शन नहीं, बल्कि विपक्ष की संख्या और एकजुटता दिखाने की कोशिश भी माना जा रहा है। संसद के भीतर चुनाव प्रक्रिया पर उठाए जा रहे सवालों को विपक्ष अब सड़क के जरिए जनता तक ले जाने की तैयारी में है। 30 सितंबर को दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में हुई विपक्षी दलों की करीब तीन घंटे की बैठक में इस मार्च का फैसला हुआ था। बैठक में चुनाव आयोग और चुनाव प्रक्रिया को लेकर कई गंभीर सवाल उठाए गए। विपक्ष ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग के साथ-साथ वोटर लिस्ट में नाम हटाने की प्रक्रिया सार्वजनिक करने और प्रभावित मतदाताओं को नोटिस व अपील का अधिकार देने की मांग की है।

सीईसी पर कार्रवाई की मांग

विपक्षी दलों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग उठाई है। साथ ही संसद के जरिए उन्हें हटाने की प्रक्रिया शुरू करने की बात कही है। विपक्ष चाहता है कि बूथ और विधानसभा स्तर पर नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन की पूरी जानकारी सार्वजनिक की जाए। किसी मतदाता का नाम हटाने से पहले उसे नोटिस देने और अपील का अवसर देने की मांग की गई है। विपक्ष का दावा है कि एसआईआर की प्रक्रिया से बड़ी संख्या में मतदाता सूची से बाहर हो सकते हैं। इसलिए भविष्य के चुनावों में एसआईआर से पहले की मतदाता सूची को आधार बनाने की मांग भी रखी गई है।

ईवीएम की जगह बैलेट पेपर

इंडिया ब्लॉक के दलों ने चुनाव में ईवीएम के बजाय बैलेट पेपर की वापसी की मांग दोहराई है। पहली बार मतदान करने वाले युवाओं के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया आसान बनाने की मांग भी की गई है। दल चाहते हैं कि चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता और चुनावी संस्थाओं की जवाबदेही के मुद्दे पर विपक्ष एकजुट होकर दबाव बनाए।

एक साल पहले भी संसद से ईसीआई तक निकला था मार्च

एसआईआर को लेकर विपक्ष का यह पहला सड़क प्रदर्शन नहीं है। 11 अगस्त 2025 को भी इंडिया ब्लॉक के सांसद संसद भवन से चुनाव आयोग कार्यालय तक मार्च कर चुके हैं। उस प्रदर्शन में राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, शरद पवार समेत 25 विपक्षी दलों के नेता शामिल हुए थे। एक साल बाद परिस्थितियां फिर उसी मोड़ पर हैं- संसद से चुनाव आयोग तक मार्च, वोटर लिस्ट पर सवाल और चुनाव आयोग की भूमिका को लेकर विपक्ष का सीधा टकराव।

वोटर लिस्ट अब विपक्ष का बड़ा मुद्दा

एसआईआर अब केवल मतदाता सूची के प्रशासनिक पुनरीक्षण का विषय नहीं रह गया है। विपक्ष इसे 'वोट के अधिकार' और चुनावी पारदर्शिता से जोड़ रहा है। वहीं सरकार और चुनाव आयोग का पक्ष इस बहस में उतना ही महत्वपूर्ण होगा कि एसआईआर का उद्देश्य मतदाता सूची को शुद्ध और अद्यतन करना है। यानी मंगलवार का मार्च सिर्फ तीन किलोमीटर की दूरी तय नहीं करेगा। विपक्ष की कोशिश है कि संसद से चुनाव आयोग तक का यह रास्ता सीधे जनता के बीच राजनीतिक संदेश का रास्ता बने।

6 लोकसभा-विधानसभा सीटों पर उपचुनाव आज

नई दिल्ली। लोकसभा और विधानसभा की छह सीटों पर मंगलवार को मतदान होंगे। पश्चिम बंगाल की दो, तमिलनाडु की दो, पुडुचेरी की एक विधानसभा सीट और असम की नागांव लोकसभा सीट पर उपचुनाव होने हैं। नतीजे 9 अक्टूबर को आएंगे। चुनाव के नतीजे किसी सरकार का भविष्य तय नहीं करेंगे, लेकिन विधानसभा चुनावों के बाद जमीन पर बदलते राजनीतिक समीकरणों और पार्टियों की पकड़ की झलक जरूर देंगे। सबसे ज्यादा नजर पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम सीट पर है। ये सीएम शुभेंदु अधिकारी की पारंपरिक सीट है। उन्होंने 2021 में मुख्यमंत्री रहीं ममता बनर्जी को इसी सीट से हराया था। रेजीनगर सीट से हुमायूं कबीर के बेटे गोलाम नबी आजाद चुनाव लड़ रहे हैं। हुमायूं कबीर ने मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में बाबरी मस्जिद बनाने का ऐलान किया था। 2026 में हुए विधानसभा चुनाव में रेजीनगर और नौदा सीट से जीते थे। फिर रेजीनगर से इस्तीफा दे दिया। बेटे को उतारकर उन्होंने चुनाव को दिलचस्प बना दिया है। तमिलनाडु की मदुरंतकम और धारापुरम विधानसभा सीटों पर वोटिंग होनी है। सीएम बनने के बाद विजय की ये पहली परीक्षा है। अप्रैल-मई के महीने में हुए विधानसभा चुनाव में दोनों सीटें एआईएडीएमके ने जीती थीं। चुनाव जीतने वाली मरगथम कुमारवेल और पी. सत्यभामा इस्तीफा देकर टीवीके में शामिल हो गईं। विजय ने इन दोनों को ही उतारा है। वहीं पुडुचेरी की थट्टांचावडी सीट ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस के संस्थापक और मुख्यमंत्री एन रंगासामी के इस्तीफे के बाद खाली हुई है। 9 अप्रैल को हुए विधानसभा चुनाव में रंगासामी थट्टांचावडी और मंगलम सीट से जीते थे। उन्होंने थट्टांचावडी के विधायक पद से इस्तीफा दे दिया था।

राज्यसभा चुनाव-बीजेपी ने आठ नए चेहरों को दिया मौका

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में राज्यसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने अपने आठ प्रत्याशियों के नामों का ऐलान कर दिया है। पार्टी ने इस बार मौजूदा सात सदस्यों में से किसी को भी दोबारा मौका नहीं दिया है। सभी आठ सीटों पर नए चेहरों को मैदान में उतारा गया है। सूची में दो महिला उम्मीदवार भी शामिल हैं। बाराबंकी की पूर्व सांसद प्रियंका सिंह रावत और बरेली की श्रुति गंगवार को भाजपा ने राज्यसभा का टिकट दिया है।

श्रुति गंगवार झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार की बेटी हैं। वह फिलहाल बरेली अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड की अध्यक्ष हैं। भाजपा ने पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह, राधाकांत ओझा, प्रकाश पाल, विद्यासागर सोनकर, गोपी कृष्ण पांडेय और राम प्रताप सिंह चौहान को भी प्रत्याशी बनाया है। भाजपा की आठ सदस्यीय सूची में जातीय और सामाजिक संतुलन की तस्वीर भी दिखाई देती है। पार्टी के प्रत्याशियों में दो ब्राह्मण, एक ठाकुर, तीन पिछड़े और दो दलित वर्ग से हैं। पिछड़े वर्ग में एक लोधी, एक कुर्मी और एक पाल समाज से उम्मीदवार शामिल हैं। वहीं दलित वर्ग में एक खटीक और एक पासी समाज का प्रतिनिधित्व है। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा की इस सूची को सामाजिक और क्षेत्रीय समीकरणों से जोड़कर देखा जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने रेप की 3 घटनाओं पर सुनवाई करते हुए बोला...

गुंडों के मन में डर पैदा करे पुलिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में नाबालिगों से गैंगरेप की 3 घटनाओं पर कहा कि जब तक अपराधी के मन में मौत का डर नहीं होगा, तब तक ऐसे अपराध नहीं रुकेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से कहा कि केवल चीजों को कागज पर लिखना पर्याप्त नहीं है, सख्त कार्रवाई करनी होगी। जस्टिस पारदीवाला और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने कहा कि जरूरत पड़ने पर सख्त होने से हिचकिचाएं नहीं।

बेंच ने कहा कि कुछ लोग अनुच्छेद 21 यानी मानव अधिकार का हवाला देकर सवाल उठाएंगे, लेकिन पुलिस को अपना कर्तव्य निभाना होगा। इसके बाद दिल्ली पुलिस और गृह मंत्रालय से 4 हफ्ते में जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में 4 अगस्त से 21 सितंबर के बीच ग्रेटर नोएडा-दिल्ली बस, आस्था कुंज पार्क और स्वरूप नगर में रेप की 3 घटनाओं पर स्वतः संज्ञान लिया था। इस मामले में पहली सुनवाई 28 सितंबर को हुई थी।

दिल्ली-एनसीआर में 48 दिनों में रेप की 3 घटनाएं

दिल्ली-एनसीआर में 48 दिनों में रेप की 3 घटनाएं घटित हुई हैं, जिन्हें सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है। 4 अगस्त को दिल्ली में 16 साल की नाबालिग से चलती बस में गैंगरेप। पीड़ित ग्रेटर नोएडा के परी चौक से बस में बैठी। आरोपियों ने उसे कश्मीरी गेट पर छोड़ा।

सुप्रीम कोर्ट को मिले तीन नए जज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में तीन नए न्यायाधीशों की नियुक्ति का रास्ता साफ हो गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश को मंजूरी देते हुए गुजरात हाई कोर्ट की मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सुनीता अग्रवाल, दिल्ली हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय और तेलंगाना हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस अपरेश कुमार सिंह को सुप्रीम कोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किया है। तीनों न्यायाधीशों के नामों की सिफारिश कॉलेजियम ने 28 सितंबर को की थी।

इन नियुक्तियों के बाद सुप्रीम कोर्ट में कार्यरत न्यायाधीशों की संख्या 34 से बढ़कर 37 हो जाएगी, जबकि अदालत में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 38 है। यानी अब शीर्ष अदालत में सिर्फ एक न्यायाधीश का पद खाली रहेगा। तीनों नए न्यायाधीश 6 अक्टूबर को शपथ लेंगे।

जस्टिस सुनीता अग्रवाल और जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय का मूल हाई कोर्ट इलाहाबाद हाई कोर्ट रहा है। जस्टिस अग्रवाल जुलाई 2023 से गुजरात हाई कोर्ट की मुख्य न्यायाधीश थीं। उनके सुप्रीम कोर्ट पहुंचने के बाद शीर्ष अदालत में महिला न्यायाधीशों की संख्या तीन हो जाएगी। अभी

जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और जस्टिस वी. मोहना सुप्रीम कोर्ट में कार्यरत महिला न्यायाधीश हैं।

वहीं जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय जनवरी 2025 से दिल्ली हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश हैं। जस्टिस अपरेश कुमार सिंह तेलंगाना हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश रहे हैं और उनका मूल हाई कोर्ट झारखंड हाई कोर्ट है। इन नियुक्तियों से सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की कमी काफी हद तक दूर होगी।

कुछ ना कहना

जीएसटी टैक्स चोरी पर नहीं होगी गिरफ्तारी

काउंसिल की बैठक में 7 अक्टूबर को होगा फैसला... अधिकार छीनेंगे

नई दिल्ली। व्यापारियों और कारोबारियों में बढ़ती दहशत और टैक्स अधिकारियों द्वारा अधिकार के गलत इस्तेमाल की शिकायतों के बाद सरकार जीएसटी लागू होने के करीब 9 साल बाद टैक्स सिस्टम में एक बड़ा बदलाव करने जा रही है। इसके तहत जीएसटी अधिकारियों को मिली गिरफ्तारी की शक्ति हटाने पर विचार किया जा रहा है। इस प्रस्ताव पर 7 अक्टूबर को होने वाली जीएसटी काउंसिल की बैठक में चर्चा होगी। अगर इस प्रस्ताव को मंजूरी मिलती है तो टैक्स चोरी पर गिरफ्तारी नहीं होगी। मौजूदा कानून के तहत गंभीर टैक्स अपराधों के मामलों में गिरफ्तारी का प्रावधान है. खासकर फर्जी बिल बनाना, गलत तरीके से इनपुट टैक्स क्रेडिट लेना और जानबूझकर टैक्स चोरी जैसे मामलों में कार्रवाई हो सकती है। सीजीएसटी एक्ट की धारा 69 के तहत कमिश्नर को गिरफ्तारी की मंजूरी देने का अधिकार है। इसके बाद सरकार ने 2022 में गिरफ्तारी और जमानत को लेकर अधिकारियों के लिए दिशानिर्देश भी जारी किए थे। इनमें कहा गया था कि सिर्फ इसलिए गिरफ्तारी नहीं होनी चाहिए, क्योंकि कानून में इसकी अनुमति है। गिरफ्तारी के लिए मामले की गंभीरता और व्यक्ति की भूमिका समेत दूसरे पहलुओं को देखना जरूरी है। लेकिन अधिकारियों द्वारा लगातार दबावपूर्ण कार्रवाई की जा रही है, जिसके कारण व्यापारियों और कारोबारियों में दहशत का माहौल बना हुआ है, जबकि सरकार की मंशा केवल फ्राड करने वाले लोगों पर कार्रवाई की है।

क्यों हो रहा है बदलाव पर विचार

इस बदलाव के पीछे सबसे बड़ी वजह टैक्स अधिकारियों के अधिकारों के गलत इस्तेमाल की शिकायतें बताई जा रही हैं। कारोबारियों और कंपनियों की तरफ से जीएसटी जांच और गिरफ्तारी को लेकर चिंताएं जताई जाती रही हैं। अब सरकार सिस्टम में ऐसा बदलाव चाहती है, जिससे गंभीर धोखाधड़ी पर कार्रवाई भी बनी रहे और कारोबारियों को डर का सामना भी न करना पड़े।

4 साल में हुईं 887 गिरफ्तारियां

आंकड़ों से पता चलता है कि जीएसटी कानून के तहत गिरफ्तारी का इस्तेमाल हुआ है। 2021 से 25 के बीच 72,393 जीएसटी अपराध के मामले दर्ज हुए और केंद्रीय जीएसटी अधिकारियों ने 887 लोगों को गिरफ्तार किया है।

केंद्र सरकार हमें डराने की कोशिश न करें, सजा से हम डर जाएंगे ऐसा नहीं होगा

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने चेतावनी दी कि केंद्र सरकार हमें डराने की कोशिश न करें। सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास और आशुतोष रांका ने एक्स पर पोस्ट कर दावा किया कि सरकार अभिजीत दीपके, रन्ना सिंह, और अन्य सीजेपी के नेताओं को गिरफ्तार करने की योजना बना कर रही है। इस पर दीपके ने कहा कि अगर सरकार को लगता है कि यूएपीए, एनएसए या जेल की सजा का डर हमें चुप करा देगा तो ऐसा नहीं होगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दीपके ने कहा कि हम हर तरह की स्थिति का सामना करने के लिए तैयार हैं और जरूरत पड़ने पर महीनों या सालों तक जेल में रहने को भी, लेकिन लोकतंत्र को बचाने की अपनी लड़ाई से हम पीछे नहीं हटेंगे। हम महात्मा गांधी के दिखाए रास्ते पर चलते हैं और शांतिपूर्ण और अहिंसक तरीके से विरोध करना जारी रखेंगे, चाहे सरकार हमें डराने-धमकाने की कितनी भी कोशिश क्यों न करे। उन्होंने कहा कि दिल्ली में 10 अक्टूबर को प्रस्तावित उनका प्रदर्शन शांतिपूर्ण होगा। सीजेपी ने चुनाव प्रक्रिया में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के पक्षधर प्रत्येक नागरिक से इसमें शामिल होने की अपील की। दीपके ने कहा कि अगर ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं देते हैं तो देश के हर हिस्से से नागरिक और संगठन के सदस्य नई दिल्ली में जमा होंगे और जंतर-मंतर पर बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किया जाएगा। सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास ने इससे पहले दावा किया था कि सरकार उन्हें, अभिजीत दीपके, आशुतोष रांका, रन्ना और पार्टी के अन्य नेताओं को गिरफ्तार करने की योजना बना रही है।

सांड को पकड़ने गई हाका गैंग, मौत के बाद सवालों के कटघरे में ?

लंजकाई मंदिर के सामने सांड की मौत, हाका गैंग की कार्रवाई पर उठे गंभीर सवाल

प्रत्यक्षदर्शी का दावा-पहले इंजेक्शन लगाया, फिर लाठियों से पीटा, वाहन में ले जाते समय तोड़ा दम

पदमेश न्यूज़। बालाघाट। लांजी नगर में आवारा और बेकाबू पशुओं को पकड़कर कांजी हाउस पहुंचाने के लिए गठित नगर परिषद की हाका गैंग एक सांड की मौत के बाद सवालों के घेरे में आ गई है। सोमवार 5 अक्टूबर की रात करीब 7 बजे लंजकाई मंदिर के सामने बेकाबू सांड को पकड़ने पहुंची हाका गैंग की कार्रवाई के दौरान उसकी मौत होने का मामला सामने आया है। प्रत्यक्षदर्शी ने आरोप लगाया है कि सांड को पहले इंजेक्शन लगाया गया और इसके बाद लाठियों से पीटा गया। कथित मारपीट के बाद सांड को खींचते हुए पशु वाहन तक ले जाया गया, जहां वाहन में डालने के दौरान उसने दम तोड़ दिया। हालाकि इंजेक्सन वाली बात की पुष्टी नहीं हो पायी है।

बेकाबू था सांड, शिकायत के बाद पहुंचा अमला

प्रत्यक्षदर्शी के मुताबिक सांड पिछले कुछ समय से बेकाबू था और लोगों के पीछे दौड़ रहा था।शिकायत मिलने के बाद नगर परिषद का अमला पशु वाहन लेकर मौके पर पहुंचा। उस समय सांड लंजकाई मंदिर के सामने बैठा हुआ था। आरोप है कि उसे नियंत्रित करने के दौरान पहले इंजेक्शन लगाया गया और बाद में लाठियों से मारपीट की गई। इसके बाद सांड को खींचकर वाहन में डाला गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

पशु पकड़ने की कार्रवाई पर सवाल

नगर परिषद ने आवारा पशुओं को सुरक्षित तरीके से पकड़कर कांजी हाउस पहुंचाने के लिए हाका गैंग गठित की है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि बेकाबू पशु को पकड़ने के लिए निर्धारित प्रक्रिया क्या है? क्या कार्रवाई के दौरान लाठी का इस्तेमाल किया जा सकता है? यदि सांड की हालत बिगड़ गई थी तो मौके पर पशु चिकित्सक को क्यों नहीं बुलाया गया? इन सवालों का जवाब अब नगर परिषद प्रशासन को देना होगा।

स्वस्थ सांड की अचानक मौत ने बढ़ाया संदेह

घटना के बाद सबसे बड़ा सवाल सांड की मौत को लेकर है। यदि सांड मजबूत और स्वस्थ था, तो उसे पकड़ने की कार्रवाई के दौरान अचानक उसकी मौत कैसे हुई? प्रत्यक्षदर्शी द्वारा लाठी से पीटे जाने के आरोप के बाद मामले की पशु चिकित्सकीय जांच कराना जरूरी माना जा रहा है, ताकि मौत का वास्तविक कारण सामने आ सके।

जांच से सामने आएगी सच्चाई

सांड की मौत के मामले में निष्पक्ष जांच की मांग उठ रही है। हाका गैंग में तैनात कर्मचारियों से पूछताछ, पशु वाहन की जानकारी, कर्मचारियों की ड्यूटी, मौके पर मौजूद लोगों के बयान और सांड का पशु चिकित्सकीय परीक्षण कराया जाए तो मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकती है। अब निगाहें नगर परिषद प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं कि वह मामले की जांच कर जिम्मेदारी तय करता है या नहीं।

नगर परिषद के अधिकारी ने नहीं उठाया फोन

मामले में नगर परिषद का पक्ष जानने के लिए सहायक राजस्व निरीक्षक गुलाब लटारे से फोन पर कई बार संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ। इसके चलते खबर लिखे जाने तक नगर परिषद की ओर से घटना को लेकर कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण सामने नहीं आ सका।

कपड़े धोते समय फिसला पैर, गहरे पानी में समाई 18 वर्षीय युवती

सहकी नाला में डूबने से सविता की मौत, तीन घंटे की तलाश के बाद गोताखोरों ने निकाला शव

पदमेश न्यूज़। बालाघाट।चांगोटोला थाना क्षेत्र के ग्राम बीजापुरी में सोमवार को दर्दनाक हादसे में 18 वर्षीय युवती की डूबने से मौत हो गई। कपड़े धोने के दौरान अचानक पैर फिसलने से युवती सहकी नाला के गहरे पानी में जा गिरी। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों तथा गोताखोरों की मदद से युवती की तलाश शुरू की गई। करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद शाम को उसका शव पानी से बाहर निकाला जा सका।

कपडे धोने के दौरान हुआ हादसा

मृतका की पहचान सविता पुत्री बसंत इडपाचे, निवासी ग्राम मोहगांव के रूप में हुई है। बताया गया कि सविता अपने ननिहाल ग्राम बीजापुरी आई हुई थी। सोमवार दोपहर करीब 12 बजे वह सहकी नाला में कपड़े धोने के लिए गई थी। इसी दौरान कपड़े धोते समय अचानक उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चली गई।

करीब तीन घंटे चला रेस्क्यू

युवती के पानी में डूबने की खबर फैलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर चांगोटोला पुलिस भी पहुंची और स्थानीय लोगों व गोताखोरों की सहायता से नाले में तलाश अभियान शुरू किया गया। लगातार तलाश के बाद करीब शाम को गोताखोरों ने सविता का शव बरामद कर लिया।

पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा

शव बरामद होने के बाद पुलिस ने आवश्यक पंचनामा कार्रवाई कर पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। हादसे के बाद मृतका के परिवार में मातम पसरा हुआ है। चांगोटोला पुलिस ने मर्ग कायम कर घटना की जांच शुरू कर दी।

कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय में योग एवं ध्यान पर कार्यक्रम आयोजित

पदमेश न्यूज। बालाघाट। शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय, बालाघाट में प्राचार्य डॉ. निधि ठाकुर के मार्गदर्शन में मानसिक स्वास्थ्य क्लब द्वारा सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत योग एवं ध्यान पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. दीपा परते ने किया। इसमें मुख्य वक्ता के रूप में सुश्री गरिमा निनावे उपस्थित रहीं। सुश्री निनावे ने योग एवं ध्यान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि नियमित योगाभ्यास से शरीर स्वस्थ रहता है तथा मानसिक तनाव कम करने, एकाग्रता बढ़ाने और सकारात्मक सोच विकसित करने में मदद मिलती है। उन्होंने छात्राओं को योग एवं ध्यान को अपनी दिनचर्या में शामिल करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में स्वस्थ जीवनशैली, मानसिक शांति, आत्मविश्वास एवं सकारात्मक व्यक्तित्व का विकास करना रहा। इस अवसर पर छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

नेशनल कुबोडो चैंपियनशिप में बालाघाट का शानदार प्रदर्शन

मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर खिलाड़ियों ने जीते 8 पदक, चार स्वर्ण और चार रजत पदक से बढ़ाया जिले का मान

पदमेश न्यूज़। बालाघाट। कानपुर में आयोजित चौथी नेशनल कुबोडो मार्शल आर्ट चैंपियनशिप में बालाघाट के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मध्य प्रदेश का नाम रोशन किया है।प्रतियोगिता में बालाघाट के चार खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर 4 स्वर्ण और 4 रजत सहित कुल 8 पदक अपने नाम किए।प्रतियोगिता का आयोजन 3 एवं 4 अक्टूबर को छत्रपति शिवाजी महाराज यूनिवर्सिटी, कानपुर में किया गया। इसमें मध्य प्रदेश सहित उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, असम और बिहार की टीमों के खिलाड़ियों ने विभिन्न आयु एवं वर्गों में हिस्सा लिया।

चार खिलाड़ियों ने जीते दो-दो पदक

प्रशिक्षक संतोष पारधी के नेतृत्व में मप्र की ओर से बालाघाट जिले के खिलाडि़यों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। इनमें विनीता रंजीत उईके ने एक स्वर्ण एवं एक रजत, रिया उमेश राकेशिया ने एक स्वर्ण एवं एक रजत, उमंग दामोदर जधेले ने एक स्वर्ण एवं एक रजत तथा वेद विशाल मड़ावी ने एक स्वर्ण एवं एक रजत पदक हासिल किया।इस तरह बालाघाट के खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में कुल 8 पदक अर्जित किए, जिसमें चार स्वर्ण और चार रजत पदक शामिल हैं।

प्रशिक्षकों का भी हुआ सम्मान

प्रतियोगिता के दौरान विभिन्न राज्यों से पहुंचे प्रशिक्षकों को आयोजन समिति के अतिथियों द्वारा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कानपुर यूनिवर्सिटी के कुलपति विनय कुमार पाठक, उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के कोषाध्यक्ष डॉ. रफत जुबैर रिजवी, डायरेक्टर सुनील कुमार श्रीवास्तव, अध्यक्ष आनंद किशोर पांडे तथा कुबोडो मार्शल आर्ट इंडिया के जनरल सेक्रेटरी शोभित पांडे सहित अन्य अतिथि मौजूद रहे।

जिले में खुशी का माहौल

बालाघाट के खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर जिला थागता एसोसिएशन एवं संस्था कराटे स्पोर्ट्स प्रशिक्षण एवं एजुकेशन एसोसिएशन के संरक्षक अनिल धुवारे, जिला अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी, उपाध्यक्ष रविंद्र भाटिया, सह सचिव चंद्रकांत पिपलेवार, कोषाध्यक्ष सरिता केवल सोनकर, सदस्य राजेंद्र बल्ले, साक्षी खैरकर, संजू मेश्राम, अनिल सावनकर, सौरभ ठाकुर सहित खेल एवं युवा कल्याण विभाग के जिला खेल अधिकारी राहुल बारेसा, केदार ठाकरे, योगेंद्र पटले, अरविंद पटले, धीरज डोंगरे, लव कुमार नागपुरे एवं विभाग के अन्य पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं।वहीं शासकीय कन्या माध्यमिक शाला के एम.एल. भलावी, लक्ष्मी मरावी, बिरसोला स्कूल की प्राचार्य इंद्रावती पटेल एवं राकेश तुरकर ने भी खिलाड़ियों की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

वन्य जीव सुरक्षा सप्ताह के तहत विद्यार्थियों ने चित्रों में उकेरा वन्य जीव संरक्षण का संदेश

पदमेश न्यूज। चरेगांव। वन्य जीवों के संरक्षण एवं उनके प्रति विद्यार्थियों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से वन विभाग द्वारा वन्य जीव सुरक्षा सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में 1 से 7 अक्टूबर तक चल रहे वन्य जीव सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत परिक्षेत्र दक्षिण लामता सामान्य के अंतर्गत परिक्षेत्र सहायक वृत्त चरेगांव द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चरेगांव में छात्र-छात्राओं के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।प्रतियोगिता में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने अपनी कल्पनाशक्ति और कला के माध्यम से वन्य जीवों के संरक्षण, जंगलों की सुरक्षा, पर्यावरण संतुलन तथा मानव और वन्य जीवों के बीच बेहतर सामंजस्य का संदेश चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए चित्रों में विभिन्न वन्य प्राणियों, जंगलों और प्रकृति के संरक्षण से जुड़े विषयों को आकर्षक ढंग से उकेरा गया।वन विभाग की ओर से विद्यार्थियों को बताया गया कि वन्य जीव प्रकृति और पर्यावरण के महत्वपूर्ण अंग हैं। वन्य प्राणियों का संरक्षण केवल विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सामूहिक जिम्मेदारी है। जंगलों एवं वन्य जीवों की सुरक्षा से पर्यावरणीय संतुलन बना रहता है और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण सुनिश्चित होता है।प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों में वन्य जीवों के प्रति प्रेम, संवेदना और संरक्षण की भावना विकसित करने पर विशेष जोर दिया गया। छात्र-छात्राओं चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कुमारी यामिनी रणद्दे द्वितीय स्थान कुमारी प्रीति सोनवाने तथा तृतीय स्थान कुमारी दीपा घोष इन छात्रों को पारितोषिक देकर सम्मानित किया तथा प्रश्न उत्तर कर छात्र-छात्राओं को वन एवं वन्य जीव के संबंध में जानकारी दी उक्त कार्यक्रम में सरपंच ग्राम पंचायत चरेगांव श्रीमती मीना विषय ग्राम वन समिति अध्यक्ष महेंद्र उइके प्रधान प्राचार्य शिक्षक शिक्षिकाओं एवं हमले से दिनेश कुमार बरिए परिक्षेत्र अधिकारी चरेगांव वनपाल दिलीप कुमार बानते जय कुमार चौरसिया वनरक्षक का विशेष सराहीन योगदान रहा।

सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति हनुमान मंदिर सोनपुरी के प्रांगण में शारदेय नवरात्रि पर्व की रहेगी धूम

पदमेश न्यूज। किरनापुर। तहसील मुख्यालय ग्राम पंचायत किरनापुर के ग्राम सोनपुरी के हनुमान मंदिर सोनपुरी के प्रांगण में इस वर्ष भी शारदेय नवरात्रि पर्व अपार श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाने की तैयारियाँ अंतिम चरण मेंजोरो पर हैं। सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति हनुमान मंदिर सोनपुरी द्वारा आयोजित इस भव्य नव-दिवसीय महोत्सव के लिए माँ जगदंबा का दरबार आकर्षण का केंद्र बनने लगा है। भव्य पंडाल, अलौकिक रोशनी और आकर्षक साजो-सज्जा से पूरे मंदिर परिसर को जगमग किया जा रहा है।

नौ दिनों तक गूँजेंगे धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम

समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि नवरात्रि के प्रथम दिन घटस्थापना (कलश स्थापना) एवं मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलन के साथ पर्व का शुभारंभ होगा। नवरात्रि के सभी नौ दिनों तक प्रात: एवं संध्याकालीन महाआरती, देवी जसगीत का आयोजन किया जाएगा। माता का जगराता इसके अतिरिक्त, स्थानीय एवं आमंत्रित कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम, गरबा रास, रामधुनी और जस भजन संध्या जैसे विविध कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी, जिससे पूरा सोनपुरी क्षेत्र भक्तिमय माहौल में सराबोर रहेगा। महोत्सव के विशेष आकर्षण के रूप में समिति द्वारा विशाल महाभंडारे (महाप्रसाद वितरण) का आयोजन रखा गया है। इसमें आसपास के गांवों एवं दूर-दराज से आने वाले हजारों श्रद्धालु माता रानी का पावन प्रसाद ग्रहण करेंगे। समिति के सदस्य व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए जोर-शोर से जुटे हुए हैं। समिति के नवनियुक्त अध्यक्ष सुनील कावरे एवं उनके कार्यकारिणी के पदाधिकारियों ने की अपील सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति हनुमान मंदिर सोनपुरी ने समस्त धर्मप्रेमी जनता एवं श्रद्धालु भक्तों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पधारकर माँ जगदंबा के दर्शन करें, धार्मिक कार्यक्रमों का आनंद लें और महाप्रसाद ग्रहण कर पुण्य के भागी बनें।

सेवा सेतु अभियान के तहत आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम आयोजित

पदमेश न्यूज। बैहर। सेवा सेतु अभियान के अंतर्गत आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन टाउन हॉल बैहर में किया गया। कार्यक्रम में नगरीय क्षेत्र की समस्त आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा कार्यकर्ताओं एवं आंगनवाड़ी सहायिकाओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नगर परिषद बैहर अध्यक्ष श्रीमती यशवंती गुड्डा मरकाम रहीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में सुरेंद्र गुड्डा मरकाम, प्रदेश मंत्री भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा, संकेत राठौर, मंडल अध्यक्ष भाजपा सहित निकाय के पार्षद हमीदा बेगम, सुरपति यादव एवं शिमला मड़ावी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि अर्जुन जायसवाल, पूर्व मंडल अध्यक्ष भाजपा, प्रमोद नेमा, पूर्व जिला उपाध्यक्ष भाजपा, मनोनीत पार्षद सुश्री कीर्ति शुक्ला, प्रीति मरावी, आशा कदम, नीरू मरावी, राजकुमारी श्रीवात्री पूर्व पार्षद सहित महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी श्री धुर्वे, सुपरवाइजर आशा मेश्राम एवं नगरीय क्षेत्र की समस्त आंगनवाड़ी एवं आशा कार्यकर्ता, सहायिकाएं तथा स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं मौजूद रहीं। कार्यक्रम के दौरान नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती यशवंती गुड्डा मरकाम द्वारा आंगनवाड़ी एवं आशा कार्यकर्ताओं तथा सहायिकाओं को सौजन्य भेंट स्वरूप उपहार प्रदान किए गए। साथ ही उत्कृष्ट कार्य करने वाली कार्यकर्ताओं को प्रशस्ति प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में महिलाओं की स्वास्थ्य, पोषण एवं बाल विकास से जुड़ी सेवाओं में आंगनवाड़ी तथा आशा कार्यकर्ताओं की भूमिका को रेखांकित किया गया। उपस्थित महिलाओं ने भी कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

मोटरसाइकिल हुई अनियंत्रित-दो युवक घायल

पदमेश न्यूज। बालाघाट। हट्टा थाना अंतर्गत लिंगा रोड पर ग्राम खैरगांव के पास रविवार की शाम मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर गिरने से दो युवक घायल हो गए। दोनों घायलों को डायल-112 की मदद से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती कराया गया।घायलों में सुनील पिता भागचंद टेकाम 35 वर्ष एवं अजय पिता भैयालाल उइके 28 वर्ष दोनों ग्राम डुंडासिवनी थाना हट्टा निवासी है दोनों का इलाज जिला अस्पताल में किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुनील टेकाम और अजय उइके मजदूरी का काम करते हैं। दोनों 4 अक्टूबर को सुनील और अजय मोटरसाइकिल से ग्राम परसवाड़ा अपनी रिश्तेदारी में निजी काम से गए थे। काम निपटाने के बाद शाम करीब 4 बजे दोनों मोटरसाइकिल से अपने गांव डुंडासिवनी लौट रहे थे।इसी दौरान हट्टा रोड पर ग्राम खैरगांव के पास अचानक मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो गई और दोनों युवक मोटरसाइकिल सहित सड़क पर गिर गए। हादसे में सुनील के सिर में चोट आई है, जबकि अजय के दाहिने हाथ में फ्रैक्चर हुआ है। सूचना मिलने पर डायल-112 की मदद से दोनों घायलों को जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया गया।जहां उन्हें भर्ती कर उपचार किया जा रहा है।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
मंगलवार 06 अक्टूबर 2026

बालाघाट सिटी न्यूज़

3

पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

भैसानघाट परिक्षेत्र में अवैध शिकार का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

पदमेश न्यूज। बालाघाट। परिक्षेत्र भैसानघाट में वन विभाग की गश्ती टीम ने अवैध शिकार के मामले में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से एक फरसा बरामद कर जब्त किया गया। पूछताछ के बाद उनकी निशानदेही पर वन क्षेत्र से अवैध रूप से शिकार की गई मादा सांभर का शव भी बरामद किया

गया। 04 अक्टूबर को वन विभाग का गश्ती दल भैसानघाट परिक्षेत्र में नियमित गश्त पर था। इसी दौरान दो संदिग्ध व्यक्तियों को घेराबंदी कर पकड़ा गया। तलाशी के दौरान उनके पास से धारदार हथियार फरसा बरामद हुआ। आरोपियों से पूछताछ एवं उनकी निशानदेही के आधार पर वन क्षेत्र में सांभर के अवैध शिकार का मामला सामने आया और मादा सांभर का शव बरामद कर विधिवत जब्त किया गया। वन विभाग की टीम ने मौके पर नियमानुसार जब्ती पंचनामा सहित आवश्यक दस्तावेज तैयार कर प्राथमिक वन अपराध प्रकरण दर्ज किया। मृत सांभर के शव का परीक्षण कान्हा टाइगर रिजर्व के वन्यप्राणी चिकित्सा अधिकारी द्वारा किया गया। परीक्षण के दौरान आवश्यक रासायनिक जांच के लिए शव के विभिन्न अंगों एवं चमड़ी के नमूने सुरक्षित रूप से संग्रहित किए गए हैं। सम्पूर्ण कार्रवाई में सहायक संचालक हॉलोन, परिक्षेत्र अधिकारी भैसानघाट सहित वन विभाग के अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। गिरफ्तार दोनों आरोपियों को न्यायालय बैहर के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। प्रकरण में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई जारी है।

स्वामित्व योजना के खिलाफ फिर लामबंद हो रहे पटवारी, बोले मांग नहीं मानी तो विभागीय काम भी रोकेंगे

जिले में 17 सितंबर से योजना हैं बंद, पटवारी संघ ने दी आंदोलन करने की चेतावनी, विक्रेता की भूमिका पर जताई आपत्ति, न्यायालय जाने की भी तैयारी

पदमेश न्यूज। बालाघाट। केंद्र सरकार की स्वामित्व योजना को लेकर पटवारियों और प्रशासन के बीच टकराव अब और बढ़ता दिखाई दे रहा है। योजना में पटवारियों से कराए जा रहे कार्यों को लेकर जिले से लेकर प्रदेश स्तर तक विरोध लगातार तेज हो रहा है। इसी कड़ी में बालाघाट जिले के पटवारियों ने 17 सितंबर से स्वामित्व योजना से जुड़े कार्यों का बहिष्कार कर रखा है। इससे पहले पटवारियों द्वारा एक दिवसीय असहयोग आंदोलन भी किया जा चुका है और जिला प्रशासन को अपनी मांगों से अवगत कराया गया था। अब एक बार फिर पटवारी संघ ने आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी है।

प्रांतीय पटवारी संघ के पदाधिकारी गिरधारी भगत ने 5 अक्टूबर को पद्मेश न्यूज़ से चर्चा में कहा कि पटवारी लगातार स्पष्ट कर रहे हैं कि स्वामित्व योजना में जिस प्रकार की जिम्मेदारी उन्हें सौंपी जा रही है, वह उनके पद और अधिकार क्षेत्र के अनुरूप नहीं है। इसके बावजूद शासन और प्रशासन की ओर से अभी तक ऐसा कोई ठोस निर्णय सामने नहीं आया है, जिससे पटवारियों की आपत्ति का समाधान हो सके। उन्होंने कहा कि यदि सरकार और प्रशासन इसी तरह उनकी मांगों को नजरअंदाज करते रहे तो पटवारी दोबारा आंदोलन की राह पर जाने के लिए मजबूर होंगे। गिरधारी भगत ने कहा कि जिले के अलग-अलग पटवारी संगठनों से जुड़े पटवारीयों ने 17 सितंबर से स्वामित्व योजना का काम पूरी तरह बंद कर चुके हैं। इसके बावजूद यदि प्रशासन की ओर से पटवारियों को योजना से मुक्त

करने या उनकी जिम्मेदारी स्पष्ट करने को लेकर कोई सकारात्मक पहल नहीं होती है तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। उन्होंने साफ शब्दों में चेतावनी दी कि जरूरत पड़ने पर पटवारी केवल स्वामित्व योजना का ही नहीं, बल्कि अन्य योजनाओं और विभागीय कार्यों का भी विरोध स्वरूप बहिष्कार कर सकते हैं। पटवारी संघ की सबसे बड़ी आपत्ति स्वामित्व योजना में पटवारियों को दी जा रही कथित विक्रेता की भूमिका को लेकर है। गिरधारी भगत का कहना है कि पटवारी मूल रूप से कर्मचारी हैं और उन्हें इस तरह की भूमिका में रखना उचित नहीं है। उनका कहना है कि यदि किसी संपत्ति के दस्तावेजीकरण अथवा रजिस्ट्री से संबंधित प्रक्रिया में भविष्य में विवाद खड़ा होता है और कोई ग्रामीण या हितग्राही न्यायालय पहुंचता है तो उसका सीधा असर संबंधित पटवारी पर पड़ सकता है। ऐसी स्थिति में पटवारी को कानूनी कार्रवाई और अन्य परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि पटवारी अपनी जिम्मेदारियों से भाग नहीं रहे हैं, लेकिन जिस कार्य के लिए उन्हें न तो पर्याप्त अधिकार प्राप्त हैं और न ही भविष्य में उत्पन्न होने वाली कानूनी जिम्मेदारी से सुरक्षा, उसे करने के लिए बाध्य किया जाना उचित नहीं है। संघ का कहना है कि सरकार को पहले पटवारियों की भूमिका, अधिकार और जिम्मेदारी को स्पष्ट करना चाहिए, उसके बाद ही उनसे योजना के तहत काम लिया जाना चाहिए। पटवारी संघ के पदाधिकारी ने कहा कि अन्य जिलों में भी कई पटवारी साथी स्वामित्व योजना में अपनी भूमिका और जिम्मेदारियों को लेकर न्यायालय का दरवाजा खटखटाने की तैयारी कर रहे हैं। इससे साफ है कि यह विवाद अब केवल बालाघाट जिले तक सीमित नहीं रहा है, बल्कि प्रदेश के कई जिलों में पटवारियों के बीच असंतोष बढ़ता जा रहा है। गिरधारी भगत ने कहा कि पटवारी संगठन लगातार शासन और प्रशासन तक अपनी बात पहुंचा रहा है। एक दिवसीय असहयोग आंदोलन के माध्यम से भी अपनी नाराजगी जाहिर की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि पटवारियों के हित में निर्णय नहीं लिया गया और स्वामित्व योजना से उन्हें मुक्त नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में जिले में फिर से हड़ताल शुरू की जा सकती है। अब प्रशासन के सामने दोहरी चुनौती है। एक ओर स्वामित्व योजना को निर्धारित समय में पूरा करने का दबाव है, वहीं दूसरी ओर पटवारियों के विरोध के कारण योजना के क्रियान्वयन में अड़चन पैदा हो रही है। पटवारी संघ के तेवरों को देखते हुए आने वाले दिनों में यदि शासन स्तर से कोई निर्णय नहीं लिया गया तो यह विवाद और व्यापक होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

शराब भट्टी हटाने खमरिया की 50 से ज्यादा महिलाएं पहुंचीं कलेक्ट्रेट

अवैध शराब बिक्री पर रोक की मांग, बोलीं नशे से बिगड़ रहा गांव का माहौल, बच्चों और युवाओं पर पड़ रहा बुरा असर

पदमेश न्यूज। बालाघाट। जिले के ग्रामीण अंचलों में शराबबंदी को लेकर महिलाओं का आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। अब लालबर्रा क्षेत्र के खमरिया गांव की 50 से अधिक महिलाओं ने शराब के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए सोमवार को जिला मुख्यालय पहुंचकर कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा। महिलाओं ने गांव में संचालित शराब भट्टी को हटाने के साथ ही अवैध रूप से हो रही शराब बिक्री पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। महिलाओं का कहना है कि शराब के बढ़ते कारोबार ने गांव का माहौल बिगाड़ दिया है और इसका सबसे ज्यादा असर बच्चों तथा युवा पीढ़ी पर पड़ रहा है। खमरिया ग्राम पंचायत की सरपंच ज्योति अनिल टेंभरे एवं पूर्व सरपंच लक्ष्मी वागडे ने बताया कि गांव की महिलाओं ने मिलकर नशामुक्ति को लेकर एक समिति गठित की है। समिति का उद्देश्य गांव में शराब की बिक्री और सेवन पर रोक लगाकर खमरिया को नशामुक्त गांव बनाना है। महिलाओं का आरोप है कि गांव में अवैध शराब की बिक्री लगातार जारी है, जिसके कारण कम उम्र के बच्चे और युवा भी नशे की गिरफ्त में आते जा रहे हैं। शराब के कारण परिवारों में विवाद बढ़ने के साथ ही ग्रामीण वातावरण भी प्रभावित हो रहा है। महिलाओं ने स्पष्ट किया कि उनका विरोध केवल अवैध शराब बिक्री तक सीमित नहीं है। गांव में संचालित लाइसेंसी शराब दुकान को भी हटाने अथवा उसका स्थान परिवर्तन कराने की मांग वे आगे भी उठाएंगी। महिलाओं ने कहा कि ग्राम पंचायत क्षेत्र में शराब दुकान

के संचालन के लिए उनकी ओर से एनओसी नहीं दी जाएगी। उनका कहना है कि जब तक गांव की महिलाओं और ग्रामीणों की सहमति नहीं होगी, तब तक शराब के कारोबार को बढ़ावा देने वाले किसी भी प्रयास का विरोध किया जाएगा। महिलाओं का कहना है कि जिले के अलग-अलग ग्रामीण क्षेत्रों में भी नशे के खिलाफ लगातार आवाज उठ रही है। इससे पहले गढ़दा, कोसमी और सुरवाही सहित अन्य क्षेत्रों की महिलाएं भी शराबबंदी की मांग को लेकर सामने आ चुकी हैं। अब खमरिया की महिलाओं ने भी स्पष्ट कर दिया है कि वे केवल ज्ञापन देकर पीछे हटने वाली नहीं हैं, बल्कि गांव को नशामुक्त बनाने के लिए लगातार अभियान चलाएंगी। सरपंच ज्योति टेंभरे ने कहा कि शराब की उपलब्धता का सीधा असर गांव की युवा पीढ़ी पर पड़ रहा है। छोटे-छोटे बच्चे भी नशे की ओर आकर्षित हो रहे हैं, जो आने वाले समय के लिए गंभीर चिंता का विषय है। शराब के कारण ग्रामीण परिवारों में विवाद और अशांति की स्थिति पैदा हो रही है। महिलाओं ने जिला प्रशासन और पुलिस से मांग की है कि अवैध शराब बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और गांव में नियमित निगरानी एवं पुलिस गश्त की व्यवस्था की जाए। महिलाओं ने जिला प्रशासन से यह भी मांग की कि नशामुक्ति के इस अभियान में पुलिस और संबंधित विभाग उनका सहयोग करें। उनका कहना है कि महिलाएं अपने स्तर पर गांव में शराब के खिलाफ अभियान चला रही हैं, लेकिन प्रशासनिक सहयोग के बिना इस मुहिम को पूरी तरह सफल बनाना मुश्किल होगा। महिलाओं ने चेतावनी दी कि यदि अवैध शराब की बिक्री पर प्रभावी रोक नहीं लगाई गई तो वे आगे आंदोलन को और व्यापक करेंगी। खमरिया की महिलाओं का यह प्रदर्शन इस बात का संकेत है कि ग्रामीण क्षेत्रों में शराब और नशे के खिलाफ अब महिलाएं खुद मोर्चा संभाल रही हैं। प्रशासन के सामने चुनौती यह है कि महिलाओं की शिकायतों की गंभीरता से जांच कर अवैध शराब कारोबार पर कार्रवाई करे और गांव में संचालित लाइसेंसी शराब दुकान को लेकर सामने आई आपत्तियों का भी नियमानुसार निराकरण करे।

मानदेय को लेकर रसोइया बहनों का बढ़ता आक्रोश, अब अलग-अलग संगठन भी आंदोलन की राह पर

एक संगठन की चूल्हा बंद हड़ताल जनपद के सामने जारी, दूसरा संगठन जल्द बस स्टैंड में करेगा प्रदर्शन, मध्यान्ह भोजन व्यवस्था पर मंडराया संकट

पदमेश न्यूज। बालाघाट। जिले में मध्यान्ह भोजन व्यवस्था से जुड़ी रसोइया बहनों को समय पर मानदेय नहीं मिलने का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। मानदेय के लिए रसोइया बहनों के अलग-अलग संगठन अब आंदोलन की राह पर उतर रहे हैं। एक ओर पार्टी स्व-सहायता समूह से जुड़ी रसोइया बहनें चूल्हा बंद आंदोलन के तहत अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं, वहीं दूसरी ओर जनपद पंचायत के सामने भी एक संगठन की रसोइया बहनें अपनी मांगों और मानदेय को लेकर कई दिनों से धरना दे रही हैं। अब केंद्रीय मध्यान्ह भोजन रसोइया संगठन ने भी आंदोलन की रणनीति तैयार करना शुरू कर दिया है, जिससे आने वाले दिनों में जिले की स्कूलों में मध्यान्ह भोजन व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है। इस पूरे मामले को लेकर केंद्रीय मध्यान्ह भोजन रसोइया संगठन से जुड़े देवनाथ पंचेश्वर ने बताया कि रसोइया बहनों को लंबे समय से मानदेय संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। संगठन की ओर से लगातार अपनी मांगों को लेकर आवाज उठाई जा रही है, लेकिन अपेक्षित समाधान नहीं होने के कारण अब संगठन भी आंदोलन करने के लिए मजबूर है। उन्होंने बताया कि जल्द ही स्थानीय बस

स्टैंड में धरना प्रदर्शन करते हुए हड़ताल शुरू की जाएगी। उनका कहना है कि रसोइया बहनें स्कूलों में बच्चों के लिए मध्यान्ह भोजन तैयार करने का महत्वपूर्ण कार्य करती हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें समय पर मानदेय नहीं मिलना गंभीर समस्या है। इधर एक अन्य संगठन की रसोइया बहनें स्थानीय जनपद पंचायत के सामने कई दिनों से धरने पर बैठी हैं। उनका कहना है कि लगातार आंदोलन करने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा उनकी समस्याओं को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। अब स्थिति यह बनती जा रही है कि जिले में रसोइया बहनों के अलग-अलग संगठन एक के बाद एक आंदोलन की राह पकड़ रहे हैं। यदि सभी संगठनों से जुड़ी रसोइया बहनें एक साथ हड़ताल पर चली जाती हैं तो इसका सीधा असर जिले की शासकीय स्कूलों में पढ़ने वाले हजारों बच्चों की मध्यान्ह भोजन व्यवस्था पर पड़ सकता है। सबसे बड़ा सवाल अब यही है कि यदि रसोइया बहनों का आंदोलन लंबा खिंचता है तो स्कूलों में बच्चों को मध्यान्ह भोजन किस व्यवस्था के तहत उपलब्ध कराया जाएगा। एक ओर जहां कुछ स्कूलों में मध्यान्ह भोजन संचालित होने की जानकारी सामने आ रही है, वहीं कई स्थानों पर व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। बावजूद इसके संबंधित विभाग और स्कूल शिक्षा विभाग इस पूरे मामले पर फिलहाल स्पष्ट रूप से कुछ भी कहने से बचता नजर आ रहा है। ऐसे में आने वाले दिनों में रसोइया बहनों का आंदोलन किस रूप में सामने आता है और शासन-प्रशासन उनके मानदेय एवं अन्य मांगों को लेकर क्या निर्णय लेता है, यह देखने वाली बात होगी।

350 क्विंटल गेहूं का अवैध परिवहन पकड़ा गया

व्यापारी से 96 हजार 951 रुपये दांडिक मंडी शुल्क वसूला

पदमेश न्यूज। बालाघाट। कृषि उपज के अवैध परिवहन के विरुद्ध मंडी समिति खैरलांजी और थाना

खैरलांजी की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए 350 क्विंटल गेहूं से भरे ट्रक को पकड़ा है। वाहन में गेहूं का परिवहन बगैर वैध मंडी अनुज्ञा के कटंगी से पाटनचेरू, तेलंगाना किया जा रहा था। कार्रवाई के दौरान संबंधित व्यापारी से 96,951 रुपये का दांडिक मंडी शुल्क वसूल कर शासन के खजाने में जमा कराया गया। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व वारासिवनी श्रीश प्यासी के निर्देशन में मंडी समिति खैरलांजी के सचिव शोभाराम आदिवासी के नेतृत्व में उड़नदस्ता दल ने 4 अक्टूबर की रात करीब 9 बजे खैरलांजी मुख्य मार्ग पर मंडी क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान ट्रक क्रमांक यूपी-70-जेटी- 9589 को रोककर जांच की गई। जांच में वाहन में 350 क्विंटल गेहूं लदा पाया गया, जिसका कटंगी से पाटनचेरू, तेलंगाना के लिए परिवहन किया जा रहा था। मंडी निरीक्षक एवं उड़नदस्ता दल प्रभारी पंकज भलावी, उपनिरीक्षक हेमराज सुलाखे तथा उपनिरीक्षक लालसिंह आर्मो द्वारा दस्तावेजों की जांच करने पर गेहूं के परिवहन के लिए वैध मंडी ई-अनुज्ञा पत्र नहीं पाया गया। इस पर मध्यप्रदेश कृषि उपज मंडी अधिनियम, 1972 की धारा 19(6) के उल्लंघन का प्रकरण तैयार किया गया। जांच में सामने आया कि संबंधित विक्रेता फर्म को मंडी समिति कटंगी में कृषि उपज के विपणन पर देय 18,990 रुपये मंडी शुल्क एवं निराश्रित शुल्क जमा कर वैध ई-अनुज्ञा पत्र प्राप्त करने के बाद गेहूं का परिवहन करना था। मंडी शुल्क जमा किए बिना गेहूं का परिवहन किए जाने पर संबंधित व्यापारी के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 96 हजार 951 रुपये की दांडिक राशि वसूल की गई।

अवैध परिवहन पर लगातार होगी कार्रवाई

एसडीएम श्रीश प्यासी के निर्देश पर वारासिवनी अनुभाग की मंडी समितियों वारासिवनी, खैरलांजी और लालबर्रा के क्षेत्रों में कृषि उपज के अवैध परिवहन एवं अवैध भंडारण पर अंकुश लगाने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। मंडी समिति ने जिले के सभी व्यापारियों और मिलर्स से अपील की है कि वे बगैर ई-अनुज्ञा पत्र एवं आवश्यक बिल के अधिसूचित कृषि उपज का परिवहन न करें और न ही उसका अवैध भंडारण करें।

पीएम आवास में शत प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने पर सूर्यप्रकाश उके सम्मानित

वारासिवनी नगर परिषद की उपलब्धि पर दिल्ली में केंद्रीय आवास एवं शहरी के राज्य मंत्री तोखन साहू ने किया सम्मान

पदमेश न्यूज। बालाघाट। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को आवास का लाभ दिलाने में उत्कृष्ट कार्य करने पर वारासिवनी नगर परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्यप्रकाश उके को दिल्ली में सम्मानित किया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना बीएलसी 1.0 के अंतर्गत वारासिवनी नगर परिषद द्वारा शत प्रतिशत हितग्राहियों को आवास का लाभ दिलाने के उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए भारत सरकार के आवास एवं शहरी मामलों के राज्य मंत्री तोखन साहू ने उन्हें सम्मान प्रदान किया। केंद्र स्तर पर मिले इस सम्मान को नगर परिषद के साथ-साथ बालाघाट जिले के लिए भी महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। सूर्यप्रकाश उके वर्तमान में वारासिवनी नगर परिषद में मुख्य नगर पालिका अधिकारी के रूप में जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। इसके साथ ही वे बालाघाट नगर पालिका परिषद में प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी की जिम्मेदारी भी निभा रहे हैं। दो नगरीय निकायों की जिम्मेदारी के बीच प्रधानमंत्री आवास जैसी महत्वपूर्ण योजना के क्रियान्वयन में बेहतर परिणाम हासिल करना उनकी कार्यशैली और प्रशासनिक क्षमता को दर्शाता है। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत गरीब और जरूरतमंद परिवारों को पक्के आवास का लाभ दिलाना शासन की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। ऐसे में बीएलसी 1.0 के तहत शत प्रतिशत हितग्राहियों को आवास का लाभ दिलाने की उपलब्धि को केंद्र सरकार स्तर पर सराहा जाना नगर परिषद वारासिवनी के लिए बड़ी सफलता मानी जा रही है। इस उपलब्धि में योजना के क्रियान्वयन से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही है। सूर्यप्रकाश उके लंबे समय से बालाघाट जिले के नगरीय निकायों में विभिन्न

जिम्मेदारियां संभालते रहे हैं। योजनाओं को जमीन पर उतारने और पात्र हितग्राहियों तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने को लेकर उनकी कार्यशैली की चर्चा होती रही है। विशेष रूप से आवास, हितग्राहीमूलक योजनाओं और नगरीय सेवाओं के क्रियान्वयन में उनके द्वारा किए गए कार्यों को लेकर उन्हें पूर्व में भी सराहना मिलती रही है। दिल्ली में केंद्र सरकार के मंत्री द्वारा सम्मानित किए जाने के बाद नगरीय प्रशासन से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों में भी उत्साह देखा जा रहा है। वहीं, बालाघाट नगर पालिका में प्रभारी सीएमओ की जिम्मेदारी संभाल रहे सूर्यप्रकाश उके के लिए यह सम्मान इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि केंद्र स्तर पर मिली यह पहचान उनके प्रशासनिक कार्यों की उपलब्धि को रेखांकित करती है।

आस-पास की खबरें

नेवरगांव वा. सर्किल मरार-माली समाज की बैठक संपन्न, जिला प्रस्तावों पर हुई विस्तृत चर्चा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत नेवरगांव वा. निवासी रतिराम खरे के निवास स्थान में रविवार को मरार माली समाज सर्किल नेवरगांव वा. की बैठक संपन्न हुई। यह बैठक सर्किल अध्यक्ष दिलीप कावरे की

अध्यक्षता एवं ब्लॉक मरार माली समाज द्वारा नियुक्त प्रतिनिधि के रूप में जिला प्रतिनिधि धनीराम खैरवार, ब्लॉक मीडिया प्रभारी लकेश पंचेश्वर के विशेष अतिथि में प्रारंभ हुई। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने महात्मा ज्योतिबाराव फुले, माता सावित्रीबाई फुले के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। आयोजित बैठक में जिला प्रतिनिधि धनीराम खैरवार द्वारा जिला आमसभा में पूर्व में पारित समस्त प्रस्तावों को क्रमवार पढ़कर सुनाया गया। जिसमें एक जिला-एक नियम के तहत पारित निर्णयों पर विस्तृत चर्चा हुई तथा सर्किल अंतर्गत आने वाले सभी ग्रामों में इन नियमों को ग्राम बैठकों के माध्यम से लागू करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। वहीं ब्लॉक मीडिया प्रभारी लकेश पंचेश्वर ने सामाजिक एकता, सदस्यता अभियान, शिक्षा एवं संगठन विस्तार सहित अन्य सामाजिक गतिविधियों पर प्रकाश डाला। वहीं बैठक के अंत में सर्किल अध्यक्ष ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित सामाजिक बंधुओं का आभार व्यक्त करते हुए संगठित होकर समाजोत्थान के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने प्रेरित किया। इस अवसर पर नेवरगांव वा. मरार माली समाज सर्किल सचिव मानकराम तामेश्वर, नेवरगांव वा. अध्यक्ष रूपलाल मात्ते, सचिव रतिराम खरे, नयाटोला अध्यक्ष रवि प्रकाश हरदे, दिनेश आचरे, दुरेंद्र मराठे पूर्व अध्यक्ष, मुनेश्वर मात्ते, यादोराव जामरे, योगराज तामेश्वर, चतुर्भुज जामरे, गिरधारीलाल बाहेश्वर, श्रीमती कमलेश्वरी खरे, श्रीमती कामेश्वरी खरे, श्रीमती राधिका मात्ते श्रीमती योगिता जामरे सहित अन्य स्वजातीय बंधु उपस्थित रहे।

एक ही ट्रांसफार्मर से 10 दिन में दूसरी बार ऑयल (तेल) चोरी, पुलिस की गश्त पर उठे सवाल

लालबर्रा के व्यस्ततम पनबिहरी मार्ग की घटना, रात भर गुल रही बिजली, विभाग ने नया ट्रांसफार्मर लगाकर बहाल की आपूर्ति

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर के व्यस्ततम एवं रहवासी क्षेत्र में विद्युत ट्रांसफार्मर से लगातार हो रही ऑयल चोरी की घटनाओं से एक ओर जहां आम नागरिक परेशान हैं। वहीं दूसरी ओर पुलिस प्रशासन की गश्त प्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। नगर मुख्यालय स्थित पनबिहरी मार्ग पर पुराने जनपद पंचायत कार्यालय के सामने लगे ट्रांसफार्मर से मात्र 10 दिनों के भीतर दूसरी बार अज्ञात चोरों ने बेखौफ होकर सारा ऑयल (तेल) चोरी कर फरार हो गये। जिससे उक्त क्षेत्र में बिजली गुल रहने से निवासरत लोगों को अंधेरे में रात गुजारनी पड़ी है। वहीं 10 दिन पूर्व भी इसी स्थान पर अज्ञात चोरों द्वारा ट्रांसफार्मर से ऑयल चुराया था, जिसके बाद विद्युत विभाग ने त्वरित कार्यवाही करते हुए नया ट्रांसफार्मर स्थापित कर बिजली आपूर्ति बहाल की थी। लेकिन बीते रविवार-सोमवार की दरमियानी रात चोरों ने दोबारा उसी ट्रांसफार्मर को निशाना बनाया। लालबर्रा बस स्टैंड से मात्र 500 मीटर की दूरी पर स्थित मुख्य सड़क किनारे घटी इस घटना से साफ जाहिर है कि चोरों के हौसले बुलंद हैं और उन्हें कानून का कोई खौफ नहीं है। वहीं एक ही स्थान से बार-बार ट्रांसफार्मर से ऑयल चोरी होने की घटना से निवासरत लोगों में रोष व्याप्त है और उनके मन में डर बन गया है कि अज्ञात चोर मकानों में घुसकर भी चोरी की वारदात को अंजाम दे सकते है। पुलिस प्रशासन से रात्रि गश्त बढ़ाकर अज्ञात चोरों को जल्द गिरफ्तार कर सख्त कार्यवाही करने की मांग की है।

रात भर अंधेरे में रहे रहवासी

पुराने जनपद पंचायत कार्यालय स्थित ट्रांसफार्मर से बीती रात्रि में ट्रांसफार्मर से ऑयल चोरी होने के बाद अचानक बिजली बंद होने से पूरे क्षेत्र में अंधेरा छा गया और बरसात के मौसम में निवासरत लोगों को पूरी रात परेशान होना पड़ा। सुबह जब ग्रामीणों ने विद्युत विभाग को सूचना दी, तो कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर देखा कि ट्रांसफार्मर का पूरा ऑयल गायब था। कर्मचारियों ने तत्काल इसकी जानकारी उच्च अधिकारियों को दी। जिसके बाद विद्युत विभाग की टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए खराब ट्रांसफार्मर को हटाकर नया ट्रांसफार्मर लगाया, तब जाकर क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बहाल हुई और लोगों ने राहत की सांस ली।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस, थाने में शिकायत दर्ज

एक ही स्थान पर बार-बार हो रही इस तरह की वारदात को गंभीरता से लेते हुए विद्युत विभाग ने लालबर्रा पुलिस थाने में लिखित शिकायत दर्ज करवाई है तथा अज्ञात चोरों को जल्द गिरफ्तार कर सख्त कार्यवाही की मांग की है। वहीं पुलिस प्रशासन भी एक ही स्थान से बार-बार ट्रांसफार्मर से ऑयल चोरी होने की वारदात घटित होने के बाद हरकत में आ गया है। पुलिस घटना स्थल के आसपास एवं स्थानीय निवासियों के घरों के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। पुलिस का मानना है कि यदि फुटेज में चोरों का कोई सुराग मिलता है, तो क्षेत्र में सक्रिय इस ऑयल चोर गिरोह का बड़ा खुलासा हो सकता है।

अज्ञात चोरों को जल्द गिरफ्तार कर सख्त कार्यवाही करें पुलिस प्रशासन - मिथलेश

दूरभाष पर चर्चा में कनिष्ठ यंत्री मिथलेश उइके ने बताया कि लालबर्रा जनपद पंचायत के पुराने कार्यालय के समीप लगे ट्रांसफार्मर से 10 दिनों के अंदर दो बार अज्ञात चोरों ने ऑयल चोरी की वारदात को अंजाम दे चुके है। इसके पूर्व में भी ग्रामीण क्षेत्रों में लगे ट्रांसफार्मरों से ऑयल की चोरी हो चुकी है। श्री उइके ने बताया कि खराब ट्रांसफार्मर को बदलकर नया ट्रांसफार्मर लगाकर बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई है एवं घटना स्थल के आसपास स्थित मकानों में लगे सीसीटीव्ही कैमरे के फुटेज पुलिस खंगाल रही है। साथ ही थाने में लिखित शिकायत दर्ज करवा दी गई है और पुलिस प्रशासन से मांग है कि जल्द अज्ञात चोरों को गिरफ्तार कर सख्त कार्यवाही करें।

मोहगांव ध. में प्रतिभा सम्मान समारोह और सांस्कृतिक कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 10 किमी. दूर ग्राम पंचायत मोहगांव ध. में यूथ फ्रेंडस क्लब के तत्वाधान में गत दिवस आयोजित 12 वां प्रतिभा सम्मान समारोह एवं भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम अत्यंत गरिमामय माहौल में संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे, लांजी विधायक राजकुमार

करहि, वारासिवनी विधायक विवेक पटेल के मुख्य आतिथ्य एवं डिंडोरी थाना प्रभारी दुर्गाप्रसाद नगपुरे की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्र'वलित एवं माल्यार्पण किया। जिसके बाद प्रतिभा सम्मान समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर क्षेत्र के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं, उत्कृष्ट खेल प्रतिभाओं तथा सामाजिक, सांस्कृतिक व धार्मिक गतिविधियों में अग्रणी भूमिका निभाने वाले ग्रामीणों एवं वरिष्ठजनों को शॉल, श्रीफल व स्मृति चिन्ह भेंट कर अतिथियों के हस्ते सम्मानित किया गया। आयोजित कार्यक्रम में मुख्य आकर्षण का केंद्र लोकप्रिय टीवी कलाकार ईशानी नगपुरे रहीं। ईशानी ने दर्शकों का आभार व्यक्त करते हुए छत्तीसगढ़ी के प्रसिध्द गीत 'हाय री सुंदरियां झका नन' और 'बस्तरिया बाला' पर शानदार नृत्य प्रस्तुतियां दीं, जिस पर पूरा पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। वहीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से सामाजिक एकता और समरसता बनी रहती है। साथ ही बेटी ईशानी ने अपनी लगन और कला से क्षेत्र का नाम रोशन किया है। आज के युवाओं को शिक्षा, खेल और संस्कृति से जुड़कर निरंतर आगे बढ़ते रहना चाहिए। लांजी विधायक राजकुमार करहि ने कहा कि छोटे ब'चों को मंच प्रदान करना, उनका हौसला बढ़ाना और शिक्षा के लिए प्रेरित करना अत्यंत सराहनीय पहल है। वारासिवनी विधायक विवेक पटेल ने कहा कि वे विगत कई वर्षों से इस गरिमामयी आयोजन में सम्मिलित हो रहे हैं। प्रतिभावान हस्तियों का सम्मान और ख्यातिप्राप्त कलाकारों की प्रस्तुतियां अब मोहगांव ध. की विशिष्ट पहचान बन चुकी हैं। डिंडोरी थाना प्रभारी दुर्गाप्रसाद नगपुरे ने युवाओं को सफलता का मंत्र देते हुए कहा निडरता और ईमानदारी से किया गया प्रयास कभी व्यर्थ नहीं जाता। मेहनत और विश्वास के बल पर कोई भी मंजिल हासिल की जा सकती है, जिसका जीवंत उदाहरण ईशानी नगपुरे हैं। वहीं कार्यक्रम संयोजक राधे नगपुरे ने कहा कि यूथ फ्रेंड्स क्लब का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण अंचल की छिपी हुई प्रतिभाओं को उजागर करना है। उन्होंने कार्यक्रम में पधारे समस्त अतिथियों, ईशानी नगपुरे एवं उनके परिजनों तथा प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष सहयोग देने वाले सभी ग्रामीणों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर यूथ फ्रेंड्स क्लब के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों का सराहनीय योगदान रहा।

प्रशासनिक कार्यवाही का शिकार हुआ गरीब किसान पन्नालाल

पीडित किसान ने राजस्व अधिकारियों पर कृषक धनीराम को लाभ पहुंचाने का लगाया आरोप, प्रशासन ने काटी खड़ी धान की हरी फसल

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। लालबर्रा तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम मिरेगांव निवासी एक पीड़ित किसान पन्नालाल पिता बलराम चंद्रवार ने तहसीलदार सहित अन्य राजस्व अधिकारियों और स्थानीय पटवारियों पर निजि भूमि की हरी फसल काटकर कृषक धनीराम पटले को लाभ पहुंचाने का आरोप लगाया है। पीड़ित किसान ने गत दिवस जिला प्रशासन एवं क्षेत्रीय विधायक को ज्ञापन सौंपकर मामले की जांच कर दोषियों पर कार्यवाही करने की मांग की है। किसान का आरोप है कि ग्राम के बड़े किसान को अनैतिक रूप से लाभ पहुंचाने की नीयत से अधिकारियों ने उसकी कृषि भूमि पर लगी खड़ी धान की हरी फसल को कटवाकर फेंक दिया, जिससे उसे भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। पीड़ित किसान पन्नालाल के अनुसार ग्राम मिरेगांव स्थित उसकी कृषि भूमि के पास ही अन्य पड़ोसी कृषक धनीराम पटले की भूमि स्थित है। धनीराम ने तहसीलदार न्यायालय में पन्नालाल के खेत से रास्ता दिलाने का आवेदन दिया था। किसान का आरोप है कि तत्कालीन तहसीलदार ने उसे अपनी सफाई पेश करने या सुनवाई का कोई अवसर दिए बिना ही 4 अगस्त 2025 को उसकी भूमि से कब्जा हटाने का आदेश पारित कर दिया। इस आदेश की जानकारी किसान को समय पर नहीं दी गई और गत दिवस बेदखली वारंट जारी कर दिया गया। किसान जब अपील दाखिल करने वारासिवनी में था, उसी दौरान गत दिवस दोपहर लगभग 2 बजे अनावेदक

धनीराम पटले और राजस्व विभाग के दल ने पन्नालाल के खेत पर पहुंचकर उसकी खड़ी धान की हरी फसल को काटकर फेंक दिया। ग्राम मिरेगांव के सरपंच ने फोन पर किसान को इस घटना की सूचना दी। किसान द्वारा व्हाट्सएप के माध्यम से एसडीएम कोर्ट में की गई अपील और चालान की रसीद भेजने के बावजूद अधिकारियों ने एक न सुनी और फसल को बर्बाद कर दिया। इस अमानवीय कृत्य से किसान को लगभग 25 हजार रूपये का नुकसान हुआ है। पीडित किसान पन्नालाल चंद्रवार ने क्षेत्रीय विधायक, उच्चाधिकारियों व पुलिस प्रशासन को शिकातय कर मामले की उच्चस्तरीय निष्पक्ष जांच करवाने, अधिकारियों व कर्मचारियों को तत्काल पद से हटाने, जिस किसान को लाभ पहुंचाने के लिए हरी फसल काटी गई है उस पर एवं राजस्व दल पर वैधानिक कार्यवाही करने की मांग की है।

शास. जमीन पर किये गये अतिक्रमण को नियमानुसार हटाया गया है - विनोद

दूरभाष पर चर्चा में नायब तहसीलदार विनोदकुमार कोर्राम ने बताया कि मिरेगांव के किसान पन्नालाल ने शासकीय खसरा नंबर 233 (रास्ते) की भूमि पर धान की फसल को लगाकर सार्वजनिक रास्ते को बाधित कर दिया था, जिससे धनीराम पटले सहित अन्य किसानों को आवागमन में परेशानी हो रही थी। वहीं शिकायत की गंभीरता को लेते हुए तहसीलदार लालबर्रा द्वारा जारी आदेश 17 सितंबर 2026 के परिपालन में राजस्व टीम ने मौके पर पहुंचकर शास. भूमि पर बोई गई धान की फसल को कटवाकर शास. रास्ते को पूरी तरह अतिक्रमण मुक्त करवाया है। साथ ही यह भी बताया कि किसान पन्नालाल के द्वारा जिस भूमि को निजि बता रहा है वहां राजस्व रिकार्ड में शास. जमीन है और अन्य किसान को लाभ पहुंचाने का जो आरोप लगाया जा रहा है सभी आरोप निराधार एवं बेबुनियाद है, नियमानुसार अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई है।

जनपद शिक्षा केन्द्र के सामने से दिनदहाड़े बीएसी की मोटरसाइकिल चोरी

अज्ञात चोर सीसीटीव्ही कैमरे में कैद, पुलिस मामले की जांच में जुटी

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित जनपद शिक्षा केन्द्र (बीआरसी कार्यालय) के सामने से सोमवार को दिनदहाड़े विकासखण्ड अकादमी समन्वयक (बीएसी) जितेन्द्रकुमार डाहरे की मोटरसाइकिल अज्ञात चोर चोरी कर फरार हो गया। पूरी वारदात शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय लालबर्रा में लगे सीसीटीव्ही कैमरे के फुटेज में कैद हो गई है, लेकिन चेहरा स्पष्ट न दिखाई देने के कारण चोर की पहचान फिलहाल नहीं हो सकी है। चोरी गई फैशन प्रो मोटरसाइकिल की कीमत लगभग 50 हजार रूपये बताई जा रही है। पीड़ित बीएसी की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सीसीटीव्ही फुटेज में दिखा संदिग्ध

प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासखण्ड अकादमी समन्वयक (बीएसी) जितेन्द्र कुमार डाहरे सोमवार को सुबह लगभग 10.30 बजे अपनी फैशन प्रो मोटरसाइकिल से कार्यालय पहुंचे थे और वाहन बाहर खड़ा कर अपने काम में व्यस्त हो गये। दोपहर करीब 1 बजे जब वे बाहर आये तो मोटरसाइकिल गायब मिली। आसपास काफी खोजबीन के बाद जब उत्कृष्ट विद्यालय परिसर के सीसीटीव्ही फुटेज खंगाले गये तो उसमें एक संदिग्ध युवक परिसर में घूमता हुआ दिखाई दिया, जो कुछ देर बाद मोटरसाइकिल लेकर रफूचक्कर होता नजर आया। इस तरह से अज्ञात चोर ने कार्यालय के आसपास घुमने के बाद वाहन के पास जाकर एवं परिसर में पहले रैकिंग किया कि किसी को कोई संदेह तो नही हो रहा है। जिसके कुछ देर बाद सुनेपन का फायदा उठाकर वह मोटरसाइकिल लेकर से फरार गया। इस घटना के बाद से लोगों में रोष व्याप्त है।

नगर में लगातार बढ़ रही आपराधिक वारदातें

जनपद शिक्षा केन्द्र और उत्कृष्ट विद्यालय भवन के पीछे से दिनदहाड़े हुई इस चोरी से साफ है कि अज्ञात चोरों (असामाजिक) तत्वों में पुलिस का कोई खौफ नहीं रह गया है। उल्लेखनीय है कि बीती रात ही पुराने जनपद पंचायत कार्यालय के सामने स्थित ट्रांसफार्मर से ऑयल चोरी होने की घटना भी सामने आई थी। लगातार दो दिनों में हुई इन घटनाओं से नगर मुख्यालय में चोरों के सक्रिय होने की आशंका गहरा गई है। वहीं

दिनदहाड़े हुई इस वारदात के बाद जनपद शिक्षा केन्द्र आने वाले अन्य शिक्षकों एवं कर्मचारियों में अपने वाहनों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। स्थानीयजनों व शिक्षकों ने जनपद शिक्षा केन्द्र परिसर में सीसीटीव्ही कैमरे लगवाने तथा सुरक्षा गार्ड तैनात करने की मांग की है। साथ ही पुलिस प्रशासन से दिन एवं रात्रि में नियमित गश्त बढ़ाकर अज्ञात चोरों को शीघ्र गिरफ्तार कर सख्त कार्यवाही करने की मांग की है।

सीसीटीव्ही फुटेज के आधार पर पुलिस चोर की तलाश कर रही है - जितेन्द्र

बीएसी जितेन्द्रकुमार डाहरे ने बताया कि रोजाना की तरह सोमवार को भी प्रात: 10.30 बजे मोटरसाइकिल से बीआरसी कार्यालय आया था और बाहर वाहन खड़ी कर अपने कार्य में लग गया। दोपहर 1 बजे बाहर आकर देखा तो मोटरसाइकिल गायब थी, जिसके बाद खोजबीन की गई किन्तु पता नही चला। जिसके बाद उत्कृष्ट विद्यालय परिसर में लगे सीसीटीव्ही कैमरों के फुटेज की जांच की गई, तो उसमें 25 से 30 वर्ष की आयु का एक अज्ञात युवक गाड़ी ले जाते हुए दिखाई दिया है। युवक ने पहले पूरे परिसर का जायजा लिया और फिर मौका मिलते ही वाहन लेकर फरार हो गया। श्री डाहरे ने बताया कि इसके पूर्व में भी इस परिसर से दो तीन वाहन चोरी हो चुकी है, पुलिस सीसीटीव्ही फुटेज के आधार पर अज्ञात चोर की तलाश में जुट गई है, अज्ञात चोर को गिरफ्तार कर सख्त कार्यवाही करें।

समर्थन मूल्य पर धान बेचने के पंजीयन में आ रही अड़चनें, किसान परेशान

पोर्टल की धीमी गति और सर्वर डाउन से घंटों इंतजार के बाद भी नहीं हो पा रहा पंजीयन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी खैरलांजी क्षेत्र के किसान इन दिनों समर्थन मूल्य पर शासन को धान की उपज विक्रय करने के लिए होने वाले पंजीयन को लेकर खासे परेशान हैं। पंजीयन कराने के लिए किसान लगातार सेवा सहकारी समितियों और ऑनलाइन सेंटरों के चक्कर लगा रहे है,लेकिन पोर्टल की धीमी गति एवं सर्वर संबंधी समस्या के चलते घंटों इंतजार करने के बाद भी उनका पंजीयन नहीं हो पा रहा है। स्थिति यह है कि कई किसान पिछले चार पांच दिनों से लगातार पंजीयन कराने के लिए पहुंच रहे है,लेकिन उन्हें निराश होकर वापस लौटना पड़ रहा है। समर्थन मूल्य पर धान विक्रय के लिए पंजीयन की अंतिम तिथि १० अक्टूबर निर्धारित बताई जा रही है। अब अंतिम तिथि में कुछ ही दिन शेष रहने के कारण किसानों की चिंता और बढ़ गई है।

पांच पांच घंटे इंतजार फिर भी नहीं हो रहा काम

वारासिवनी खैरलांजी क्षेत्र कृषि प्रधान क्षेत्र है और यहां बड़ी संख्या में किसान खरीफ सीजन में धान की खेती करते हैं। वर्तमान में किसान अपनी धान की फसल को समर्थन मूल्य पर बेचने के लिए पंजीयन कराने की प्रक्रिया में जुटे हुए हैं। इसके लिए नगर के ऑनलाइन सेंटरों के साथ ही विभिन्न स्थानों पर संचालित सेवा सहकारी समितियों में किसानों की भीड़ दिखाई दे रही है। पंजीयन कराने के लिए उन्हें कई कई घंटे कतार में खड़ा रहना पड़ रहा है। करीब चार से पांच घंटे इंतजार करने के बावजूद पोर्टल नहीं चलने के कारण उनका काम पूरा नहीं हो रहा। किसान लगातार कुछ दिनों से प्रयास कर रहे हैं लेकिन सर्वर डाउन अथवा पोर्टल की धीमी गति के कारण पंजीयन नहीं हो पा रहा है। पंजीयन की समस्या का असर किसानों के दैनिक कार्यों पर भी पड़ रहा है। वर्तमान समय में खेतों में खरीफ की फसल को लेकर किसानों के लिए महत्वपूर्ण कृषि कार्य चल रहे हैं। इसके बावजूद पंजीयन की अंतिम तिथि नजदीक होने के कारण किसान अपने खेती किसानी और अन्य जरूरी कार्यों को छोड़कर ऑनलाइन सेंटर एवं समितियों के चक्कर लगाने को मजबूर हैं। एक ओर मौसम की मार से खरीफ की फसल प्रभावित हुई है और दूसरी ओर अब उपज को समर्थन मूल्य पर बेचने के लिए पंजीयन कराने में परेशानी सामने आ रही है। यदि पंजीयन ही समय पर नहीं हो पाया तो किसान अपनी उपज को निर्धारित समर्थन मूल्य पर बेचने के अवसर से वंचित हो सकते हैं। पंजीयन की अंतिम तिथि में अब कुछ ही दिन शेष हैं। ऐसे में यदि पोर्टल की तकनीकी समस्या का तत्काल समाधान नहीं किया गया तो आगामी दिनों में पंजीयन केंद्रों पर किसानों की भीड़ और बढ़ने की संभावना है। किसानों ने शासन प्रशासन से मांग की है कि पंजीयन पोर्टल की तकनीकी समस्या को तत्काल दूर कर उसकी गति बढ़ाई जाए ताकि सभी किसान निर्धारित समयावधि में अपना पंजीयन करा सकें। साथ ही पंजीयन की अंतिम तिथि को आगे बढ़ाने की मांग भी किसानों द्वारा की जा रही है।

सर्वर की गति धीमी चलने से किसानों को भारी समस्या हो रही है-कीर्ति रहाँगडाले

किसान कीर्ति रहाँगडाले ने बताया कि मैं पंजीयन करवाने के लिए आया था सर्वर बैठा है। पंजीयन लेट होगा बता रहे हैं अंतिम तारीख भी अब पास आ गई है यदि पंजीयन नहीं हो पाया तो नुकसान होगा। हमें अपनी खेती भी देखना होता है समय नहीं मिल पाता है और जब भी पंजीयन के लिए आते हैं तो वह नहीं होता है। यह अकेले हमारी नहीं हर किसी की और हर जगह की दिक्कत है जो पोर्टल में पंजीयन होना है, वह कभी बंद हो जाता है तो गति कम हो जाती है तो उसे व्यवस्थित करना चाहिए। अंतिम तारीख भी आगे बढ़ाई जानी चाहिए अभी १० तारीख है उसे २० कर देना चाहिए ताकि किसान वंचित ना हो। इससे सभी किसानों को लाभ मिलेगा वरना किसान अपना कर्ज भी चुकता नहीं कर पाएगा मैं चार दिनों से आ रहा हूं और कहीं भी पंजीयन नहीं हो पा रहा है।

धान पंजीयन की तिथि को बढ़ाना चाहियें- पंकज पटले

किसान पंकज पटले ने बताया कि दो से तीन बार आकर हम वापस निराश होकर लौटे हैं हर बार पंजीयन की कोशिश करें हैं पर नहीं हुआ। समिति और ऑनलाइन सेंटर दोनों जगह स्थिति खराब है,सर्वर बैठा हुआ बताते हैं करीब ३ दिन हो गया यह स्थिति बनी हुई है। एक तो पहले धान में बीमारी लगी थी मौसम खराब था उससे परेशान थे आप इस पंजीयन से परेशान है। १० अक्टूबर अंतिम है यदि यह चूक गई तो हम शासन को उपज देने में छूट जाएंगे इसलिए हमें अभी रोज अपने रोजगार को छोड़कर पूरा दिन पंजीयन करने में व्यतीत कर रहे हैं। परंतु पंजीयन हो नहीं रहा है किसी किसान का हो भी रहा है तो बड़ी मशक्कत के बाद पंजीयन होता है।

इलेक्ट्रॉनिक मोपेड में हुई तेज स्पार्किंग १४ वर्षीय बालक झुलसा

कोसरीटोला रेलवे फाटक पर हुआ हादसा,घायल का सिविल अस्पताल में उपचार जारी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत मुरझड़ के कोसरीटोला रेलवे क्रॉसिंग पर सोमवार की शाम एक इलेक्ट्रॉनिक मोपेड में अचानक तेज स्पार्किंग होने से उस पर सवार १४ वर्षीय बालक झुलस गया। हादसे में बालक के हाथ का पंजा गंभीर रूप से झुलस गया जिसके बाद परिजनों के द्वारा उसे तत्काल उपचार के लिए वारासिवनी स्थित सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में बालक का उपचार जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कोसरीटोला निवासी रंजीत यादव के घर में इलेक्ट्रॉनिक मोपेड है। सोमवार की शाम उनकी पत्नी योगिता यादव अपने १४ वर्षीय पुत्र प्रेम यादव के साथ उपचार के सिलसिले में वारासिवनी नगर आने के लिए घर से निकली थीं। बताया गया कि दोनों इलेक्ट्रॉनिक मोपेड पर सवार होकर कोसरीटोला रेलवे क्रॉसिंग पहुंचे थे। इस दौरान रेलवे फाटक बंद होने के कारण वे फाटक खुलने का इंतजार कर रहे थे और मोपेड पर ही बैठे हुए थे। इसी दौरान अचानक इलेक्ट्रॉनिक मोपेड में चाबी लॉक के पास तेज स्पार्किंग होने लगी। देखते ही देखते विद्युत चिंगारी निकलने से मोपेड पर बैठे प्रेम यादव के हाथ में करेंट का असर हुआ और उसका हाथ बुरी तरह झुलस गया। घटना इतनी अचानक हुई कि बालक और उसकी मां कुछ समझ पाते इससे पहले ही मोपेड की चाबी भी जलकर क्षतिग्रस्त हो गई। मोपेड में तेज स्पार्किंग होते देख योगिता यादव और प्रेम यादव तत्काल वाहन से दूर हट गए। गनीमत रही कि स्पार्किंग के बावजूद मोपेड में आग नहीं लगी अन्यथा हादसा और गंभीर हो सकता था। घटना के बाद मौके पर अफरा तफरी की स्थिति निर्मित हो गई। हादसे की जानकारी योगिता यादव ने तत्काल अपने पति रंजीत यादव को दी। सूचना मिलते ही रंजीत यादव मौके पर पहुंचे और घायल पुत्र प्रेम यादव को उपचार के लिए वारासिवनी के सिविल अस्पताल लेकर आए जहां चिकित्सकों द्वारा उसका उपचार किया जा रहा है। प्रारंभिक तौर पर घटना का कारण इलेक्ट्रॉनिक मोपेड में अचानक हुई विद्युत स्पार्किंग बताया जा रहा है। इस घटना ने इलेक्ट्रॉनिक वाहनों की बैटरी, वायरिंग और विद्युत प्रणाली की सुरक्षा को लेकर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। घटना के बाद परिजनों में चिंता का माहौल बना हुआ है। घायल के पिता रंजीत यादव ने बताया कि यह घटना इलेक्ट्रॉनिक वाहन में हमारे घर में पहली बार हुई है और किस कारण से हुई यह हमें भी पता नहीं है । परंतु गाड़ी पर बैठे हुए थे तभी अचानक यह हादसा होना बताया जा रहा है लड़के का हाथ का पंजा बहुत ज्यादा जल गया है और पूरा काला हो गया है। हालांकि इस संबंध में पुलिस कंप्लेंट की जाएगी क्योंकि यह एक प्रकार से जान का जोखिम भी है।

जिलाध्यक्ष जावेद अली के नेतृत्व में राहुल प्रियंका गांधी विचार मंच का किया विस्तार

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। प्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ,जिला कांग्रेस कमेटी जिलाध्यक्ष,संजय उईके जिला ट्रेनर भोजेश्वर पटले की अनुशंसा पर वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत कोस्ते में कांग्रेस राहुल प्रियंका गांधी विचार मंच के जिलाध्यक्ष जावेद अली ने राहुल प्रियंका गांधी विचार मंच का विस्तार किया। जिसमें डुलीचंद बघेले को डोंगरमाली ब्लॉक उपाधयक्ष एवं ग्राम पंचायत कोस्ते ग्रामीण अध्यक्ष शुभाष आड़े,डोंगरमाली ब्लॉक सह सचिव अंजिलाल अवजेकर, कोस्ते ग्रामीण सचिव रमेश टेंभरे, कोस्ते ग्रामीण सह सचिव संजय पटले को नियुक्ति पत्र प्रदान कर कोस्ते कांग्रेस नवागत ग्रामीण अध्यक्ष संजय चौहान का भी स्वागत सम्मान कर हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की। इस दौरान ग्राम पंचायत सरपंच योगेश टेकाम, उपसरपंच दीवान चौधरी ,विनय पटले, तेजराम राऊत, शिव प्रसाद पटले, धनलाल क्षीरसागर, दिलीप क्षीरसागर एवं सभी कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

चलित झांकी और आतिशबाजी रहेगी आकर्षण का केंद्र

विधायक पटेल की उपस्थिति में श्रीराम मंदिर में दशहरा आयोजन समिति की बैठक सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। विजयादशमी का पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक के रूप में आगामी २० अक्टूम्बर को शांतिपूर्ण,सौहार्द्रपूर्ण और भव्य तरीके से मानने हेतु दशहरा आयोजन समिति के अध्यक्ष व क्षेत्रीय विधायक विवेक पटेल की उपस्थिति में नगर के श्रीराम मंदिर में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में नगर के व्यापारी, विभिन्न समाज के अध्यक्ष सहित जनप्रतिनिधिगण मौजूद रहे। जिन्होंने अपनी अपनी राय दी। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी रावण, कुम्भकर्ण और मेघनाथ के पुतले का दहन किया जाएगा। वारासिवनी नगर का दशहरा पर्व अनूठी संस्कृति और भव्यता के लिए प्रसिद्ध है। वहीं इस वर्ष हनुमान स्वरूप मुकुट दीपम शुक्ला धारण करेंगे। बैठक में इस दौरान अजय देवनाथ बिसेन, कैलाश दुल्हानी, सुदेश गुड्डू सोनी, निरंजन बिसेन, आलोक यादव, अनिल पिपरेवार, विक्की ऐडे, जावेद अली, राहुल अरोरा, माहेश्वर बिसेन,आनंद बिसेन, किशोर बंसोडकर, चिंटू जैन, सोमू शुक्ला, गिरधारी चिमनानी, विजय बिसेन, विनय सुराना, शलभ बैस,विकास पंडोरिया,अमन पटेल,सुमित मिश्रा,झामसिंह भगत,शशी श्रीवास्तव, सिंकदर मिश्रा, गगन बिसेन,ओम पटेल, रितिक गौतम,नरेंद्र रंगारी,पंकज पिपरेवार,आशीष गौतम, प्रणय धार्मिक, आधार मोदी,पप्पू गोनाडे,सुवेक जुझार, प्रकाश बाफ्ना, सोनू सोहने,चंदू बुरडे, शैलेन्द्र तिवारी सहित शहर के व्यापारीगण मौजूद रहे।

सभी के सहयोग से ऊंचाइयों पर पहुंच रहा वारासिवनी का दशहरा पर्व-विवेक पटेल

विधायक विवेक पटेल ने कहा कि इस भव्य दशहरा पर्व को देखने वारासिवनी खैरलांजी क्षेत्र सहित बालाघाट जिले के विभिन्न ग्रामों से लोग पहुंचते है। पिछले वर्ष की तुलना में चल समारोह में चलित झांकी सहित रावण दहन के पहले भव्य आतिशबाजी देखने को मिलेगी। हमारा प्रयास है कि शहर और गांव से पहुंची जनता को दशहरा में हर वर्ष कुछ नया देखने को मिले। इसलिए हमारी टीम महाराष्ट्र,छत्तीसगढ़ सहित अन्य स्थानों पर कलाकारों के बारे में पता लगा रही है। ताकि दशहरा पर्व देखने पहुंचे लोगों को कुछ नया देखने को मिले। दशहरा मैदान में शिव तांडव की झांकी आकर्षण का केंद्र रहेगी।

पीजी कॉलेज में सोमनाथ संवाद व्याख्यानमाला आयोजित

पदमेश न्यूज। बालाघाट। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट में 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' के अंतर्गत भारतीय सांस्कृतिक इतिहास, ज्योतिर्लिंग परंपरा, मंदिर स्थापना एवं सांस्कृतिक पुनर्जागरण विषय पर सोमनाथ संवाद व्याख्यानमाला आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन के साथ हुआ। आयोजन प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे के मार्गदर्शन में किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रसिद्ध रंगकर्मी, कवि एवं साहित्यकार श्री अशोक सागर मिश्र उपस्थित रहे। उन्होंने सोमनाथ ज्योतिर्लिंग की स्थापना, शिवलिंग के प्राचीन इतिहास तथा मंदिर की वैज्ञानिक एवं तकनीकी विशेषताओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम संयोजक डॉ. आशा गोहे ने सोमनाथ मंदिर और बारह ज्योतिर्लिंगों के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व की जानकारी दी। दर्शनशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. विजय यादव ने सोमनाथ स्वाभिमान पर्व को भारतीय संस्कृति और ज्ञान परंपरा से जोड़ते हुए विद्यार्थियों को उपनिषदों के अध्ययन के लिए प्रेरित किया। इतिहास विभाग की अतिथि विद्वान सुश्री प्राशु गौतम ने सोमनाथ मंदिर को भारतीय आस्था, सांस्कृतिक विरासत और पुनर्जागरण का प्रतीक बताया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए सोमनाथ सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। प्रतियोगिता का आयोजन प्रो. विजय यादव एवं डॉ. गीतेश पटले ने किया। विजेता विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। मंच संचालन सुश्री प्राशु गौतम ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. आशा गोहे ने किया।

पिकअप ने यात्री वाहन को मारी जोरदार टक्कर, दोनों वाहन क्षतिग्रस्त

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी से कटंगी मार्ग पर स्थित ग्राम सावंगी के समीप सोमवार की दोपहर एक यात्री वाहन और अशोक लीलैंड पिकअप वाहन के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि टक्कर के बाद दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। दुर्घटना में पिकअप वाहन का चालक वाहन के अंदर फंस गया जिसे मौके पर पहुंची पुलिस की मदद से काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया। घायल चालक को उपचार के लिए वारासिवनी सिविल अस्पताल पहुंचाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे बेहतर उपचार के लिए छिंदवाड़ा रिफर कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार वारासिवनी से एक यात्री वाहन अपने निर्धारित कार्यक्रम के तहत सोमवार दोपहर कटंगी की ओर जा रहा था। बताया जा रहा है कि जैसे ही यात्री वाहन ग्राम सावंगी के समीप मुख्य मार्ग पर पहुंचा उसी दौरान सामने की दिशा से आ रहे अशोक लीलैंड पिकअप वाहन ने तेज गति में यात्री वाहन के कंडक्टर साइड में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि यात्री वाहन के शीशे चकनाचूर हो गए और वाहन के एक हिस्से को काफी नुकसान पहुंचा। वहीं पिकअप वाहन का अगला हिस्सा भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। दुर्घटना के दौरान पिकअप वाहन चालक कैलाश पिता नत्थू दौने उम्र ४३ वर्ष निवासी छिंदवाड़ा वाहन के अंदर फंस गया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और चालक को वाहन से बाहर निकालने के लिए प्रयास शुरू किए। काफी मशक्कत के बाद चालक को बाहर निकाला गया। बताया जा रहा है कि उसके पैर में गंभीर चोट आई है। पुलिस द्वारा घायल को तत्काल वारासिवनी के सिविल अस्पताल पहुंचाया गया जहां चिकित्सकों ने उसका प्राथमिक उपचार कर छिंदवाड़ा रिफर किया गया जिसके बाद परिजन उसे बेहतर उपचार के लिए छिंदवाड़ा लेकर रवाना हुए। बताया गया है कि पिकअप वाहन चालक उक्त वाहन को छिंदवाड़ा से वारासिवनी की ओर लेकर आ रहा था। इसी दौरान ग्राम सावंगी के समीप यह दुर्घटना घटित हो गई। दुर्घटना के बाद मार्ग पर कुछ समय के लिए अफ्रा.तफ्री की स्थिति निर्मित हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया तथा दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहनों को सड़क से हटवाकर थाने में खड़ा करवाया। राहत की बात यह रही कि इस दुर्घटना में यात्री वाहन में सवार यात्रियों अथवा अन्य किसी व्यक्ति के घायल होने की सूचना समाचार लिखे जाने तक प्राप्त नहीं हुई है। पुलिस द्वारा मामले में आवश्यक कार्यवाही की जा रही है तथा दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

एशियन गेम्स में दुनिया ने देखा भारत की नारी शक्ति का दम

एशियन गेम्स 2026 में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देश को 85 पदक दिलाए और पदक तालिका में चौथा स्थान हासिल किया। भारत के खाते में 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य पदक आए। इस उपलब्धि की सबसे गौरवपूर्ण तस्वीर यह है कि महिला खिलाड़ियों ने 38 पदक अपने नाम किए, जो पुरुष खिलाड़ियों के बराबर हैं। इनमें 11 स्वर्ण पदक महिला खिलाड़ियों और महिला टीमों ने जीते। भारत की बेटियों का यह प्रदर्शन केवल खेल की उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह बदलते भारत और सशक्त होती नारी शक्ति की तस्वीर है। क्रिकेट में भारतीय महिला टीम ने स्वर्ण जीतकर देश का गौरव बढ़ाया, वहीं महिला कबड्डी और महिला हॉकी टीम ने भी स्वर्णिम सफलता हासिल की। महिला हॉकी टीम की स्वर्णिम वापसी विशेष रूप से ऐतिहासिक रही, जिसने 44 वर्ष बाद एशियन गेम्स का स्वर्ण पदक अपने नाम किया। एशियन गेम्स में भारतीय बेटियों की सफलता महिला सशक्तिकरण की सबसे प्रभावशाली तस्वीर है। आज हमारी बेटियां केवल खेल के मैदान में पदक नहीं जीत रहीं, बल्कि वे देश की करोड़ों बेटियों के सपनों को भी नई दिशा दे रही हैं। उनकी सफलता यह विश्वास मजबूत करती है कि बेटी को अवसर, प्रोत्साहन और विश्वास दिया जाए तो वह किसी भी क्षेत्र में सर्वोच्च शिखर तक पहुंच सकती है। व्यक्तिगत स्पर्धाओं में भी भारतीय बेटियों ने नए इतिहास रचे। कुमकुम मोहोड ने महिला व्यक्तिगत रिकर्व में भारत के लिए पहला एशियन गेम्स स्वर्ण पदक जीता। महिला रिकर्व टीम ने भी स्वर्ण अपने नाम किया। निशानेबाजी में नीरू धांडा ने स्वर्ण पदक जीतकर शानदार उपलब्धि हासिल की। मुक्केबाजी में लवलीना बोरगोहेन और परवीन हुड्डा ने स्वर्ण पदक जीते, जबकि गोल्फ में प्रणवी उर्स ने भारत के लिए ऐतिहासिक स्वर्ण पदक हासिल किया। मीराबाई चानू ने भारोत्तोलन में रजत पदक जीतकर भारत के लिए इस खेल में लंबे अंतराल के बाद पदक दिलाया। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि में मध्यप्रदेश की बेटियों ने भी अपनी प्रतिभा और मेहनत का परचम लहराया। प्रदेश की क्रिकेटर क्रांति गौड़ भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्वर्ण पदक विजेता टीम का हिस्सा बनीं। छोटे से गांव से निकलकर एशियन गेम्स जैसे बड़े अंतर्राष्ट्रीय मंच तक पहुंचकर स्वर्ण पदक जीतना उनकी मेहनत और संघर्ष की प्रेरक कहानी है। निशानेबाजी में मध्यप्रदेश की नीरू ढांडा ने असाधारण प्रदर्शन करते हुए महिला ट्रैप व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। इसके साथ ही उन्होंने ट्रैप मिक्स्ड टीम में भी स्वर्ण और महिला ट्रैप टीम स्पर्धा में रजत पदक हासिल किया। इस तरह नीरू ने एशियन गेम्स में तीन पदक जीतकर प्रदेश और देश का गौरव बढ़ाया। निशानेबाजी में ही मध्यप्रदेश की आशी चौकसे ने महिला 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता, जबकि मनीषा कीर ने महिला ट्रैप टीम स्पर्धा में रजत पदक हासिल कर देश का मान बढ़ाया। इसी तरह मध्यप्रदेश की अंतर्राष्ट्रीय सेलर हर्षिता तोमर ने 49er FX महिला स्किफ ईवेंट में कांस्य पदक हासिल किया है। भारतीय महिला हॉकी टीम की स्वर्णिम सफलता में भी मध्यप्रदेश की बेटियों की महत्वपूर्ण भागीदारी रही। ईशिका चौधरी, बिच्छू देवी और सुशीला चानू भारतीय महिला हॉकी टीम का हिस्सा रहीं, जिसने एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीतकर देश को गौरवान्वित किया। एक बेटी की सफलता केवल उसकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं होती, बल्कि वह पूरे परिवार, समाज और देश की सोच को बदलने की ताकत रखती है।

भारत की अर्थव्यवस्था का दोहरा इम्तिहान!

वैश्विक अर्थव्यवस्था के बदलते परिदृश्य में शनिवार दिनांक 3 अक्टूबर 2026 का दिन भारत के लिए आर्थिक संभावनाओं और वित्तीय चुनौतियों का एक महत्त्वपूर्ण संगम प्रस्तुत कर रहा है। एक ओर भारत मुक्त व्यापार समझौतों के माध्यम से विश्व की लगभग 75 से 80 प्रतिशत अर्थव्यवस्था तक व्यापारिक पहुंच बनाने, बता दें भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौता 20 अक्टूबर 2026 से प्रभावी होने के लिए निर्धारित है।ग्रामीण अर्थव्यवस्था को पशुपालन एवं सहकारिता से सशक्त करने और विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को गति देने की दिशा में आगे बढ़ रहा है,तो दूसरी ओर भारतीय शेयर बाजार की लगातार आठ सप्ताह की गिरावट,25 साल बाद गिरावट का सबसे लंबा दौर, 8 हफ्ते में 26 लाख करोड़रूपए डूबे।विदेशी मुद्रा भंडार में 18.34 अरब डॉलर की कमी,विदेशी निवेशकों की बिकवाली और भारतीय रिजर्व बैंक की संभावित ब्याज दर वृद्धि ने आर्थिक विमर्श को नई गंभीरता प्रदान की है।यह परिस्थितियां केवल शेयर सूचकांकों के उतार-चढ़ाव की कहानी नहीं हैं, बल्कि भारत की आर्थिक सहनशीलता, निवेशकों के विश्वास, मुद्रा स्थिरता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा की व्यापक परीक्षा भी हैं।मौद्रिक नीति समिति की बैठक 5 से 7 अक्टूबर 2026 तक निर्धारित है।7 अक्टूबर को संभावित नीति निर्णय की तारीख के रूप में देखा जा रहा है। यटर्स की 28 सितंबर की रिपोर्ट में अर्थशास्त्रियों के सर्वेक्षण के आधार पर लगभग 60 प्रतिशत प्रतिभागियों ने 25 आधार अंक की वृद्धि की अपेक्षा व्यक्त की थी। यह सर्वेक्षण आधारित अपेक्षा है, आरबीआई का घोषित निर्णय नहीं।भारतीय रिजर्व बैंक (आरबी आई) 2027 की पहली छमाही तक ब्याज दरों में कुल 100 बेसिस पॉइंट (1 प्रतिशत अंक) की बढ़ोतरी कर सकता है। बैंक ऑफ अमेरिका (बोफा) सिक्योरिटीज ने अपनी पहली दर वृद्धि के अनुमान को दिसंबर से आगे बढ़ाकर अक्टूबर कर दिया है।अपनी ताजा इंडिया व्यूपॉइंट रिपोर्ट में बोफा सिक्योरिटीज ने कहा कि,उसे उम्मीद है कि आरबी आई 7 अक्टूबर को होने वाली मौद्रिक नीति समिति की बैठक में रेपो रेट में 25 बेसिस पॉइंट की बढ़ोतरी करेगा।इसके बाद 75 बेसिस पॉइंट की और बढ़ोतरी की उम्मीद है, जिससे अनुमानित अंतिम रेपो रेट 6.25 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। साथियों, बात अगर हम वैश्विक व्यापार में भारत की बढ़ती आर्थिक महत्वाकांक्षा को समझने की करें तो दिनांक 3 अक्टूबर 2026 को भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री द्वारा मुक्त व्यापार समझौतों के माध्यम से वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की भागीदारी बढ़ाने पर दिया गया जोर आर्थिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है। भारत का उद्देश्य केवल वस्तुओं का निर्यात बढ़ाना नहीं, बल्कि भारतीय उद्योगों,सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों, कृषि प्रसंस्करण,वस्त्र,औषधि और अभियांत्रिकी उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रतिस्पर्धी अवसर उपलब्ध कराना है।वैश्विक अर्थव्यवस्था के लगभग 75-80 प्रतिशत तक संभावित व्यापारिक पहुंच का लक्ष्य भारत की आर्थिक कूटनीति का एक महत्त्वपूर्ण आयाम है।हालांकि इस अवसर का वास्तविक लाभ तभी प्राप्त होगा जब भारतीय उत्पाद गुणवत्ता, मूल्य,तकनीक और समयबद्ध आपूर्ति के अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरे उतरेंगे।मुक्त व्यापार समझौतों का उद्देश्य बाजार खोलना है, लेकिन घरेलू उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता विकसित करना भी उतना ही आवश्यक है। साथियों बात अगर हम पशुपालन और सहकारिता से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा इसको समझने की करें तो केंद्रीय सहकारिता एवं गृह मंत्री द्वारा 3 अक्टूबर 2026 को कहा पशुपालन आधारित धनतंत्र के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की अवधारणा भारत की समावेशी विकास यात्रा से जुड़ी है।भारत में पशुपालन केवल दूध उत्पादन का साधन नहीं,बल्कि ग्रामीण परिवारों की अतिरिक्त आय,महिला सशक्तीकरण सहकारी संस्थाओं, पशु चिकित्सा, चारा उत्पादन और खाद्य प्रसंस्करण की विस्तृत आर्थिक श्रृंखला है।यदि दुग्ध सहकारी समितियों को आधुनिक तकनीक,शीत भंडारण, सुलभ ऋण और बाजार उपलब्धता से जोड़ा जाए, तो ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार तथा स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिल सकता है। विकसित भारत की वास्तविक सफलता का आकलन केवल महानगरों की आर्थिक गतिविधियों से नहीं, बल्कि गांवों के किसान, पशुपालक और छोटे उद्यमी की आय में होने वाली वृद्धि से भी किया जाना चाहिए।पशुपालन से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को कैसे जोड़ा जाए?पशुपालन को केवल दूध उत्पादन तक सीमित नहीं देखा जाना चाहिए।इसके अंतर्गत दुग्ध सहकारी समितियां पशु चिकित्सा, चारा उत्पादन, नस्ल सुधार, दुग्ध प्रसंस्करण, शीत भंडारण, ग्रामीण ऋण और विपणन जैसी गतिविधियां आती हैं।इसका आर्थिक प्रभाव निम्न क्षेत्रों में समझाया जा सकता है- ग्रामीण परिवारों के लिए कृषि के अतिरिक्त आय का स्रोत। महिला स्वयं सहायता समूहों और सहकारी समितियों की भागीदारी।ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे उद्यम और रोजगार।दूध, मांस, चमड़ा और संबंधित उत्पादों की मूल्य श्रृंखला।ग्रामीण मांग के माध्यम से व्यापक अर्थव्यवस्था को समर्थन। साथियों बात अगर हम पांचवां कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन और वित्तीय स्थिरता का संदेश को समझने की करें तो,नई दिल्ली में 3 से 5 अक्टूबर 2026 तक आयोजित पांचवां कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन वैश्विक आर्थिक अस्थिरता के बीच विशेष महत्त्व रखता है।इस वर्ष की विषयवस्तु है- रेसिलिन्स इन एंन ऐज ऑ? फ्लूक्स अर्थात परिवर्तनशील वैश्विक परिस्थितियों में आर्थिक लचीलापन।वित्त मंत्रालय की आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार इसमें लगभग 30 देशों के अर्थशास्त्रियों नीति निर्माताओं और वित्तीय विशेषज्ञों की भागीदारी निर्धारित है।भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर ने वित्तीय जोखिमों के प्रति सतर्कता का संदेश देते हुए संकेत दिया कि वित्तीय दबाव अचानक उभर सकते हैं,जबकि उन्हें दूर करने में वर्षों लग सकते हैं।पश्चिम एशिया का संघर्ष,ऊर्जा कीमतों में वृद्धि,वैश्विक बॉन्ड प्रतिफल और पूंजी प्रवाह मेंबदलाव आर्थिक स्थिरता को प्रभावित करने वाले कारक हैं।भारत की सरकारी बॉन्ड प्रतिफल में अपेक्षाकृत सीमित वृद्धि को वित्तीय और मौद्रिक प्रबंधन के संदर्भ में देखा जा रहा है।यह संदेश स्पष्ट करता है कि आर्थिक विकास के साथ वित्तीय जोखिमों की समय रहते पहचान और उनका प्रबंधन भी आवश्यक है। साथियों बात अगर हम विदेशी मुद्रा भंडार में 18.34 अरब डॉलर की गिरावट- क्या हैं संकेत इसको समझने की करें तो? भारतीय अर्थव्यवस्था के सामने दूसरा महत्त्वपूर्ण घटनाक्रम विदेशी मुद्रा भंडार में आई बड़ी साप्ताहिक कमी है। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार 25 सितंबर 2026 को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 18.34 अरब डॉलर घटकर 747.56 अरब डॉलर रह गया। इससे पहले 4 सितंबर को यह लगभग 785.71 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर था। तीन सप्ताह में कुल कमी लगभग 38.15 अरब डॉलर रही। विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में 15.57 अरब डॉलर तथा स्वर्ण भंडार में लगभग 2.59 अरब डॉलर की कमी दर्ज हुई। इस गिरावट को समझने के लिए रुपये पर दबाव, विदेशी मुद्रा बाजार में केंद्रीय बैंक के संभावित हस्तक्षेप और यूरो तथा येन जैसी मुद्राओं के डॉलर के मुकाबले मूल्यांकन में बदलाव को ध्यान में रखना आवश्यक है।विदेशी मुद्रा भंडार में कमी को सीधेआर्थिक संकट कहना उचित नहीं होगा, क्योंकि भारत का भंडार अभी भी व्यापक बाहरी भुगतान क्षमता का आधार है। फिर भी लगातार गिरावट नीति निर्माताओं और निवेशकों के लिए निगरानी का विषय अवश्य है। साथियों बात अगर हम शेयर बाजार की आठ सप्ताह की गिरावट- निवेशकों की चिंता क्यों बढ़ी? इसको समझने की करें तो भारतीय शेयर बाजार ने हाल के वर्षों की सबसे लंबी लगातार साप्ताहिक गिरावटों में से एक दर्ज की है। सेंसेक्स और निफ्टी लगातार आठ सप्ताह नीचे बंद हुए, जो लगभग 25 वर्षों की सबसे लंबी ऐसी अवधि बताई गई है। विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में वृद्धि, रुपये की कमजोरी और वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव ने बाजार की धारणा को प्रभावित किया। विदेशी निवेशकों की पूंजी निकासी का दबाव विशेष रूप से उल्लेखनीय है। 2 अक्टूबर की रिपोर्ट के अनुसार केवल तीन कारोबारी दिनों में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयरों से लगभग 29,613 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की। अमेरिकी 10-वर्षीय बॉन्ड प्रतिफल में वृद्धि और कच्चे तेल की कीमतों का 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर रहना निवेशकों की चिंता के प्रमुख कारणों में शामिल रहे।आठ सप्ताह में निवेशकों की संपत्ति में 45 लाख करोड़ रुपये की कमी का दावा प्रकाशित करने से पहले उसके आधार की पुष्टि आवश्यक है।उपलब्ध रिपोर्टों में इसी अवधि के दौरान बाजार पूंजीकरण में 26 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी का आंकड़ा सामने आया है। साथियों बात अगर हम आरबीआई की संभावित ब्याज दर वृद्धि- आम आदमी पर क्या प्रभाव? इसको समझने की करें तो, भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक अन्य महत्त्वपूर्ण घटनाक्रम बैंक ऑफ अमेरिका सिक्योरिटीज का अनुमान है। उसकी रिपोर्ट के अनुसार आरबीआई 2027 की पहली छमाही तक रेपो दर में कुल 100 आधार अंक अर्थात एक प्रतिशत अंक की वृद्धि कर सकता है।

इसमें अक्टूबर की मौद्रिक नीति बैठक में 25 आधार अंक की संभावित वृद्धि और उसके बाद अतिरिक्त 75 आधार अंक की वृद्धि का अनुमान शामिल है। इस परिदृश्य में रेपो दर 6.25 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। यह विश्लेषणात्मक अनुमान है, आरबीआई का घोषित निर्णय नहीं। यदि ब्याज दरें बढ़ती हैं, तो गृह ऋण, वाहन ऋण और व्यावसायिक उधारी की लागत प्रभावित हो सकती है। दूसरी ओर, मौद्रिक सख्ती महंगाई के दबाव को नियंत्रित करने में सहायक हो सकती है। इसलिए आरबीआई के सामने आर्थिक विकास, महंगाई और वित्तीय स्थिरता के बीच संतुलन बनाए रखने की चुनौती रहेगी। साथियों बात अगर हम 5 अक्टूबर से बाजार की दिशा और निवेशकों की निगाहें लगी हुई है इसको समझने की करें तो, सोमवार, 5 अक्टूबर 2026 को भारतीय शेयर बाजार खुलने पर निवेशकों की निगाहें वैश्विक बाजारों, कच्चे तेल, डॉलर-रुपये की चाल, विदेशी निवेशकों की गतिविधियों और आरबीआई की मौद्रिक नीति बैठक पर रहेंगी। बाजार में राहत की संभावना वैश्विक तनाव में कमी और विदेशी खरीदारी की वापसी से जुड़ी होगी, जबकि ऊंचे बॉन्ड प्रतिफल, महंगा तेल और लगातार बिकवाली अतिरिक्त दबाव पैदा कर सकते हैं। अत: आगामी बाजार की दिशा को निश्चित उछाल या गिरावट के बजाय बदलते आर्थिक संकेतों के आधार पर समझना अधिक उचित होगा।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

सत्याग्रह से बिखरी आवाजों को एक सूत्र में पिरोने की कोशिश

-सौरभ वार्ष्णेय

लोकतंत्र केवल चुनाव, संसद और सरकारों तक सीमित नहीं है। लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति उस आवाज में भी निहित होती है, जो अपने अधिकार, न्याय और सम्मान के लिए व्यवस्था के सामने सवाल खड़ा करती है। भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में महात्मा गांधी का सत्याग्रह इसी सवाल को अहिंसक संघर्ष और नैतिक आग्रह की शक्ति में बदलने का एक महत्वपूर्ण उदाहरण रहा है। ऐसे समय में जब देश के अलग-अलग हिस्सों में विभिन्न मुद्दों को लेकर आंदोलन और विरोध सामने आते रहते हैं, कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा सत्याग्रह' नामक डिजिटल मंच की शुरुआत को इसी संदर्भ में देखा जा सकता है। यह मंच ऐसे समय में आया है जब सत्ता पक्ष के खिलाफ धीरे-धीरे विपक्ष एकजुट हो रहा है। हालांकि अभी समाजवादी पार्टी, आम आदमी पार्टी खुलकर राहुल के साथ नहीं दिखाई दे रहे हैं क्योंकि यूपी -पंजाब में आने वाले समय में चुनाव है।

जन मानस के विरोध को भांपते हुए राहुल गांधी ने तीन अक्टूबर को इस डिजिटल मंच की शुरुआत की। इसके माध्यम से देश के अलग-अलग हिस्सों में चल रहे मुद्दा आधारित आंदोलनों और संघर्षों को एक साझा डिजिटल मंच पर लाने की कोशिश की गई है। मंच पर लोग अपने आंदोलन और मुद्दे की जानकारी साझा कर सकते हैं तथा इंटरैक्टिव मैप के माध्यम से देश के दूसरे हिस्सों में समान प्रकृति के संघर्षों की जानकारी भी प्राप्त कर सकते हैं। राहुल गांधी ने अपने संदेश में कहा कि देशभर में लोग अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं और कई बार उनकी आवाज अकेली रह जाती है। उन्होंने युवाओं, छात्रों, किसानों, आदिवासियों, दलितों और महिलाओं सहित विभिन्न समूहों के संघर्षों का उल्लेख करते हुए लोगों से अपनी समस्याओं और आंदोलनों को इस मंच पर साझा करने का आह्वान किया। उनका कहना है कि जब अलग-अलग संघर्षों की जानकारी एक जगह उपलब्ध होगी, तो एक मुद्दे से जुड़े लोग दूसरे स्थानों पर चल रहे समान संघर्षों से जुड़ सकेंगे। यहां सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या डिजिटल मंच वास्तव में बिखरी हुई आवाजों को प्रभावी सामाजिक शक्ति में बदल सकता है? इसका उत्तर केवल राजनीतिक अपील में नहीं, बल्कि इस बात में छिपा होगा कि मंच कितनी व्यापकता से लोगों तक पहुंचता है और वहां आने वाली शिकायतों एवं आंदोलनों को किस प्रकार व्यवस्थित किया जाता है। भारत जैसे विशाल और विविध देश में जमीन, वनाधिकार, शिक्षा, परीक्षाओं, रोजगार, महिलाओं के अधिकार, सामाजिक न्याय, दलित एवं ओबीसी अधिकार जैसे अनेक विषयों पर अलग-अलग स्तर पर आंदोलन होते रहे हैं। कई बार स्थानीय स्तर का कोई संघर्ष राष्ट्रीय विमर्श तक नहीं पहुंच पाता। मीडिया की सीमित पहुंच, संसाधनों की कमी और आंदोलनकारी समूहों के बीच समन्वय का अभाव इसके कारण हो सकते हैं। सत्याग्रह' मंच की घोषित भूमिका ऐसे संघर्षों को दृश्यता और आपसी संपर्क उपलब्ध कराने की है। लेकिन किसी भी डिजिटल मंच की सफलता केवल उसके नाम या उद्देश्य से तय नहीं होती। उसकी विश्वसनीयता इस बात से निर्धारित होगी कि उस पर आने वाली सूचनाओं की पुष्टि कैसे होती है, विभिन्न पक्षों को अपना दृष्टिकोण रखने का अवसर कितना मिलता है और शिकायतों को राजनीतिक प्रचार से अलग रखते हुए किस प्रकार प्रस्तुत किया जाता है। यदि किसी आंदोलन की जानकारी को बिना पर्याप्त सत्यापन के व्यापक रूप से प्रसारित किया जाता है, तो इससे तथ्य और दावे के बीच अंतर धुंधला होने का खतरा भी रहेगा। इसलिए पारदर्शिता और तथ्य-जांच इस पहल की महत्वपूर्ण कसौटियां होंगी। राहुल गांधी ने नेता प्रतिपक्ष के रूप में संसद के साथ-साथ सड़क और अन्य माध्यमों से लोगों की आवाज उठाने की बात कही है। यह स्वाभाविक रूप से राजनीतिक भूमिका का हिस्सा भी है। विपक्ष का दायित्व सरकार से सवाल पूछना और जनता से जुड़े मुद्दों को संसद में उठाना है। दूसरी ओर, आंदोलनों के साथ जुड़ना विपक्षी राजनीति का एक महत्वपूर्ण तरीका हो सकता है। लेकिन यहां भी यह अंतर बनाए रखना जरूरी होगा कि कौन-सा मुद्दा वास्तविक जनशिकायत है, कौन सा राजनीतिक मतभेद है और कौन सा आरोप अभी प्रमाणित नहीं हुआ है। सत्याग्रह नाम अपने आप में महात्मा गांधी की विरासत से जुड़ा हुआ है। गांधी के लिए सत्याग्रह केवल विरोध का माध्यम नहीं था, बल्कि सत्य, अहिंसा, आत्मअनुशासन और नैतिक आग्रह से जुड़ी संघर्ष पद्धति थी। आज के डिजिटल दौर में किसी आंदोलन को सोशल मीडिया और ऑनलाइन मंच के माध्यम से व्यापक बनाना आसान है, लेकिन गांधी के सत्याग्रह की मूल भावना को बनाए रखना कहीं अधिक कठिन है। डिजिटल आक्रोश और सत्याग्रह के बीच यही सबसे महत्वपूर्ण अंतर है। आज राजनीति में संवाद की जगह टकराव बढने् की शिकायतें अक्सर सामने आती हैं। सत्ता और विपक्ष के बीच तीखी राजनीतिक भाषा, सोशल मीडिया पर ध्रुवीकरण और किसी भी मुद्दे को तत्काल राजनीतिक चश्मे से देखने की प्रवृत्ति लोकतांत्रिक संवाद के लिए चुनौती है। ऐसे वातावरण में यदि कोई मंच लोगों की शिकायतों को सामने लाने का माध्यम बनता है, तो उसके साथ जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी होगी।

इस पहल को केवल कांग्रेस या राहुल गांधी का राजनीतिक डिजिटल अभियान मानकर खारिज कर देना भी पर्याप्त नहीं होगा और इसे देश के सभी संघर्षों का स्वत प्रतिनिधि मान लेना भी उचित नहीं होगा। इसका वास्तविक मूल्यांकन समय के साथ होगा। कितने वास्तविक आंदोलन इससे जुड़ते हैं, कितने स्थानीय मुद्दे राष्ट्रीय विमर्श तक पहुंचते हैं, कितनी शिकायतों पर संस्थागत कार्रवाई होती है और मंच की सूचनाओं की विश्वसनीयता कितनी बनी रहती है। इन प्रश्नों के उत्तर ही इसकी उपयोगिता निर्धारित करेंगे। लोकतंत्र में असहमति कोई कमजोरी नहीं है। असहमति को सुनना, उसके कारणों को समझना और शांतिपूर्ण ढंग से उसका समाधान तलाशना लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती का संकेत है। यदि सत्याग्रह' मंच वास्तव में उन आवाजों को सामने लाने में सफल होता है जिन्हें सामान्य परिस्थितियों में पर्याप्त स्थान नहीं मिलता, तो यह नागरिक भागीदारी के लिए एक नया डिजिटल माध्यम बन सकता है। लेकिन इसके लिए राजनीतिक प्रतिबद्धता के साथ तथ्यात्मक निष्पक्षता, पारदर्शिता और संवाद की संस्कृति भी आवश्यक होगी। महात्मा गांधी की जयंती के आसपास सत्याग्रह' नाम से शुरू हुई यह पहल इसलिए भी प्रतीकात्मक महत्व रखती है कि आज सत्य और असहमति दोनों ही सार्वजनिक जीवन के महत्वपूर्ण प्रश्न बने हुए हैं। चुनौती केवल आवाजों को जोडने् की नहीं है। चुनौती यह सुनिश्चित करने की भी है कि जुड़ी हुई आवाजें तथ्य, शांति और लोकतांत्रिक संवाद की सीमाओं के भीतर सुनी जाएं। किसी भी लोकतंत्र की शक्ति इस बात में है कि कमजोर से कमजोर नागरिक भी अपनी बात कह सके और उसकी बात सुनी जाए। सत्याग्रह की असली परीक्षा इसी कसौटी पर होगी—क्या यह केवल विरोधों का डिजिटल नक्शा बनकर रह जाता है, या देश के विभिन्न हिस्सों से उठने वाली जनआवाजों और लोकतांत्रिक संस्थाओं के बीच संवाद का एक प्रभावी माध्यम बन पाता है।

करुणा और संवेदनशीलता से ही जीवित रहती है मानवता

मानव सभ्यता ने ज्ञान, विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। मनुष्य को बौद्धिक रूप से संसार का समर्थ प्राणी माना जाता है। उसके पास सोचने, समझने, निर्णय लेने और परिस्थितियों को बदलने की अद्भुत क्षमता है। लेकिन मनुष्य की वास्तविक श्रेष्ठता केवल उसकी बुद्धि और उपलब्धियों में नहीं, बल्कि उसके भीतर मौजूद करुणा, संवेदनशीलता और सह-अस्तित्व की भावना में निहित है। यदि मनुष्य के हृदय से करुणा समाप्त हो जाए और दूसरे के सुख-दु:ख के प्रति संवेदनशीलता समाप्त हो जाए तो ज्ञान और संपन्नता के बावजूद मानवता का वास्तविक अर्थ अधूरा रह जाता है।

मनुष्य अकेले अपने जीवन की प्रत्येक आवश्यकता पूरी नहीं कर सकता। उसके जीवन की अनेक आवश्यकताएं प्रकृति और असंख्य जीवों के सहयोग से पूरी होती हैं। जल, वायु, अन्न, वनस्पतियां और पशु-पक्षी जीवन-व्यवस्था के महत्वपूर्ण अंग हैं। इसलिए अन्य प्राणियों के प्रति दया और संरक्षण केवल धार्मिक भावना नहीं, बल्कि मनुष्य का नैतिक दायित्व भी है। जिस प्रकृति और जीव-जगत से मनुष्य निरंतर प्राप्त करता है, उसके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना उसके जीवन की जिम्मेदारी है। करुणा मनुष्य को अधिकारों के साथ कर्तव्यों का बोध भी कराती है।

मानव समाज में रहने वाला प्रत्येक व्यक्ति एक-दूसरे का सहयात्री है। किसी के जीवन में सुख है तो किसी के हिस्से में संघर्ष और अभाव भी हो सकता है। ऐसे में दूसरे के दुख को देखकर मुंह फेर लेना संवेदनशील समाज की पहचान नहीं हो सकती। आर्थिक असमानता के बीच संपन्न व्यक्ति का दायित्व और बढ़ जाता है। समाज में ऐसे अनेक परिवार हैं जो सीमित साधनों में जीवनयापन करते हैं और उनकी छोटी-छोटी आवश्यकताएं भी संघर्ष का कारण बन जाती हैं। दूसरी ओर यदि संपन्न व्यक्ति अपनी समृद्धि का प्रदर्शन करते हुए केवल अपने सुख में डूबा रहे तो सामाजिक दूरी और असंतोष बढ़ सकता है।

करुणा का अर्थ केवल किसी जरूरतमंद को वस्तु या धन देना नहीं है। किसी की परेशानी को समझना, उसके आत्मसम्मान का ध्यान रखना, संकट में उसके साथ खड़ा होना और आवश्यकता पड़ने पर सहयोग का हाथ बढ़ाना भी करुणा का ही रूप है। संवेदनशीलता मनुष्य को दूसरों की परिस्थितियों को समझने की दृष्टि देती है। जब हृदय में करुणा होती है तो रिश्तों में कठोरता कम होती है और परस्पर विश्वास बढ़ता है। परिवार, समाज और राष्ट्र की मजबूती के पीछे ऐसी ही मानवीय भावनाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

आज के समय में भौतिक उपलब्धियों की दौड़ तेज होती जा रही है। व्यक्ति सफलता, संपत्ति और प्रतिष्ठा को जीवन का प्रमुख लक्ष्य मानने लगा है। ऐसे वातावरण में करुणा और संवेदनशीलता का महत्व और अधिक बढ़ जाता है। हमें यह समझना होगा कि किसी समाज की वास्तविक समृद्धि केवल उसकी आर्थिक स्थिति से नहीं मापी जा सकती। समाज कितना मानवीय है, कमजोर और जरूरतमंद लोगों के प्रति उसका व्यवहार कैसा है और संकट की घड़ी में लोग एक-दूसरे के कितने काम आते हैं, यह भी उसकी प्रगति का महत्वपूर्ण आधार है।

मन की करुणा पारस्परिक संबंधों को मधुर बनाती है। संवेदनशील व्यक्ति केवल अपने हित की चिंता नहीं करता, बल्कि अपने आसपास के लोगों के सुख-दु:ख को भी समझता है। यही भावना परिवार से समाज और समाज से राष्ट्र तक फैलती है। मानवता की आधारभूमि पारस्परिकता है और पारस्परिकता तभी मजबूत हो सकती है जब उसमें प्रेम, सहयोग, सहानुभूति और विश्वास का समावेश हो। इसलिए करुणा को कमजोरी नहीं, बल्कि मनुष्य के चरित्र की शक्ति के रूप में देखना चाहिए।

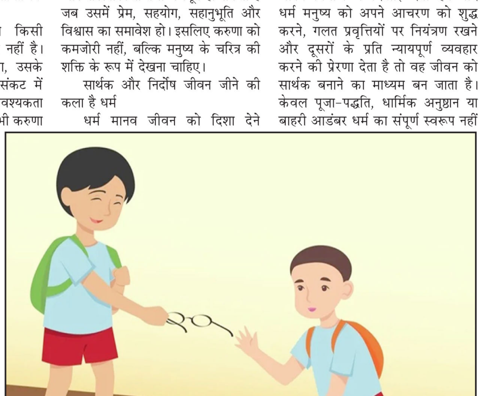

सार्थक और निर्दोष जीवन जीने की कला है धर्म

धर्म मानव जीवन को दिशा देने वाली महत्वपूर्ण अवधारणा है, लेकिन समय के साथ धर्म की व्याख्याएं इतनी जटिल होती गईं कि उसके मूल उद्देश्य को समझना कठिन हो गया। अलग-अलग परंपराओं और संप्रदायों ने धर्म को अपने-अपने दृष्टिकोण से परिभाषित किया है। इन व्याख्याओं में विविधता स्वाभाविक है, लेकिन धर्म के ऐसे मूल तत्व भी हैं जिन्हें सभी मनुष्यों के लिए उपयोगी माना जा सकता है। सत्य, संयम, सदाचार, अहिंसा, करुणा, आत्मसंयम और परोपकार जैसी प्रवृत्तियां किसी एक संप्रदाय की सीमाओं में बंधी नहीं हैं।

धर्म की सबसे व्यापक उपयोगिता चरित्र निर्माण में दिखाई देती है। यदि धर्म मनुष्य को अपने आचरण को शुद्ध करने, गलत प्रवृत्तियों पर नियंत्रण रखने और दूसरों के प्रति न्यायपूर्ण व्यवहार करने की प्रेरणा देता है तो वह जीवन को सार्थक बनाने का माध्यम बन जाता है। केवल पूजा-पद्धति, धार्मिक अनुष्ठान या बाहरी आडंबर धर्म का संपूर्ण स्वरूप नहीं हो सकते। धर्म का वास्तविक प्रभाव मनुष्य के व्यवहार में दिखाई देना चाहिए। उसके विचारों में संयम, वाणी में मधुरता और कर्मों में सदाचार दिखाई दे तो धर्म जीवन का हिस्सा बनता है।

हर व्यक्ति परिवार और समाज का अंग है। इसलिए उसे ऐसा जीवन जीना चाहिए जिससे दूसरों को अनावश्यक कष्ट न पहुंचे। व्यक्ति के अधिकारों के साथ उसके सामाजिक दायित्व भी जुड़े होते हैं। यदि कोई व्यक्ति अपने स्वार्थ के लिए समाज की व्यवस्था, शांति और सुरक्षा को नुकसान पहुंचाता है तो उसका आचरण सामाजिक जीवन के लिए बाधक बन जाता है। इसके विपरीत जब व्यक्ति अपने आचरण में मर्यादा, जिम्मेदारी और नैतिकता को स्थान देता है तो वह स्वयं भी शांतिपूर्ण जीवन जीता है और दूसरों के लिए भी सुखद वातावरण बनाता है।

धर्म का रचनात्मक स्वरूप मनुष्य को भीतर से बदलने में सक्षम होता है। भय के कारण किया गया अच्छा व्यवहार परिस्थितियों के बदलते ही समाप्त हो सकता है, लेकिन विवेक और संस्कार से विकसित सदाचार लंबे समय तक कायम रहता है। इसलिए धर्म को केवल बाहरी अनुशासन के रूप में नहीं, बल्कि आत्मअनुशासन के रूप में समझना आवश्यक है। जब व्यक्ति अपने भीतर के दोषों को पहचानकर उन्हें दूर करने का प्रयास करता है, तब धर्म उसके जीवन में वास्तविक परिवर्तन लाता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि धर्म की उन शिक्षाओं को प्रमुखता दी जाए जो मनुष्य को जोड़ती हैं, बांटती नहीं। करुणा, अहिंसा, सत्य, संयम, सेवा और परोपकार ऐसे मूल्य हैं जो किसी भी स्वस्थ समाज की नींव बन सकते हैं। धर्म यदि मनुष्य को अधिक संवेदनशील, अधिक जिम्मेदार और अधिक सदाचारी बनाता है तो उसकी उपयोगिता स्वत: सिद्ध हो जाती है।

मानवता और धर्म एक-दूसरे के पूरक हैं। करुणा मनुष्य के हृदय को कोमल बनाती है और धर्म उसके आचरण को दिशा देता है। जब संवेदनशीलता के साथ सदाचार जुड़ता है तो जीवन में वास्तविक मानवीयता विकसित होती है। इसलिए धर्म की सच्ची सेवा यही है कि वह मनुष्य को निर्दोष, सार्थक और लोकहितकारी जीवन जीने की प्रेरणा दे। यही धर्म की व्यापकता है और यही मानवता को जीवित रखने का सबसे प्रभावी मार्ग भी है।

-कांतिलाल मांडोत

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। बिकवाली अटकने से सोमवार को अनाज मंडी में चना उछाल पर रहा। तुअर में भी उछाल रहा। खाद्य तेलों में बाजार बने रहे। तिलहनों में मजबूती रही। किराना जिंसों में शक्कर में सुस्ती रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में पूछपरख है। वहीं, बिकवाली ठींड रहने से भावों में उछाल है। चना बढ़िया मालों में 7600 रू. प्रति क्विंटल पर आ गया। तुअर बाजार भी 100-200 रू. क्विंटल तक उछल गये। खाद्य तेलों में बाजार पूर्वस्तर पर मजबूत रहे। किराना जिंसों में शक्कर में सुस्ती रही। नारियलों में टिकाव रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4690-4760, खोपरा गोला 340-390, खोपरा बूरा 3150-5800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 230-250, सांगली 310-320, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 775-785, गारबल्ड 755-760, मटरदाना 800-900, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 1050-1150, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची शंकर 3000-3300, मीडियम 3500-3600, बेस्ट 4400-4600, एक्ट्रा बेस्ट 4600-4800, पानबार 3000-3200, बड़ी इलायची 1350-1650, तरबूज मगज 480-520, काजू (240) 940-960, काजू (320) 910-920, काजू डब्ल्यू (340) 850-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 850-900, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 1065-1200, सिंगापुरी 980-1000, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 750-890, बेस्ट 1250-1300, खारक एवरेज 75-80, मीर्डि?यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3200, (160) 3400, (200) 3700, (250) 4500,

तेल- सींगदाना 1730-1750, मुम्बई 1760, राजकोट तेलिया 2720-2730, सोया साल्वेंट 1355-1360, सोया रिफाइंड 1410-1420, कपास्या 1455-1460, धूलिया 1460, कड़ी 1460,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1650, मुम्बई पाम 1440, मुम्बई सोया 1445,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2690, देवास-उज्जैन 2690, खंडवा-बुरहानपुर 2660, अकोला 3950 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8500, रायडा 7300-7500, सोयाबीन 5700-5800, टोली (महुआ बीज) 5700-5900, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 7550-7600, विशाल 7400-7500, काबूली चना डॉलर 7200-8500, काबूली चना रशियन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6100-6150, एवरेज 6000-6050, मूंग गर्मी बेस्ट 8100-8300, मूंग पुराना बोल्ड 8400-8500, तुअर निमाड़ी बेस्ट 8800-8900, एवरेज 8600-8700, हल्की 8400-8500, महाराष्ट्र सफेद 8900-9100, महाराष्ट्र लाल 9300-9500, कर्नाटक 9400-9600, उड़द बेस्ट 9600-9900, उड़द गर्मी 9200-9600, ग्रेविटी क्लीन 9800-10100, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000-9500, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11800, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 310, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। सोमवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार सामान्य ही रहा। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 226500, चाँदी (99) 226400, टंच 225800, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 149200,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 6 पैसे की गिरावट के साथ 96.31 पर बंद इहुआ। आज सुबह कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी के दबाव के बीच रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में रहा और 96 प्रति डॉलर के स्तर के आसपास बना रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की समय-समय पर डॉलर की खरीद-बिक्री संबंधी कार्रवाई से दिन के कारोबार में अत्यधिक उतार-चढ़ाव को कम करने और रुपये में तेज गिरावट को रोकने में मदद मिली। हालांकि ऊंची आयात लागत तथा डॉलर की लगातार मजबूती ने निवेशकों की धारणा पर दबाव बनाए रखा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 96.20 प्रति डॉलर पर खुला। फिर फिसलकर 96.26 प्रति डॉलर पर आ गया जो यह पिछले बंद भाव के मुकाबले एक पैसे की गिरावट है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दूनिया भर से मिले अच्छे संकेतों केसाथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में तेजी से बढने की आशंकाओं में कमी आने से भी घरेलू बाजार उछला है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 472.77 अंकों की बढ़त के साथ ही 72,382.47 अंकों पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी इंडेक्स 133.80 अंकों की तेजी की साथ ही 22,555.75 अंकों पर बंद हुआ। आज सेंसेक्स की 30 में से 20 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ ही ऊपर आये जबकि बाकी 10 कंपनियों के शेयर गिरावट पर बंद हुए। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी 50 की 31 कंपनियों के शेयर तेजी के साथ बढ़त पर बंद हुए। बची हुई 18 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ लाल निशान पर बंद हुए जबकि एक कंपनी का शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुआ।आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल आईटीसी के शेयर सबसे ज्यादा 4.49 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए। जबकि एचसीएल टेक का शेयर आज सबसे ज्यादा 3.69 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ। वहीं एटरनल, भारती एयरटेल के शेयरों में तेजी रही। आज बजाज फाइनेंस, अडाणी पोर्ट्स, आईसीआईसीआई बैंक , रिलायंस इंडस्ट्रीज, एलएंडटी , एनटीपीसी तेजी के साथ बंद हुए जबकि एचडीएफसी बैंक , सन फार्मा , इंन्फोसिस , एशियन पेंट्स , ट्रेंट , कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों से मिले अच्छे संकेतों की वजह से सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सेंसेक्स और निफ्टी शुरुआती कारोबार में तेजी के साथ खुले। वहीं ।एशियाई बाजारों में जापान का निक्की 225 दो फीसदी से अधिक चढ़ा, जबकि हैंग सेंग मामूली गिरावट में रहा।

एशिया के लिए तेल हुआ सस्ता, यूरोप के लिए बढ़ीं कीमतें

नई दिल्ली। एजेंसी। सऊदी अरब ने नवंबर डिलीवरी के लिए एशियाई देशों को अपने कच्चे तेल की कीमतों में अचानक और अप्रत्याशित रूप से बड़ी कटौती की घोषणा की है। सोमवार को जारी प्राइसिंग डॉक्यूमेंट के अनुसार, यह फैसला बाजार की उम्मीदों के बिल्कुल उलट है, जहां कीमतों में बढ़ोतरी की संभावना जताई गई थी। दुनिया के सबसे बड़े तेल निर्यातक सऊदी अरब ने अपने अरब लाइट क्रूड की आधिकारिक बिक्री कीमत (ओएसपी) में 3 डॉलर प्रति बैरल की कटौती की है, जिससे यह अब ओमान और दुबई के औसत बेंचमार्क से 5 डॉलर प्रति बैरल नीचे (डिस्काउंट पर) मिलेगा। यह जून 2020 के बाद की सबसे बड़ी छूट है। साथ ही, अरब मीडियम और अरब हैवी ग्रेड के तेल में भी 5 डॉलर प्रति बैरल की अतिरिक्त कटौती की गई है। भारत के लिए, जो अपनी 80 फीसदी से अधिक तेल आवश्यकता आयात करता है और सऊदी अरब जिसका दूसरा सबसे बड़ा सप्लायर है, यह कटौती इंडियन ऑयल (आईओसीएल) और बीपीसीएल जैसी कंपनियों के लिए कच्चे माल की खरीद सस्ती करेगी, जिससे उनका लाभ मार्जिन बढ़ेगा। वैश्विक तनाव के बावजूद, भारत में खुदरा स्तर पर पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर होंगी और बढ़ने की संभावनाएं काफी कम हो जाएंगी। अरामको ने यह कदम एशियाई रिफाइनरियों पर बढ़ी हुई मालभाड़ा लागत (जो फारस की खाड़ी से चीन तक 80,000 डॉलर से 12 लाख डॉलर प्रतिदिन तक पहुंच गई है) का बोझ कम करने के लिए उठाया है। इसके अलावा, रूस और ईरान जैसे प्रतिस्पर्धियों द्वारा भारी छूट पर तेल उपलब्ध कराने के कारण अपनी बाजार हिस्सेदारी को बचाए रखना भी एक प्रमुख कारण है।

भारत का नया निवेश संधि खाका तैयार, निवेशकों के लिए अधिक अनुकूल- वित्त मंत्री

नई दिल्ली। एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में घोषणा की कि द्विपक्षीय निवेश संधियों (बीआईटी) के लिए एक नया, निवेशक-अनुकूल खाका तैयार है और इसे जल्द ही केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी मिलने की उम्मीद है। यह नया ढांचा निवेशकों को अधिक प्रभावी सुरक्षा प्रदान करेगा और 2016 में मंजूर किए गए पुराने खाके की खामियों को दूर करेगा। सीतारमण ने बताया कि पिछले डेढ़ साल से तैयार यह नया खाका निवेशकों के लिए प्रक्रिया को और सुगम बनाएगा। उन्होंने कहा कि नए खाके को अंतिम रूप दिए जाने के बीच भी भारत ने निवेश संरक्षण समझौतों पर बातचीत जारी रखी है। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ओमान और कुछ मध्य एशियाई देशों के साथ हुए हालिया समझौतों में पहले से ही नए खाके के कई प्रावधान शामिल किए गए हैं। मंत्री ने कहा कि भारत कनाडा और रूस सहित कई देशों के साथ द्विपक्षीय निवेश संरक्षण समझौतों पर सक्रिय रूप से बातचीत कर रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दिसंबर तक कम से कम तीन और देशों के साथ समझौते पूरे हो सकते हैं, जिसमें कनाडा के साथ वार्ता दिसंबर या अगले साल की शुरुआत तक अंतिम रूप ले सकती है। पिछला 2016 का ढांचा निवेशकों को मध्यस्थता से पहले पांच साल तक इंतजार करने के लिए कहता था, जिसकी व्यापक आलोचना हुई थी। सरकार का मानना है कि नया खाका भारत के हितों की बेहतर रक्षा करेगा और निवेशकों के लिए अधिक स्पष्टता लाएगा।

मेष- आज का दिन आपको काफी व्यस्त रखने वाला है। एक साथ कई काम सामने आ सकते हैं, लेकिन हर जिम्मेदारी अपने सिर लेने के बजाय यह तय करें कि पहले क्या करना जरूरी है। संतान की ओर से कोई अच्छी खबर मन को प्रसन्न कर सकती है। लंबे समय से मन में बसी कोई इच्छा पूरी होने से भीतर से संतोष महसूस होगा।

वृषभ- आज सुस्ती छोड़कर पूरे उत्साह के साथ काम करने की जरूरत है। जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं और कोई नई जिम्मेदारी शुरुआत में थोड़ी चुनौतीपूर्ण लग सकती है, लेकिन सहयोगियों का साथ आपको संभाल लेगा। बातचीत के दौरान शब्दों का चयन सोच-समझकर करें, क्योंकि छोटी बात भी अनावश्यक बहस का रूप ले सकती है। परिवार में किसी मुद्दे पर मतभेद हो सकते हैं, जिन्हें धैर्य से आसानी से संभाला जा सकेगा।

मिथुन- आज नई शुरुआत के लिए दिन उत्साह बढ़ाने वाला है। यदि किसी नए काम या योजना को लेकर काफी समय से सोच रहे हैं, तो अब उस दिशा में कदम बढ़ाना अच्छा रहेगा। जीवनसाथी के साथ चली आ रही कोई गलतफहमी बातचीत के जरिए दूर हो सकती है और रिश्ते में फिर से गर्माहट महसूस होगी। दूर रहने वाले किसी खास व्यक्ति की याद मन को थोड़ा भावुक कर सकती है।

कर्क- आज आपका मन दूसरों के लिए कुछ करने और जरूरतमंदों की सहायता करने में लगेगा। किसी की मदद करके जो संतोष मिलेगा, वह दिन को खास बना सकता है। संतान के साथ समय बिताने या कहीं घूमने जाने का अवसर मिल सकता है। पुराने लेन-देन का कोई उलझा हुआ मामला सुलझने से राहत मिलेगी। काम के दौरान जल्दबाजी से बचें और संतुलन बनाए रखें। वाहन चलाते समय विशेष सावधानी रखें।

सिंह- आज मेहनत के अच्छे परिणाम मिल सकते हैं, हालांकि कार्यक्षेत्र में किसी के साथ थोड़ी नोकझोंक होने की संभावना है। ऐसे समय में आपका शांत रहना ही सबसे बड़ी समझदारी होगी। संतान से किया हुआ कोई वादा पूरा करना पड़ सकता है। पिता की ओर से कोई नई जिम्मेदारी भी मिल सकती है। घर में पूजा-पाठ या धार्मिक आयोजन होने से वातावरण में सकारात्मकता बढ़ेगी।

कन्या- आज कोई अच्छी खबर आपके चेहरे पर मुस्कान ला सकती है। व्यवसाय में किए गए बदलाव अब अपना असर दिखाने लगेंगे और आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। बॉस या वरिष्ठ अधिकारी के साथ जो दूरी महसूस हो रही थी, वह कम हो सकती है। घर को सजाने-संवारने या कोई नई वस्तु खरीदने का मन बनेगा। कहीं अटका हुआ पैसा वापस मिलने की संभावना भी है।

तुला- आज जल्दबाजी के बजाय सोच-विचार करके कदम उठाना आपके लिए बेहतर रहेगा। अतीत की किसी गलती से मिली सीख इस समय आपके बहुत काम आ सकती है। बिना मांगे किसी को सलाह देने से बचें और अपने आसपास के लोगों की बातों तथा व्यवहार को ध्यान से समझें। यात्रा पर जा रहे हैं तो अपने जरूरी और कीमती सामान की अच्छी तरह देखभाल करें।

वृश्चिक- आज आपको आगे बढ़ने और अपनी स्थिति मजबूत करने के कई अवसर मिल सकते हैं। परिवार के बड़े सदस्यों की भावनाओं का सम्मान करेंगे तो रिश्तों में अपनापन और बढ़ेगा। घर में संपत्ति या बंटवारे से जुड़ी कोई चर्चा सामने आ सकती है, इसलिए भावनाओं के बजाय समझदारी से बात रखें। मन में चल रही कोई चिंता थोड़ी बेचैनी पैदा कर सकती है। संतान की पढ़ाई या भविष्य को लेकर लिया गया कोई महत्वपूर्ण फैसला आगे चलकर उसके लिए लाभदायक साबित हो सकता है।

धनु- आज जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण फैसलों में समझदारी दिखाने का दिन है। बच्चों के साथ समय बिताने से मन प्रसन्न रहेगा और घर का वातावरण भी खुशनुमा बना रहेगा। काम को लेकर जो चिंता कुछ समय से परेशान कर रही थी, उसमें अब धीरे-धीरे कमी आती दिखाई देगी। घर में मेहमानों का आना-जाना रौनक बढ़ा सकता है। खर्चों पर थोड़ा नियंत्रण रखना जरूरी होगा। मन की कोई बड़ी इच्छा पूरी होने की संभावना है।

मकर- आज का दिन आपके लिए सुखद अनुभव लेकर आ सकता है। परिवार में किसी नए सदस्य या मेहमान के आने से घर का माहौल खुशियों से भर सकता है। निवेश या शेयर बाजार से लाभ मिलने के संकेत हैं, लेकिन केवल दूसरों की सलाह पर भरोसा करके पैसा लगाने से बचें। आपके काम की प्रशंसा आपको नई पहचान दिला सकती है। साझेदारी में किए गए काम उम्मीद से बेहतर परिणाम दे सकते हैं।

कुंभ- आज आप ऊर्जा और आत्मविश्वास से भरे नजर आएंगे। किसी सामाजिक या राजनीतिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिल सकता है, जहां आपकी पहचान और सम्मान दोनों बढ़ सकते हैं। माताजी से किया हुआ कोई वादा पूरा करने की कोशिश करेंगे। संतान अपने करियर या नौकरी से जुड़े किसी महत्वपूर्ण फैसले में आपकी सलाह लेना चाहेगी।

मीन- आज का दिन मन को सुकून देने वाला रहेगा। परिवार के साथ बैठकर पुराने मतभेदों को खत्म करने और रिश्तों में फिर से मिठास लाने का मौका मिलेगा। किसी के प्रति मन में ईर्ष्या या नकारात्मक भावना रखने के बजाय अपनी ऊर्जा को आगे बढ़ने में लगाएं। घूमने-फिरने, मनोरंजन या अपने किसी पसंदीदा शौक के लिए समय मिल सकता है।

शब्दजाल- 8412

अ	दि	ल	का	रि	श्ता	ज	ब	न	र	ट
दा	र	यू	न	दी	वा	ग्री	द	इ	ह	ड
वा	व	ना	पू	वा	जी	थ	न	ग	क	र
दा	ची	न	ते	ना	ज	आँ	म	पा	त	ना
म	त	ई	ड	प	व	खें	न	ग	र्क	ज
र	ए	म	सु	न	दि	पू	न	डॅ	र	रु
ती	जं	क	मे	ता	क	ल	श	न	ज	री
क	ल	ग	अ	सं	भ	व	हे	ली	न	है
ब्रे	बो	र्न	य	ज	चि	क	री	तु	प	ला
ऐ	ला	न	न	ज	न	त्र	टा	जी	म्हा	त
बे	बी	लो	नि	या	ल	बी	र	रा	त	रा

शब्दजाल में अर्जुन रामपाल की १० फिल्मों के नाम ढूंढिए.शब्द ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

डॉन, डरना जरूरी है, एक अजनबी, ऐलान, वादा, दिल का रिश्ता, आँखें, दीवानापन, असंभव, दिल है तुम्हारा.

शब्दजाल - 8411 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7346

बायें से दायें:-

१. 'ये तारा वो तारा' गीत वाली आशुतोष गोवारीकर की फिल्म-३
३. 'तुम्हें अपना बनाने की' गीत वाली संजयदत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-३
५. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तनहाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली जतिन ग्रेवाल, नेहा की फिल्म-३
८. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'गमजी की निराली सवारी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली ऋषिकपूर, डिम्पल की फिल्म-२
१०. राजेश खन्ना, शर्मिला की 'कन्हैया कन्हैया तुझे' गीत वाली फिल्म-३
११. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली अमिताभ, रवीना, नंदिता की फिल्म-२
१२. अमिताभ, जीनत की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'दिल सारा गुजारा' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा की फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'वो शाम कुछ अजीब थी' गीत वाली राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-३
१९. आमिर, जूही, ममता की 'धीरे धीरे आप मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'रिफ्यूजी' में अभिषेक के साथ नायिका कौन थी-३
२४. अक्षयकुमार, करीना की 'दिल ले गया परदेसी' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'बहारों फूल बरसाओ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
२८. किशोरकुमार की 'एक चतुर नार करके सिंगार' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'फिर वही चांद वही हम' गीत वाली देवआनंद, नूतन की फिल्म-३
३०. डिनो, बिपाशा की 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'कैसे कटे दिन कैसे' गीत वाली राजेश, गोविंदा, जूही की फिल्म-२
२. अमिताभ, जयाप्रदा की 'मंजिलें अपनी जगह हैं' गीत वाली फिल्म-३
३. फिल्म 'तेरे नाम' में नायक कौन था-४,२
४. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
५. काहे कोयल शोर, मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
६. जीतेंद्र, लीना चंदावरकार की 'तूने तूने ओ सनम' गीत वाली फिल्म-४
९. 'है मुबारक आज का' गीत वाली मिथुन चक्रवर्ती, रति की फिल्म-३
११. संजय दत्त, अनिता की 'तुन्ना तुन्ना तक तक तुन्ना' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'हम तुम को निगाहो' गीत वाली सलमान, अरबाज, शिल्पा की फिल्म-२
१६. राजकपूर, वहीदा रहमान की 'सजन रे झूठ मत बोलो' गीत वाली फिल्म-३,३
१८. फिल्म 'मिस ४२०' में नायिका कौन थी-२
२०. सनी देओल, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'तू धरती पे चाहे जहाँ' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-२
२३. अजय देवगन, अमीषा पटेल की 'प्यार तो होता है प्यार' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'मेरे अंगने में तुम्हारा' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-४
२६. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की 'एक बगिया में रहती है' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 7345

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

6 अक्टूबर को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	06.47 बजे से
चंद्र	कर्क में	वृश्चिक	09.02 ब.से
मंगल	कर्क में	धनु	11.18 बजे से
बुध	तुला में	मकर	13.23 बजे से
गुरु	कर्क में	कुंभ	15.09 बजे से
शुक्र	तुला में	मीन	16.42 बजे से
शनि	मीन में	मेष	18.13 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	19.53 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	21.51 बजे से
राहुकाल		कर्क	00.04 बजे से
3.00 से 4.30		सिंह	02.21 बजे से
बजे तक		कन्या	04.32 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 279 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** एकादशी 00.35 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** आश्लेषा 22.18 बजे को समाप्त। **योग** सिद्ध 07.21 बजे तदनन्तर साध्य 05.00 बजे प्रात: को समाप्त। **करण** बव 13.20 बजे तदनन्तर बालव 00.35 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 05° 02' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872854 **जूलियन दिन** 2461319.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** रवि उस्सानी **तारीख** 24 **विशेष** इन्दिरा एकादशी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: पुजारी की सीख

कांगड़ा जनपद के भगवती मंदिर के पुजारी रुद्रप्रताप समाज-सुधारक, वैद्य और अध्यापक थे। साधारण लोगों के साथ-साथ वहां के राजा सूर्यभानु भी उनका बहुत सम्मान करते थे। सूर्यभानु का पुत्र उदयभानु बेहद उद्दंड था। वह न केवल अपनी प्रजा पर अत्याचार करता था बल्कि राज्य के कर्मचारियों को भी तरह-तरह से सताया करता था। राजा सूर्यभानु इससे बेहद दुखी रहते थे। उन्होंने उदयभानु को समझाने के अनेक प्रयत्न किए, पर कोई नतीजा नहीं निकला। हारकर सूर्यभानु ने अपने पुत्र के व्यवहार के बारे में पुजारी रुदप्रताप को बताया और उन्हें उसे सुधारने के लिए कहा। सारी बात जानकर रुद्रप्रताप ने सूर्यभानु से कहा, 'महाराज, आप चिंता न करें। उसे कल सवेरे भगवती के दर्शन करने मंदिर में भेज दीजिएगा।' राजा सूर्यभानु उन्हें प्रणाम कर के लौट आए। अगले दिन सुबह उदयभानु पुजारी रुद्रप्रताप के पास पहुंच गया। रुद्रप्रताप ने बड़े प्रेम से उदयभानु का स्वागत किया, फिर उसके हाथों भगवती को प्रसाद चढ़वाया, फिर उसे अपने साथ विश्राम कक्ष में लेकर आ गए। उदयभानु ने चलने की आज्ञा मांगी। इस पर पुजारी रुद्रप्रताप बोले, 'बेटा, मैंने तुम्हारे भोजन की व्यवस्था भी करवाई है। आओ, भोजन तैयार होने तक हम शतरंज की एक-एक बाजी खेलते हैं।' उदयभानु को शतरंज का बेहद शौक था। वह शतरंज खेलने बैठ गया। खेलते-खेलते रुद्रप्रताप ने चाल चली, लेकिन फिर अपना मोहरा हटा लिया और बोले, 'क्षमा करना, भूल हो गई।' ऐसा रुद्रप्रताप ने दो-तीन बार किया। चौथी बार भी जब वह चाल चलकर अपना मोहरा हटाने लगे तो उदयभानु बोला, 'पंडित जी, एक-दो बार की गलती तो क्षमा हो सकती है लेकिन बार-बार की गलती क्षमा नहीं होगी। आप कई बार ऐसा कर चुके हैं।' इस पर रुद्रप्रताप ने मुस्कराकर कहा, 'बेटा, अगर आप खेल में भी मेरी गलतियां क्षमा नहीं कर सकते तो जो गलतियां आप जीवन में कर रहे हैं, उन्हें कोई कैसे क्षमा करेगा?' उदयभानु उनका इशारा समझ गया। उसी दिन से उसमें सुधार आने लगा।

सूडोकु नवताल- 7655

★★★★★ कठिनतम

			2					4
			6					1
	5		8			2		3
		7					6	
	3					8		
1		6			3		7	
2					5			
8					4			

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7654 का हल

6	5	4	3	1	9	7	2	8
7	2	3	5	8	4	9	6	1
8	9	1	7	2	6	3	4	5
1	7	2	8	3	2	5	9	4
4	3	8	9	6	5	1	7	6
5	6	9	4	7	1	8	3	2
2	8	7	1	4	3	6	5	9
9	1	6	2	5	7	4	8	3
3	4	5	6	9	8	2	1	7

शब्द पहेली - 8870

बाएँ से दाएँ

1.अधिकार-2
3.समुद्र,दरिया-3
6.आनंद,रस-2
8.दबाना,कुचलना-3
10.गुंडा,बदमाश-3
12.पासों से भविष्य जानना-3
14.नाप जोख करना-3
17.जलजला-3
19.असफल-3
21.मगन,रत-2
23.व्यक्ति,जीव-3
25.सम्राट,नरेश-2
26.कार्य करने वाला-3
28.उपनदी,कैनाल-3
30.मां का प्रेम-3
32.पढ़ना,अध्ययन-3
35.पक्षाघात,फालिज-3
37.सेनापति-3
39.दूल्हा,वरदान-2
40.पक्ष,एक ओर-3
41.भीगा हुआ

ऊपर से नीचे

1.सीमा,सरहद-2
2.कटि,मध्यांग-3
4.दुख,कष्ट-2
5.गमन,विदा होना-3
7.शराब का प्याला-2
9.एक नमकीन लवण-3
11.आलेप करना-3
13.बोलने का तरीका-3
15.अयोग्य,बेकार-3
16.तहजीब,तमीज-3
18.रत्न,बहुमूल्य नग-3
20.व्यंग,परिहास-3
22.मुलायम,नाजुक-3
24.कॉफी-3
27.पंकज,नीरज,जलज-3
29.निर्माण-3
31.बल,दम,जोर-3
33.नेत्र,आंख-3
34.नौका-2
36.घात,प्रहार-2
38.जरा,थोड़ा-2

शब्द पहेली -8869 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

मोहन भागवत के कारंजा (लांजी) आगमन से पहले प्रशासन ने जारी किया प्रतिबंधात्मक आदेश

उल्लंघन पर होगी कानूनी कार्रवाई, 5 किमी दायरे में ड्रोन-आतिशबाजी पर रोक

पद्मेश न्यूज। लांजी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत आज 6 अक्टूबर को कारंजा पहुंचेंगे। संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित विशेष कार्यक्रम को लेकर प्रशासन द्वारा सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं।निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मोहन भागवत का कारंजा में दोपहर करीब 12 बजे आगमन होगा। इसके बाद भगवान दत्तात्रेय मंदिर में पूजन-अर्चन तथा स्मृति भवन के लोकार्पण सहित विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तावित हैं। बालासाहेब देवरस एवं भाऊराव देवरस से जुड़ी स्मृति गतिविधियों के साथ ही संघ के इतिहास और कारंजा क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण प्रसंगों को भी कार्यक्रम में शामिल किया गया है। दोपहर करीब 3 बजे मोहन भागवत मंच पर पहुंचेंगे, जहां मुख्य कार्यक्रम शाम लगभग 4=30 बजे तक चलेगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत के लांजी विकासखंड के ग्राम कारंजा स्थित भाऊराव देवरस न्यास में प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। अपर जिला दंडाधिकारी डीपी बर्मन ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी करते हुए कारंजा के 5 किलोमीटर के दायरे में ड्रोन, पैराग्लाइडर, हॉट एयर बैलून सहित अन्य मानवरहित हवाई उपकरणों के संचालन और आतिशबाजी पर रोक लगा दी है। आदेश 5 अक्टूबर की मध्यरात्रि से 7 अक्टूबर की समाप्ति तक अथवा वीवीआईपी के प्रस्थान तक प्रभावी रहेगा। प्रशासन के अनुसार मोहन भागवत को जेड प्लस श्रेणी के एएसएल सुरक्षा घेरे में सीआरपीएफ की सुरक्षा प्राप्त है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आमजन और कार्यकर्ताओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए यातायात, सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को ध्यान में रखकर यह निर्णय लिया गया है।

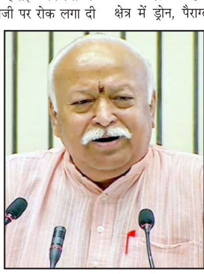

ड्रोन उड़ाने और आतिशबाजी पर पूरी तरह रोक

आदेश के तहत कारंजा के 5 किलोमीटर क्षेत्र में ड्रोन, पैराग्लाइडर, हॉट एयर बैलून तथा अन्य फ्लाइंग ऑब्जेक्ट या यूएवी को उड़ाना, संचालित करना, लॉन्च करना अथवा किसी अन्य व्यक्ति से संचालित करवाना प्रतिबंधित रहेगा। इसी क्षेत्र में पटाखे चलाने, आतिशबाजी करने, रॉकेट या आकाशीय आतिशबाजी छोड़ने तथा विस्फोटक या पायरोटेक्निक सामग्री के अनधिकृत उपयोग पर भी रोक रहेगी। हालांकि पुलिस, सुरक्षा एजेंसियों, जिला प्रशासन, विमान प्राधिकरण अथवा अन्य सक्षम शासकीय एजेंसियों द्वारा सुरक्षा और अधिकृत सरकारी कार्यों के लिए किए जाने वाले हवाई संचालन को आवश्यक अनुमति और नियमों के पालन की शर्त पर प्रतिबंध से छूट दी गई है।

उल्लंघन पर होगी कार्रवाई

प्रशासन ने संबंधित पुलिस अधिकारियों को प्रतिबंधित क्षेत्र में आदेश का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही ड्रोन नियमों और डिजिटल स्काई व्यवस्था के तहत आवश्यक कार्रवाई के लिए सक्षम अधिकारियों को तत्काल सूचित करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रतिबंधात्मक आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 सहित अन्य प्रासंगिक कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

किसानों की मांग पर कलेक्टर कार्यालय खाद्य शाखा ने धान, ज्वार एवं बाजरा उपार्जन के लिए किसान पंजीयन की अवधि

20 अक्टूबर तक बढ़ाने का किया अनुरोध

पद्मेश न्यूज। लांजी। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार एवं बाजरा उपार्जन के लिए किसान पंजीयन की अंतिम तिथि बढ़ाने की प्रक्रिया की गई है। कलेक्टर कार्यालय खाद्य शाखा, बालाघाट द्वारा 4 अक्टूबर को जारी पत्र में किसान पंजीयन की अवधि 20 अक्टूबर 2026 तक बढ़ाए जाने का अनुरोध खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण संचालनालय भोपाल से किया गया है। जारी पत्र के अनुसार 4 अक्टूबर 2026 तक जिले में समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार एवं बाजरा उपार्जन के लिए 31,714 किसानों का पंजीयन हो चुका है। जबकि खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में जिले में कुल 1,30,037 किसानों का पंजीयन हुआ था। कलेक्टर कार्यालय ने पत्र में बताया कि पंजीयन प्रक्रिया के दौरान किसानों को तकनीकी समस्याओं का सामना करना पड़ा। इनमें ई-उपार्जन/पंजीयन साइट पर एक समय में एक ही सिस्टम पर आईडी लॉगिन होना, गिरदावरी के बाद भी खसरे का रकबा पंजीयन के लिए प्रदर्शित नहीं होना, खसरे का सर्वे करने का ऑप्शन प्रदर्शित नहीं होना तथा किसान पंजीयन के दौरान एक-दो बार ऑप्शन आने के बाद प्रक्रिया के लिए प्रदर्शित नहीं होने जैसी समस्याएं शामिल हैं। इन तकनीकी कारणों से किसान पंजीयन अपेक्षाकृत कम हुआ है। पत्र में बताया गया कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं किसान संगठनों द्वारा भी किसान पंजीयन की अवधि बढ़ाने की मांग की जा रही है। वर्तमान में पंजीयन की अवधि 15 सितंबर से 10 अक्टूबर 2026 तक निर्धारित है। किसानों की सुविधा और अधिक से अधिक पंजीयन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर ने इसकी अवधि 20 अक्टूबर 2026 तक बढ़ाए जाने का अनुरोध किया है।

आंगनबाड़ी बच्चों की दूसरी पाठशाला, शिक्षा के साथ संस्कार और पोषण का केंद्र -दिनेश लांडे

पद्मेश न्यूज। लांजी। सेवा संकल्प अभियान के तहत ग्राम पंचायत टेकरी में आंगन मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनपद सभापति दिनेश लांडे मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच प्रभु दयाल किरमे ने की, जबकि पूर्वा टोला सरपंच गणेश बागड़े विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के पूजन से हुई। इसके बाद आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने उपस्थित माताओं एवं ग्रामीणों को शासन द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा तथा महिलाओं से संबंधित योजनाओं के बारे में भी विस्तार से बताया गया। मुख्य अतिथि जनपद सभापति दिनेश लांडे ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों की दूसरी पाठशाला है। यहां बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा के साथ स्वास्थ्य, पोषण और संस्कार भी दिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र केवल बच्चों के विकास तक सीमित नहीं हैं, बल्कि महिला सशक्तिकरण और महिलाओं में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम भी हैं। उन्होंने उपस्थित माताओं से अपील की कि बच्चों को मोबाइल की आदत से दूर रखें और उनके साथ अधिक समय बिताते हुए पढ़ाई तथा रचनात्मक गतिविधियों के लिए प्रेरित करें। उन्होंने बच्चों को बेहतर शिक्षा और संस्कार देने का संकल्प लेने की बात भी कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सरपंच प्रभु दयाल किरमे ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ग्राम पंचायत में बच्चों के बेहतर भविष्य को ध्यान में रखते हुए सुविधायुक्त और आधुनिक आंगनबाड़ी केंद्र के निर्माण के लिए प्रयास किए जाएंगे। कार्यक्रम में पंचायत सचिव, रोजगार सहायक, पटवारी, ग्राम कोटवार, आंगनबाड़ी सहायिका सहित बड़ी संख्या में माताएं, बहनें एवं बच्चे उपस्थित रहे।

11 अक्टूबर से शारदेय नवरात्र

भक्ति में रंगेगा लांजी; चौक-चौराहों पर सजेगा माता रानी का दरबार

पद्मेश न्यूज। लांजी। आदिशक्ति मां दुर्गा की आराधना का पर्व शारदेय नवरात्र 11 अक्टूबर से शुरू होगा। नौ दिवसीय नवरात्र को लेकर नगर और क्षेत्र में तैयारियां जोर पकड़ चुकी हैं। देवी मंदिरों और घरों में घट स्थापना व ज्योति कलश स्थापना की तैयारियां चल रही हैं, वहीं सार्वजनिक समितियां चौक-चौराहों पर भव्य पंडाल तैयार कर रही हैं। पंडालों को आकर्षक स्वरूप देने के साथ रंग-बिरंगी रोशनी से आसपास के क्षेत्र को सजाया जा रहा है। नवरात्र के दौरान पूरा नगर भक्तिमय माहौल में नजर आएगा। नगर के प्रमुख स्थानों पर सार्वजनिक दुर्गा प्रतिमाओं की स्थापना की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। मूर्तिकार मां दुर्गा की प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। बस स्टैंड सुभाष चौक में सद्भावना मित्र मंडल, गुजरी चौक में सिंहवाहिनी दुर्गा उत्सव समिति, पीडब्ल्यूडी कार्यालय के पास सादर मित्र मंडल सहित रेस्टहाउस मजार के समीप, मनेरी फाटक और सुंदरटोला में सार्वजनिक प्रतिमाएं स्थापित किए जाने की तैयारियां की जा रही हैं।

जस और देवी गीतों से गूंजेंगे ग्रामीण अंचल

नवरात्र के नौ दिनों तक नगर के साथ ग्रामीण अंचलों में भी धार्मिक आयोजनों की धूम रहेगी। जगह-जगह भजन, जस और देवी गीतों के माध्यम से मां की आराधना की जाएगी। समितियों ने पंडालों में होने वाले धार्मिक कार्यक्रमों की तैयारियां भी शुरू कर दी हैं।

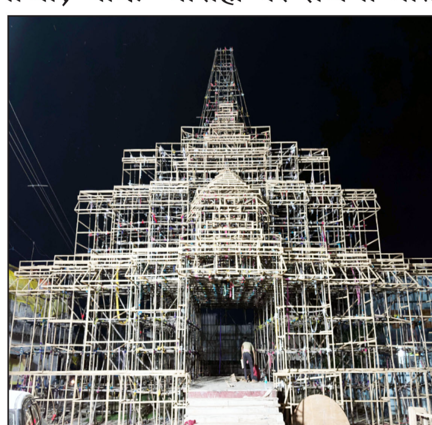

मां लंजकाई मंदिर में 11 को कलश स्थापना

नगर के प्रसिद्ध मां लंजकाई मंदिर में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी नवरात्र पर्व पर विशेष धार्मिक आयोजन होंगे। मंदिर ट्रस्ट समिति अध्यक्ष हीराचंद आसटकर ने बताया कि 11 अक्टूबर की संध्याकाल में ज्योति कलश स्थापना की जाएगी। 18 अक्टूबर को अष्टमी हवन होगा। 19 अक्टूबर, सोमवार की शाम ज्योति कलशों की शोभायात्रा निकालकर विसर्जन किया जाएगा। इसके बाद 20 अक्टूबर को विजयादशमी पर्व मनाया जाएगा।

मंदिरों और घरों में बोए जाएंगे जवारे

मां लंजकाई मंदिर के अलावा मां काली मंदिर, मां बंबलाई दरबार गुजरी चौक, गायत्री मंदिर, शीतला माता मंदिर, त्रिशक्ति दुर्गा मंदिर मरार मोहल्ला, दुर्गा मंदिर निमटोला, माता मंदिर निमटोला और दुर्गा मंदिर बिसोनी सहित क्षेत्र के प्रमुख देवी मंदिरों में घट स्थापना के साथ मनोकामना ज्योति कलश स्थापित किए जाएंगे। घरों में भी जवारे बोकर नौ दिनों तक विधि-विधान से मां दुर्गा की पूजा-अर्चना की जाएगी।

कन्या शिक्षा परिसर गोंगलई की खेल प्रतिभाओं ने प्रदेश में बढ़ाया बालाघाट का गौरव

फुटबॉल और वॉलीबॉल में छात्राओं का शानदार प्रदर्शन, राष्ट्रीय स्तर पर भी दिखा चुकी हैं प्रतिभा

पदमेश न्यूज। बालाघाट। कन्या शिक्षा परिसर गोंगलई, बालाघाट की छात्राएं शिक्षा के साथ-साथ खेलों के क्षेत्र में भी लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन कर रही हैं। आदिवासी एवं पिछड़े क्षेत्रों से आकर यहां अध्ययनरत छात्राओं को खेलों में आगे बढ़ने के लिए नियमित प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसी का परिणाम है कि परिसर की छात्राएं जिला एवं प्रदेश स्तर की प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रभावी प्रदर्शन कर रही हैं। सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती शकुंतला डामोर के मार्गदर्शन में छात्राओं को शिक्षा के साथ खेल गतिविधियों से जोड़ने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। विद्यालय के कोच एवं खेल प्रशिक्षक श्री कमल किशोर तेलासे द्वारा छात्राओं की खेल प्रतिभा को पहचानकर उन्हें नियमित प्रशिक्षण और आवश्यक मार्गदर्शन दिया जा रहा है। उनके प्रयासों से छात्राओं ने फुटबॉल, वॉलीबॉल सहित विभिन्न खेलों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। इसी क्रम में शुजालपुर, जिला शाजापुर में 3 से 7 अक्टूबर 2026 तक आयोजित राज्य स्तरीय जूनियर फुटबॉल प्रतियोगिता में कन्या शिक्षा परिसर गोंगलई की तीन छात्राएं प्रतीक्षा धुर्वे, प्राची एवं निशा धुर्वे भाग ले रही हैं। छात्राओं ने प्रतियोगिता में अपने खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए विद्यालय एवं बालाघाट जिले का प्रतिनिधित्व किया है।

वॉलीबॉल में चार छात्राएं करेंगी जिले का प्रतिनिधित्व

विदिशा में 6 से 10 अक्टूबर 2026 तक आयोजित राज्य स्तरीय जूनियर वॉलीबॉल प्रतियोगिता में कन्या शिक्षा परिसर गोंगलई की चार प्रतिभावान छात्राएं मोनिका मरकाम, अनुराधा धुर्वे, आरती एवं आंचल बालाघाट जिले का प्रतिनिधित्व करेंगी। छात्राओं के चयन से विद्यालय परिवार और जिले के खेल प्रेमियों में उत्साह है। इसके अलावा छतरपुर में आयोजित राज्य स्तरीय मिनी वर्ग फुटबॉल प्रतियोगिता में भी कन्या शिक्षा परिसर गोंगलई की पांच छात्राओं ने भाग लेकर शानदार खेल प्रदर्शन किया। छात्राओं की लगातार उपलब्धियां यह साबित कर रही हैं कि यदि ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों की बेटियों को उचित प्रशिक्षण, मार्गदर्शन एवं अवसर उपलब्ध हों तो वे प्रदेश ही नहीं, राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा सकती हैं।

राष्ट्रीय स्तर पर भी बना चुकी हैं पहचान

उल्लेखनीय है कि कन्या शिक्षा परिसर गोंगलई की चार छात्राएं गत वर्ष राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेकर विद्यालय एवं बालाघाट जिले का गौरव बढ़ा चुकी हैं। छात्राओं की इन उपलब्धियों से अन्य विद्यार्थियों को भी खेलों के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिल रही है। छात्राओं की खेल उपलब्धियों पर सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती शकुंतला डामोर, प्राचार्य श्रीमती सुनीता बोरकर, जिला खेल अधिकारी डी.के. मेश्राम, जिला एथलेटिक संघ के अध्यक्ष नरेश धुवारे, कोच कमल किशोर तेलासे, मोटिवेटर अजय बैस, प्रशिक्षक शैलेंद्र यादव सहित विद्यालय के समस्त स्टाफ ने खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

प्राकृतिक आपदा से मृत्यु उपरांत 04 लाख रुपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत

पदमेश न्यूज। बालाघाट। लामता तहसील अंतर्गत ग्राम भालेवाड़ा निवासी भागवंता राहंगडाले की 15 अगस्त 2026 को कुएँ के पानी में डूबने से मृत्यु हो जाने के कारण बालाघाट के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व गोपाल सोनी ने राजस्व पुस्तक परिपत्र 6/4 के प्रावधानों के तहत मृतक के वारसानों पुत्र पितमलाल एवं योगेश्वरी को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। लामता तहसीलदार को निर्देशित किया गया है कि वे कोषालय में देयक प्रस्तुत कर भागरताबाई के खातें में ई-पेमेंट से शीघ्र 04 लाख रुपए की राशि जमा कराए।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

तेज रफ्तार कंटेनर ने युवक को कुचला

गोंदिया-बालाघाट मार्ग के नागरा की घटना : आक्रोशित नागरिकों का रात से दोपहर तक धरना

रवि ठकरानी

पद्मेश न्यूज। गोंदिया।

गोंदिया-बालाघाट राष्ट्रीय महामार्ग पर नागरा में रविवार, 4 अक्टूबर की रात करीब 7.30 बजे तेज रफ्तार कंटेनर क्रमांक जीजे 03 - बीवी 2882 की चपेट में आने से 35 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई. मृतक का नाम नागरा निवासी लोकेश बघेले (35) बताया गया है. दुर्घटना के बाद आक्रोशित नागरिकों ने महामार्ग पर रविवार की रात से लेकर सोमवार के दोपहर 2 बजे तक धरना देकर निर्माण कंपनी की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए।

नागरिकों का आरोप है कि महामार्ग का निर्माण कार्य जारी होने के बावजूद वाहन चालकों की सुरक्षा के लिए आवश्यक इंतजाम नहीं किए जा रहे हैं. इस मार्ग पर पहले भी दुर्घटनाओं में छह लोगों की मौत हो चुकी है. इसके बावजूद सुरक्षा उपायों में सुधार नहीं होने से नागरिकों में भारी नाराजगी है.

दुर्घटना की जानकारी मिलते ही नागरा सहित आसपास के नागरिक बड़ी संख्या में घटनास्थल पर पहुंच गए, उन्होंने महामार्ग पर धरना देते हुए निर्माण कंपनी के अधिकारियों को मौके पर बुलाने तथा दुर्घटना के लिए जिम्मेदार कंटेनर मालिक से मृतक के परिवार को आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की. नागरिकों ने स्पष्ट किया कि मांग पूरी होने तक धरना समाप्त नहीं किया जाएगा. धरने के कारण महामार्ग पर स्थिति गंभीर हो गई थी. पुलिस ने नागरिकों से चर्चा कर मध्यस्थता की, जिसके बाद सोमवार दोपहर 2 बजे आंदोलन समाप्त किया गया. इसके बाद शव पुलिस के कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया. ग्रामीण पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. लोकेश बघेले के पीछे पत्नी और दो बच्चे हैं. परिवार में वे ही कमाने वाले थे. उसकी अचानक मौत से बघेले परिवार पर आर्थिक संकट आ गया है. घटना से नागरा परिसर में शोक का माहौल है.

सुरक्षा के अभाव में हादसों की श्रृंखला

महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश को जोड़ने वाले इस राष्ट्रीय महामार्ग का निर्माण जारी है. नागरिकों का आरोप है कि निर्माणस्थल पर सुरक्षा उपायों की अनदेखी के कारण लगातार हादसे हो रहे हैं. पहले छह लोगों की जान जाने के बाद अब लोकेश की मौत से नागरिकों का आक्रोश और बढ़ गया है. नागरिकों ने निर्माण कंपनी से महामार्ग पर तत्काल ठोस सुरक्षा व्यवस्था करने की मांग की है।

लाठी से मारकर किया घायल

पदमेश न्यूज। गोंदिया। गोरेगांव तहसील के सोनी निवासी फरियादी नरेश छत्तु बोपचे (55) अपने मित्र के साथ ग्राम ठाणा में किराणा सामग्री खरीदी करने जा रहा था. इसी बीच ठाणा निवासी आरोपी सोमेश्वर उर्फ शुभम तुमसरे (28) व उसके दो मित्र मोटरसाइकिल पर बैठते समय गिर रहे थे. तब फिर्यादी ने उन्हें बरोबर बैठकर घर जाओ, ऐसा कहा. जिस पर तीनों आरोपियों ने साठगांठ कर फरियादी के साथ लात-घुसों व लाठी से मारपीट की. जिसमें नरेश बोपचे घायल हो गया. फिर्यादी की शिकायत पर आमगांव पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच पुलिस उपनिरीक्षक सचिन कथले कर रहे हैं।

रात में बाघ दिखने से ग्रामीणों में दहशत

पदमेश न्यूज। गोंदिया। सड़क अर्जुनी तहसील के भदूटोला गांव में शनिवार की रात करीब 11 बजे पट्टेदार बाघ दिखाई देने से ग्रामीणों में दहशत फैल गई. राका गांव में कबड्डी मैच देखकर लौट रहे कुछ युवकों को प्रेमलाल सोनवने के खेत के पास अचानक बाघ दिखाई दिया. अंधेरे में बाघ सामने देखकर युवक घबरा गए. लेकिन, घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग के कर्मचारी ए.एस. रंगारी टीम के साथ मौके पर पहुंचे. परिसर का निरीक्षण कर बाघ के पगमार्क की जांच की गई. रंगारी ने बताया कि खेत में बाघ के पगमार्क मिले हैं. पगमार्क के आधार पर यह पट्टेदार बाघ होने तथा उसकी उम्र करीब तीन वर्ष से अधिक होने का प्राथमिक अनुमान है. बाघ के प्रत्यक्ष दर्शन के बाद भदूटोला के ग्रामीणों और किसानों में भय का माहौल है. वन विभाग ने नागरिकों से रात के समय अकेले घर से बाहर नहीं निकलने की अपील की है. अत्यावश्यक होने पर दो-चार लोगों के समूह में तथा आवाज करते हुए आने-जाने की सलाह दी गई है. ग्रामीणों ने क्षेत्र में वन विभाग की गश्त बढ़ाने की मांग की है।

शहर की ओर भी वन्यजीवों का रुख

जिले में जंगल का क्षेत्र अधिक होने के कारण वन्यजीवों का आसपास के गांवों में आना आम है. अब गोंदिया शहर में भी वन्यजीवों की मौजूदगी के मामले सामने आ रहे हैं. गौरीनगर क्षेत्र में तेंदुए की गतिविधियां सामने आने के बाद वन विभाग द्वारा निगरानी की जा रही है. कुछ समय पहले जिलाधिकारी कार्यालय परिसर में भी बाघ के पहुंचने की घटना सामने आई थी।

भक्तों को नवरात्रोत्सव का इंतजार

पदमेश न्यूज। गोंदिया। गणेशोत्सव की समाप्ति के साथ ही अब भक्तों को शारदीय नवरात्रोत्सव का इंतजार है. 11 अक्टूबर से शुरू होने वाले नवरात्रोत्सव को लेकर जिले में धार्मिक व सांस्कृतिक तैयारियां तेज हो गई हैं. प्रमुख देवी मंदिरों में साफ-सफाई, रंग-रोगन, मरम्मत और परिसर के सौंदर्यीकरण का काम शुरू हो चुका है. वहीं सार्वजनिक दुर्गोत्सव मंडलों ने भी मूर्ति स्थापना, मंडप, विद्युत सजावट और धार्मिक कार्यक्रमों की तैयारियां शुरू कर दी हैं।

नवरात्र के दौरान जिले के प्रसिद्ध देवी मंदिरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है. इसे देखते हुए मंदिर समितियों द्वारा पेयजल, पेयजल, शौचालय, पार्किंग, विश्राम स्थल और प्रसाद वितरण जैसी सुविधाओं पर ध्यान दे रही हैं. कई स्थानों पर रास्तों की मरम्मत, गड्ढे भरने तथा यातायात व्यवस्था को सुचारु रखने की तैयारियां भी चल रही हैं. गोंदिया के शीतला माता मंदिर, सिविल लाइन दुर्गा मंदिर, दुर्गा चौक तथा आमगांव के कालिका माता मंदिर सहित अन्य देवी स्थलों पर तैयारियां जारी हैं. कुंभारवाड़ों में भी दुर्गामाता की प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने का काम तेज हो गया है. सार्वजनिक मंडलों में सामान्यतः 4 से 6 फुट की प्रतिमाओं को प्राथमिकता दी जा रही है।

धार्मिक आयोजनों के साथ गरबा और दांडिया की तैयारियां भी जोर पकड़ रही हैं. शहर के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी गरबा-दांडिया कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं. युवा वर्ग ने अभ्यास शुरू कर दिया है. बाजारों में आकर्षक परिधान, दांडिया और आभूषणों की बिक्री शुरू हो गई है. वहीं कार्यक्रमों के लिए ऑर्केस्ट्रा, गायकों और वाद्यवृंदों की बुकिंग भी की जा रही है. धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक उत्साह से जिले में नवरात्र का माहौल बनने लगा है।

सेवा मेरा योगदान के तहत सांदीपनी स्कूल में हुआ 'अनकही कहानी' का नाट्य मंचन

स्वच्छता, पौधारोपण एवं सामाजिक सरोकारों का संदेश देकर विद्यार्थियों को किया जागरूक

पदमेश न्यूज। बालाघाट। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत संचालित 'सेवा मेरा योगदान' कार्यक्रम के तहत 5 अक्टूबर को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सांदीपनी स्कूल, बालाघाट में 'अनकही कहानी' नाट्य मंचन का आयोजन किया गया। जिला प्रशासन, जन अभियान परिषद एवं मध्यप्रदेश शासन के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन से जुड़ी विभिन्न प्रेरक झलकियों को नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं आमजन को सेवा, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना रहा। नाट्य मंचन के माध्यम से जीवन में स्वच्छता के महत्व को रेखांकित करते हुए अपने घर के साथ-साथ सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने का संदेश दिया गया। इसके साथ ही पौधारोपण करने और लगाए गए पौधों के संरक्षण के प्रति भी लोगों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री महेश पटले के निर्देशन एवं विकासखंड समन्वयक श्रीमती बैजन्ती कटरे के मार्गदर्शन में किया गया। नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से विद्यार्थियों ने सामाजिक जिम्मेदारी, सेवा भावना और पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। इस अवसर पर सांदीपनी स्कूल के प्राचार्य श्री युवराज राहंगडाले, विकासखंड समन्वयक श्रीमती बैजन्ती कटरे, सेक्टर-1 नवांकुर समिति बालाघाट से जयश्री सोनवाने, सेक्टर-2 नवांकुर समिति हट्टा से हंसराज मेश्राम, सेक्टर-5 से नवांकुर इंद्रणी वरकड़े सहित परामर्शदाता विजय सूर्यवंशी, मालती बिसेन, वर्षा परिहार एवं हरेंद्र यादव उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ सांदीपनी स्कूल के छात्र-छात्राएं एवं शिक्षकगण भी मौजूद रहे। नाट्य मंचन के माध्यम से विद्यार्थियों ने सेवा और सामाजिक दायित्व की भावना को आत्मसात करते तथा स्वच्छ एवं पर्यावरण के अनुकूल समाज निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का संदेश दिया।

गणेश मंडल पुरस्कार परिणाम पर विवाद

देवरी व अर्जुनी मोरगांव के मंडलों की आपत्ति

पदमेश न्यूज। गोंदिया। राज्यस्तरीय उत्कृष्ट गणेश मंडल प्रतियोगिता-2026 के जिलास्तरीय परिणाम को लेकर गोंदिया जिले में विवाद खड़ा हो गया है. जिलाधीश कार्यालय की ओर से घोषित परिणाम में मुंडिपार के गणेश मंडल को प्रथम पुरस्कार दिए जाने पर श्री नवयुवक किसान गणेश मंडल, देवरी और श्री दुर्गा चौक गणेश मंडल, अर्जुनी मोरगांव ने आपत्ति दर्ज कराई है. दोनों मंडलों ने अपने सामाजिक और पर्यावरण संरक्षण के कार्यों की अनदेखी किए जाने का आरोप लगाते हुए परिणाम की निष्पक्ष जांच कर संशोधित परिणाम घोषित करने की मांग की है. इस संबंध में दोनों मंडलों के पदाधिकारियों ने निवासी उपजिलाधिकारी के माध्यम से जिलाधीश कार्यालय को ज्ञापन सौंपा है।

मंडल पदाधिकारियों का कहना है कि शासन के निर्धारित मानदंडों के अनुसार उन्होंने गणेशोत्सव के साथ-साथ पूरे वर्ष सामाजिक, पर्यावरण संरक्षण और जनजागरूकता से जुड़े विभिन्न उपक्रम चलाए. इसके बावजूद अंतिम परिणाम में इन गतिविधियों को अपेक्षित महत्व नहीं दिए जाने का आरोप लगाया गया है. अर्जुनी मोरगांव के श्री दुर्गा चौक गणेश मंडल ने पौधारोपण, वृक्ष संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण तथा शैक्षणिक गतिविधियां संचालित करने का दावा किया है. मंडल ने प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त मंडलों की झांकियों तथा प्रस्तुत की गई फाइलों को सार्वजनिक रूप से दिखाने की मांग की है, ताकि मूल्यांकन प्रक्रिया में पारदर्शिता स्पष्ट हो सके. श्री नवयुवक किसान गणेश मंडल, देवरी ने 1100 पौधे लगाने का संकल्प लिया था, जिसमें से 957 पौधों का प्रत्यक्ष रोपण करने तथा उनके जियो-टैगिंग वाले फोटो प्रस्तुत करने की जानकारी दी है. इसके अलावा देवरी के मुख्य तालाब में तीन दिन तक सफाई अभियान चलाकर 15 से 17 ट्रैक्टर कचरा निकालने का दावा मंडल ने किया है. मंडल ने जलसंचयन और शोष गड्ढों को लेकर चलाए गए जनजागरूकता अभियानों का भी उल्लेख किया है. इन कार्यों की वास्तविकता की जांच के लिए प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा संबंधित स्थलों का निरीक्षण करने की मांग की गई है।

प्रशासन की कार्रवाई पर नजर

परिणाम को लेकर दोनों क्षेत्रों के गणेश मंडलों और नागरिकों में असंतोष की स्थिति बताई जा रही है. मंडल पदाधिकारियों का कहना है कि यदि उनके द्वारा किए गए कार्य शासन के मानदंडों के अनुरूप हैं, तो उनका निष्पक्ष मूल्यांकन होना चाहिए. अब जिला प्रशासन इन ज्ञापनों पर क्या कार्रवाई करता है और परिणाम की दोबारा जांच करता है या नहीं, इस पर सभी की नजरें टिकी हैं।

दुर्गनबाई को 04 लाख रुपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत

पदमेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट तहसील अंतर्गत ग्राम लिंगा के निवासी सैसराम बाघमारे की 06 अक्टूबर 2025 को कुएँ के पानी में डूबने से मृत्यु हो जाने के कारण बालाघाट के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व गोपाल सोनी ने राजस्व पुस्तक परिपत्र 6/4 के प्रावधानों के तहत मृतक की वारसान पत्नी दुर्गनबाई बाघमारे को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। हट्टा तहसीलदार को निर्देशित किया गया है कि वे कोषालय में देयक प्रस्तुत कर भागरताबाई के खाते में ई-पेमेंट से शीघ्र 04 लाख रुपए की राशि जमा कराए।

डेयरी स्वीट मार्ट में आग, दुकान जलकर खाक

पदमेश न्यूज। गोंदिया। शहर के मध्यवर्ती इलाके में स्थित श्यामसुंदर डेयरी स्वीट मार्ट में सोमवार, 5 अक्टूबर की सुबह करीब 5 बजे भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आने से दुकान का सामान, खाद्य पदार्थ और अन्य सामग्री जलकर खाक हो गई। घटना में दुकान मालिक को लाखों रुपए के नुकसान की आशंका है। प्रारंभिक तौर पर आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगने का अनुमान व्यक्त किया जा रहा है।

सुबह के समय दुकान से धुआं निकलता और आग की लपटें दिखाई देने पर आसपास के नागरिकों ने तत्काल अग्निशमन दल को सूचना दी। जानकारी मिलते ही दमकल जवान मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का काम शुरू किया। आग की तीव्रता अधिक होने के कारण कुछ ही समय में दुकान का अधिकांश हिस्सा और उसमें रखा सामान जल गया। अग्निशमन दल ने काफी प्रयास के बाद आग पर काबू पाया। दमकल कर्मियों की तत्परता से आग को आसपास के व्यावसायिक प्रतिष्ठानों तक फैलने से रोक लिया गया। यदि आग पर समय रहते नियंत्रण नहीं पाया जाता तो आसपास की अन्य दुकानों को भी नुकसान होने की आशंका थी। आग लगने के वास्तविक कारण और नुकसान की कुल राशि का अभी स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। घटना के बाद मौके पर नागरिकों की भीड़ जमा हो गई थी। संबंधित विभाग द्वारा मामले की आगे जांच की जा रही है।

बैहर में आँगन मिलन सेवा कार्यक्रम सम्पन्न

पदमेश न्यूज। बैहर। सेवा सेतु अभियान अंतर्गत आँगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन टाउन हॉल बैहर किया गया। जिसमें नगरीय क्षेत्र की समस्त आंगनवाड़ी कार्यकर्ता आशा कार्यकर्ता एवं आंगनवाड़ी सहायिकाओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती यशवंती गुड्डा मरकाम अध्यक्ष नगर परिषद बैहर विशिष्ट अतिथि सुरेंद्र गुड्डा मरकाम प्रदेश मंत्री भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा संकेत राठौर मंडल अध्यक्ष भाजपा, निकाय से पार्षद हमीदा बेगम, सुरपति यादव, शिमला म?ावी, स्थानीय जनप्रतिनिधि अर्जुन जायसवाल पूर्व मंडल अध्यक्ष भाजपा, प्रमोद नेमा पूर्व जिला उपाध्यक्ष भाजपा,मनोनीत पार्षद सुश्री कीर्ति शुक्ला, प्रीति मरावी, आशा कदम, नीरू मरावी, राजकुमारी श्रीवात्री पूर्व पार्षद, महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी धुर्वे जी, आशा मेश्राम सुपरवाइजर एवं समस्त आंगनवाड़ी/ आशा कार्यकर्ता, सहायिका, स्व सहायता समूह की महिलाएं उपस्थित रही। सभी महिलाओं को अध्यक्ष श्रीमती यशवंती गुड्डा मरकाम द्वारा सौजन्य भेंट स्वरूप उपहार एवं उत्कृष्ट कार्य करने का प्रमाण पत्र दिया गया।

ग्रामसभा नहीं होने से ग्रामीणों में रोष

ग्रापं के कामकाज पर सवाल; दो ग्रामसभाएं हो चुकी हैं स्थगित

पदमेश न्यूज। गोंदिया। सड़क अर्जुनी तहसील के शेंडा-कोयलारी ग्राम पंचायत के कामकाज को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी है. ग्रामीणों का आरोप है कि पिछले चार वर्षों से ग्राम पंचायत का कामकाज संतोषजनक नहीं है. पिछले दो ग्रामसभाएं स्थगित हो चुकी हैं. वहीं शासन के निर्देशानुसार 2 अक्टूबर को ग्रामसभा आयोजित किया जाना अपेक्षित था, लेकिन यह ग्रामसभा भी नहीं हो सकी। ग्रामीणों का कहना है कि ग्रामसभा के माध्यम से गांव के विकास कार्यों और नागरिकों की समस्याओं पर चर्चा कर उनके समाधान का रास्ता निकाला जाता है. ग्रामसभा ही नहीं होने से ग्रामीण अपनी समस्याएं और सवाल किस मंच पर रखें, यह सवाल खड़ा हो गया है. कोमल दामले, विजय चाचेरे, दीपक बांते, राहुल लिल्हारे, नारायण पंधरे सहित ग्रामीणों ने ग्रामसभा नियमित रूप से आयोजित करने की मांग की है. ग्रामीणों का आरोप है कि ग्रामसभा के दौरान उपस्थिति और कोरम की औपचारिकता पूरी करने के बाद एजेंडे का वाचन किया जाता है, लेकिन विकास कार्यों, खर्च किए गए निधि और नागरिकों की समस्याओं से जुड़े सवालों पर संतोषजनक जवाब नहीं मिलते. कुछ ग्राम पंचायत सदस्य भी महत्वपूर्ण सवालों से बचने के लिए ग्रामसभा में उपस्थित नहीं रहते, ऐसा आरोप ग्रामीणों ने लगाया है।

हमारी संगठन की ओर से ग्रामसभा का बहिष्कार किया गया है. संगठन की अनुमति मिलने के बाद ही ग्रामसभा में उपस्थित होंगे।

सी.डब्ल्यू, कापगते, ग्रापं अधिकारी

सभी फाइलें और महत्वपूर्ण दस्तावेज ग्राम पंचायत अधिकारी के पास रहते हैं. पारित प्रस्ताव भी अधिकारी ही लिखते हैं. अधिकारी के उपस्थित होने के बाद ही ग्रामसभा की तारीख तय की जाएगी।

गैरसीदेवी रामराम, सरपंच, शेंडा

16.64 लाख की ऑनलाइन धोखाधड़ी

पदमेश न्यूज। गोंदिया। कमीशन देने का लालच देकर युवक के नाम पर बैंक खाते खुलवाने और उन्हीं खातों के माध्यम से ऑनलाइन रकम मंगाकर निकालने का मामला रामनगर पुलिस थाने में सामने आया है. इस मामले में पुलिस ने बाजार चौक, रामनगर निवासी संदीप संजय नशिने (37) के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार रामनगर निवासी फरियादी जयेश चावड़ा (22) के नाम पर आरोपी ने आईसीआईसीआई बैंक और बैंक ऑफ इंडिया में खाते खुलवाए. आरोपी ने इन खातों में ऑनलाइन रकम मंगवाकर कमीशन देने का लालच दिया. खातों में रकम आने के बाद आरोपी ने उसे अपने बैंक खाते में ट्रांसफर कर लिया और बाद में रकम निकालकर उसका इस्तेमाल किया. फरियादी को किसी प्रकार का कमीशन नहीं दिया गया. इसके अलावा फरियादी के नाम पर जारी सिमकार्ड का भी इस्तेमाल किए जाने की बात सामने आई है. इस पूरे मामले में फरियादी से कुल 16 लाख 64 हजार रु. की धोखाधड़ी की गई. शिकायत के आधार पर रामनगर पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच पुलिस निरीक्षक तिरुपति राणे कर रहे हैं।

आयटक महाराष्ट्र अधिवेशन में 31 सदस्यीय कार्यकारिणी का गठन

पदमेश न्यूज। गोंदिया। महाराष्ट्र राज्य आयटक का राज्य अधिवेशन 3 व 4 अक्टूबर को नागपुर में आयोजित किया गया. अधिवेशन में राज्यभर से चुने गए 310 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया. गोंदिया जिले से हौसलाल रहांगडाले, मिलिंद गणवीर, रामचंद्र पाटिल, शालू कुथे और कल्पना डोंगरे ने प्रतिनिधि के रूप में भाग लिया। अधिवेशन में कामगारों, कर्मचारियों, असंगठित क्षेत्र के मजदूरों, आंगनवाड़ी, आशा, ग्राम पंचायत तथा शालेय पोषण आहार कर्मियों सहित मेहनतकश वर्ग की विभिन्न मांगों पर चर्चा की गई. साथ ही सरकार की श्रमिक विरोधी नीतियों के खिलाफ आगामी आंदोलन व कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई. अधिवेशन में 31 सदस्यीय राज्य कार्यकारिणी का चुनाव किया गया. इसमें सुकुमार दामले (मुंबई) को राज्य अध्यक्ष, शाम काडे (नागपुर) को राज्य महासचिव तथा प्रकाश बन्सोड (औरंगाबाद) को कोषाध्यक्ष चुना गया. वहीं गोंदिया जिले से हौसलाल रहांगडाले को राज्य उपाध्यक्ष व मिलिंद गणवीर को राज्य सचिव चुना गया. शालू कुथे को राज्य कार्यकारिणी सदस्य की जिम्मेदारी दी गई. कार्यकारिणी में छह उपाध्यक्ष और छह राज्य सचिव भी शामिल हैं. गोंदिया जिले से तीन कामरेडों को राज्य स्तर पर जिम्मेदारी मिलने पर जिला आयटक के रामचंद्र पाटिल, करुणा गणवीर, कल्पना डोंगरे, चत्रुघ्न लांजेवार, शेखर कनोजिया, पूर्णिमा चुटे, विनोद शहारे, विजय चौधरी, सुरेश रंगारी सहित जिला कार्यकारिणी ने अभिनंदन किया।

पिकअप पलटी, पांच मजदूर घायल

पदमेश न्यूज। गोंदिया। मजदूरी के लिए छत्तीसगढ़ जा रहे मजदूरों से भरी पिकअप वाहन पिपरटोला (कोसमतरी) गांव के पास अनियंत्रित होकर पलट गई. दुर्घटना में पांच मजदूर घायल हो गए. इनमें कुछ को गंभीर चोटें आने की जानकारी है. घटना के बाद सालेकसा पुलिस ने पिकअप चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार, शिकारीटोला निवासी कुवरलाल उदेलाल टेकाम (50) अन्य मजदूरों के साथ पिकअप वाहन से मजदूरी के लिए पनियाजोब, छत्तीसगढ़ जा रहे थे. पिपरटोला-कोसमतरी गांव के पास मोड़ पर दरबड़ा निवासी वाहन चालक सुनील संजय शहारे (25) ने तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाते हुए अचानक ब्रेक लगाया. ब्रेक लगते ही मालवाहक पिकअप का नियंत्रण बिगड़ गया और वाहन कुछ दूरी तक घिसटते हुए पलट गया. दुर्घटना में वाहन में सवार मजदूर सड़क पर जा गिरे और कई लोग घायल हो गए. इस दुर्घटना में लभानधरणी निवासी अशोक वलगाये (30), भोजलाल चौधरी (57), शिकारीटोला निवासी आशिष टेकाम (20), दिलीप रामलाल मडावी (45) व कुशन टेकाम (55) घायल हुए हैं. घायलों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया. फिर्यादी की शिकायत पर सालेकसा पुलिस ने वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है. जांच पुलिस नायक नागदिवे कर रहे हैं।

तलवार लेकर घुम रहे युवक को पकड़ा

पदमेश न्यूज। गोंदिया। शहर थाने के तहत कुंभारटोली निवासी आरोपी निलेश ज्ञानेश्वर भालेराव (38) को यादव चौक स्थित सरकारी तालाब परिसर में पीठ के पीछे टी शर्ट के अंदर तलवार लेकर घुमते हुए पकड़ा गया. तलवार की कीमत एक हजार रु. बताई गई है. फिर्यादी हवलदार सुदेश टेंभरे की शिकायत पर शहर पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच सहायक फौजदार भाटिया कर रहे हैं।

श्री महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव 9 से

पदमेश न्यूज। गोंदिया। महाराजाधिराज श्री अग्रसेन की जयंती महोत्सव 9 से 11 अक्टूबर तक आयोजन किया गया है. श्री अग्रसेन स्मारक समिति, जयंती समिति, महिला समिति, युवा समिति के के संयुक्त तत्वावधान में 9 अक्टूबर को रिसामा स्थित विजयलक्ष्मी सभागृह में महोत्सव का शुभारंभ ध्वजारोहण व श्री अग्रसेन की पूजा आरती व प्रसाद वितरण ओमप्रकाश बनवारीलाल अग्रवाल की अध्यक्षता में व रतनलाल सीताराम अग्रवाल की प्रमुख उपस्थिति में संपन्न होगा. इस अवसर पर विविध सांस्कृतिक, धार्मिक व विभिन्न प्रतियोगीताओं का आयोजन जिसमे 9 अक्टूबर को एक खुर्शी सौ दावेदार, बोलो बोलो कौन सा कलर, रूप डांस, फैन्स ड्रेस कॉम्पिटिसन, रैंप वॉक, नकलची नंबर एक मिमिक्री, प्रतियोगिता तथा 10 अक्टूबर को स्वच्छता अभियान, बूंद बूंद से घड़ा भरता है, एक मिनट स्पर्धा, बेसन की शक्ति, चित्र में रंग भरो, आनंद मेला, 11 को योगा, स्केटिंग, किस्मत की खुर्शी, द्वार तिरण बनाओ, थाली एक्सप्रेस, किस्मत की रेलगाड़ी आदि प्रतियोगीताओं का आयोजन किया गया है, ज्यादा से ज्यादा भाग लेने का आवाहन समितियों ने किया है. 11अक्टूबर शाम 7 बजे से दिप प्रज्वलन, अतिथियों का स्वागत, संबोधन, मेघावी छात्रों का सत्कार व महाराजा अग्रसेन की पूजा अर्चना आरती के पश्चात महाप्रसाद का आयोजन किया गया है. इस वर्ष जयंती समारोह मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध व्यवसायी व समाजसेवी रविबाबू हरिश्चंद्र अग्रवाल, विधिज्ञ व सफल व्यवसायी, वरिष्ठ चार्टेड अकाउंटेंट दिनेश सत्यनारायण दादरीवाल की प्रमुख उपस्थित में जयंती समारोह संपन्न होगा।

डिविलियर्स की तूफानी बल्लेबाजी से दक्षिण अफ्रीकी चैम्पियंस ने वेस्टइंडीज चैंपियंस को हराया

शारजाह। पूर्व क्रिकेटर एबी डिविलियर्स की आक्रामक बल्लेबाजी से दक्षिण अफ्रीकी चैम्पियंस ने वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लेजेंड्स 2026 के तीसरे मुकाबले में वेस्टइंडीज चैंपियंस को हरा दिया। इससे डिविलियर्स ने दिखाया है कि फॉर्म अस्थायी हो सकती है पर उनकी बल्लेबाजी पहले जैसी ही है।

दक्षिण अफ्रीकी चैम्पियंस की कप्तानी करते हुए डिविलियर्स ने केलव 39 गेंदों में 70 रन की तेज पारी खेली। उनकी इस पारी में 5 छक्के और 4 शानदार चौके शामिल थे। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए इस कलात्मक बल्लेबाज ने जिस तरह के शॉट चुने, वे उनके पुराने दिनों की याद दिला रहे थे। मैदान के हर कोने में शॉट खेलने की उनकी क्षमता पहले जैसी थी थी।

डिविलियर्स की आतिशी बल्लेबाजी से दक्षिण अफ्रीकी चैम्पियंस ने वेस्टइंडीज चैंपियंस के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट पर 242 रन बनाये। इस पारी में एबी डिविलियर्स के अलावा रिचर्ड लेवी ने भी 39 गेंदों में 87 रन बनाये। इसके अलावा, सारेल एरवी ने 23 और मोर्ने वैन विक ने 17 रन बनाये। वहीं कप्तान फाफ डुप्लेसिस ने 14 रन बनाए। इस विशाल स्कोर के दम पर दक्षिण अफ्रीकी चैम्पियंस ने यह मुकाबला 97 रनों के बड़े अंतर से जीत लिया।

बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज चैंपियंस की टीम ने शुरुआत से ही दबाव में आ गयी। उनकी बल्लेबाजी विफल रही। टीम के कप्तान क्रिस गेल ने कुछ हद तक प्रतिरोध दिखाया, उन्होंने 31 गेंदों में 60 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली, लेकिन उनके अलावा कोई भी अन्य बल्लेबाज बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहा और पूरी टीम 145 रनों पर आउट हो गई। दक्षिण अफ्रीका की तरफ से गेंदबाजी में भी शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। अनुभवी स्पिनर इमरान ताहिर और एरॉन फांगिसो ने अपनी फिरकी से कमाल दिखाते हुए 3-3 विकेट लिए, जबकि रॉबी फ्रायलिंक ने 2 विकेट लिए। मर्चेंट डी लांगे और सारेल एरवी को भी एक-एक विकेट मिला। जिससे वेस्टइंडीज चैंपियंस पर पूरी तरह से दबाव बना रहा और वे लक्ष्य से काफी दूर रह गए।

एशियाई खेलों में महिला एथलीटों ने आधे से अधिक पदक जीतकर अपने को साबित किया

आईची। भारतीय खिलाड़ियों ने 20 वें एशियाई खेलों में अपने शानदार प्रदर्शन से देश का नाम रौशल किया है। इसमें देश ने कुल 85 पदक हासिल किए, जिनमें 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य शामिल थे। इसमें महिलाओं की अहम भूमिका रही। भारतीय महिला एथलीटों ने कुल 21 स्वर्ण पदकों में से 11 जीते जबकि तीन स्वर्ण मिश्रित स्पर्धाओं में मिले। इस प्रकार उन्होंने आधे से अधिक पदक जीते।

भारत के 495 सदस्यीय दल में 234 महिला खिलाड़ी शामिल थीं, और उनके प्रदर्शन ने साबित कर दिया कि महिलाओं की भागीदारी अब सिर्फ संख्या तक सीमित नहीं, बल्कि उनके जीते पदकों से भी है। कुल स्वर्ण पदकों में आधे से अधिक हिस्सा सीधे तौर पर या मिश्रित स्पर्धाओं के जरिये महिलाओं के योगदान से आये हैं। ये भारतीय खेल जगत में एक ऐतिहासिक बदलाव का प्रतीक है। यह आंकड़ा पिछली बार के एशियाई खेलों से कहीं बेहतर है, जहाँ भारतीय महिलाओं ने 9 स्वर्ण जीते थे और 4 मिश्रित स्पर्धाओं से आए थे, जबकि पुरुषों ने 15 स्वर्ण हासिल किए थे।

इस बार के खेलों की एक खास बात उभारती हुई खिलाड़ियों का बेहतरीन प्रदर्शन रहा। 17 वर्षीय तीरंदाज कुमकुम महोद ने कोरिया की ओलंपिक चैंपियन ओह ये-जिन को हराकर बड़ा उलटफेर किया और अपनी क्षमता का परिचय दिया। युवा स्क्वॉश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने यह संकेत दिया कि भारतीय महिला खेलों की अगली पीढ़ी पूरी तरह तैयार है और भविष्य उज्ज्वल है। गोल्फ में प्रनवी उर्स ने चीन की विश्व नंबर-6 यिन रुओनिंग को हराकर एक ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीता। इन युवा चेहरों ने बड़े नामों से डरने के बजाय उन्हें चुनौती दी और शानदार जीत हासिल की।

युवा जोश के साथ-साथ अनुभवी खिलाड़ियों ने भी अपना प्रभाव बरकरार रखते हुए देश को गौरवान्वित किया। ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू और लवलीना बोरगोहेन ने अपने अनुभव का पूरा फायदा उठाया पदक जीते। वहीं भारोत्तोलन में मीराबाई ने रजत पदक के साथ भारत के 28 साल के लंबे पदक के इंतजार को खत्म किया। मुक्केबाजी में लवलीना बोरगोहेन, दिग्गज मैरी कॉम के बाद एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतने वाली सिर्फ दूसरी भारतीय महिला मुक्केबाज बनीं, जो उनकी दृढ़ता को दर्शाता है।

पृथ्वी को मिली रणजी ट्रॉफी के शुरुआती मैचों के लिए महाराष्ट्र टीम की कप्तानी

मुम्बई 3। पिछले काफी समय से अपने पेशेवर और निजी जीवन में परेशानियों से जूझ रहे बल्लेबाज पृथ्वी शॉ को कुछ राहत मिलती दिख रही है। पृथ्वी को

रणजी ट्रॉफी के शुरुआती मैचों के लिए महाराष्ट्र टीम का कप्तान बनाया गया है। पृथ्वी को ये जिम्मेदारी इसलिए मिली है क्योंकि टीम के नियमित कप्तान रुतुराज गायकवाड़ टीम से बाहर हैं। रुतुराज अभी भारत ए टीम के साथ सीरीज में व्यस्त हैं, जिसके कारण वह महाराष्ट्र के लिए शुरुआती रणजी मैचों में उपलब्ध नहीं रहेंगे। होंगे।

पिछले काफी समय से अपने करियर में लगातार पिछड़ रहे के लिए कप्तानी मिलना एक सुनहरे अवसर से कम नहीं है। इससे उनके पास अपने करियर को फिर से पटरी पर लाने का मौका है।

पोटापोवा अब इस सत्र में आगे नहीं खेलेंगी

सिडनी। रूस में जन्मीं ऑस्ट्रियाई पेशेवर टेनिस खिलाड़ी अनास्तासिया पोटापोवा ने खराब फिटनेस को देखते हुए इस सत्र में अब आगे नहीं खेलने का फैसला किया है। विश्व की 25वें नंबर की टेनिस खिलाड़ी पोटापोवा ने अपने 2026 सीज़न को समय से पहले ही समाप्त करने की घोषणा की है। चोटों से जूझने और करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल करने के मिले-जुले साल के बाद उन्होंने तय किया है कि अब वह शरीर को आराम देंगी। पोटापोवा ने सोशल मीडिया पर इस फैसले की पुष्टि करते हुए कहा कि उनका शरीर लगातार उन्हें आराम करने का संकेत दे रहा था। उन्होंने सोशल मीडिया में लिखा, मेरा सत्र खत्म हो रहा है। हाल ही में मेरा शरीर मुझे बार-बार संकेत दे रहा है कि अब रुकने का समय आ गया है। यह मेरे लिए सबसे साफ संकेत है कि मुझे ब्रेक लेने, अपने शरीर को ठीक होने के लिए ज़रूरी समय देने और मजबूती से वापसी करने की आवश्यकता है। साथ ही कहा कि अब अगले साल मिलते हैं।

पोटापोवा ने यह घोषणा बीजिंग टूर्नामेंट में सिन्जा क्रॉस के खिलाफ अपने शुरुआती दौर के मैच से दाहिने कंधे की चोट के कारण हटने के कुछ ही दिनों बाद की है। उन्हें इसके बाद वुहान में भी खेलना था, लेकिन अब वह नए सीज़न के लिए पूरी तरह फिट होने पर ध्यान देंगी। इस फैसले के साथ ही उस सीज़न का समापन हो गया जिसमें पोटापोवा ने रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाई। उन्होंने साल की शुरुआत 97वें स्थान पर की थी, लेकिन धीरे-धीरे रैंकिंग में ऊपर चढ़ती गईं और आखिरकार अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 25वीं रैंकिंग तक पहुंचीं, जो अभी भी उनकी मौजूदा रैंकिंग है।

उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन क्ले कोर्ट पर रहा, जहां वह लिन्ज में फाइनल तक पहुंचीं, वहीं मैड्रिड के सेमीफाइनल में पहुंची , और रोम तथा फ्रेंच ओपन दोनों में चौथे दौर तक पहुंचीं। फ्रेंच ओपन में उनका प्रदर्शन शायद उनके सीज़न की सबसे बड़ी जीत थी, जब उन्होंने तीसरे दौर में मौजूदा चैंपियन कोको गॉफ को एक सेट से पिछड़ने के बाद 4-6, 7-6(1), 6-4 से हराया।

रोनाल्डो जब चाहे कर सकते हैं टीम में वापसी - कोच

पोर्टो। पुर्तगाल फुटबॉल टीम के मुख्य कोच जॉर्ज जीसस ने टीम के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो से मतभेदों को लेकर आ रही खबरों के बीच ही कहा कि अगर रोनाल्डो दोबार राष्ट्रीय टीम के लिए दोबारा खेलना चाहते हैं तो उनके लिए टीम के दरवाजे हमेशा खुले हैं। कोच ने स्पष्ट किया कि उनकी रोनाल्डो से कोई नाराजगी नहीं है और ये पूरा विवाद केवल गलतफहमी से पैदा हुआ है। जिससे आसानी से सुलझाया जा सकता है। कोच ने हालांकि ये भी कहा कि रोनाल्डो को अगली टीम घोषणा से पहले अपने भविष्य और करियर को लेकर सोच विचारकर फैसला करना होगा।

इससे पहले 41 वर्षीय अनुभवी खिला रोनाल्डो ने कोच के साथ कप्तान की भूमिका और प्लेइंग टाइम को लेकर बढ़ते मतभेद के बाद टीम का शिविर छोड़ दिया था। कैंप छोड़ने के तुरंत बाद रोनाल्डो ने सोशल मीडिया पर अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए लिखा था कि सही समय आने पर

वह सभी पुर्तगाली लोगों को राष्ट्रीय टीम छोड़ने के अपने कारणों के बारे में सच्चाई बताएंगे, जिसके प्रति वह हमेशा समर्पित रहे हैं।

हाल ही में पुर्तगाल के में नॉर्वे को 2-1 से हराकर नेशंस लीग के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के बाद रोनाल्डो के अंतरराष्ट्रीय भविष्य पर बात करते हुए जीसस ने कहा, मुझे नहीं पता कि आगे क्या होगा। मेरी तरफ से सब कुछ खुला है। रोनाल्डो को अगली टीम घोषणा से पहले अपनी जिंदगी और करियर के बारे में फैसला करना होगा। अगर वह टीम में रहना चाहते हैं और खेल रहे हैं, तो क्यों नहीं? कोई नाराजगी नहीं है, क्योंकि यह एक गलतफहमी थी। मुझे लगता है कि इसे सुलझाना आसान है।

दरअसल, नेशंस लीग के शुरुआती मैच में वेल्स के खिलाफ पुर्तगाल की 1-0 की जीत में रोनाल्डो टीम का हिस्सा थे, लेकिन नॉर्वे के खिलाफ अगले मैच में उन्हें सब्स्टीट्यूट के तौर पर रखा गया पर मैदान में नहीं उतारा गया जिससे वह निराश थे।

रोनाल्डो के कैंप छोड़ने के बाद, पुर्तगाली मिडफील्डर ब्रूनो फर्नांडीस ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि रोनाल्डो को एक शानदार अंदाज में विदाई मिलनी चाहिए। जब कोच से पूछा गया कि क्या वे इससे सहमत हैं, तो उन्होंने तुरंत जवाब दिया, 100 फीसदी। ब्रूनो फर्नांडीस ने जो कहा, मैं उससे पूरी तरह सहमत हूं, क्योंकि मेरा भी यही सोचना था। उन्होंने आगे साझा किया कि उनकी इच्छा थी कि रोनाल्डो वर्ल्ड कप में हारकर और रोते हुए अपना सफर खत्म न करें। कोच चाहते थे कि रोनाल्डो राष्ट्रीय टीम के लिए अपना खेल गरिमापूर्ण तरीके से समाप्त करें।

कोच ने अपनी भूमिका और अधिकार पर जोर देते हुए कहा, मैं कोच हूं; मैं जिसे चाहूं उसे बुला सकता हूं। मैं किसी से नहीं पूछता कि मुझे किसे बुलाना है या कौन खेलेगा।

ओलंपिक में सीधे प्रवेश से अब तैयारियों के लिए अधिक समय मिलेगा - मनप्रीत

नई दिल्ली । भारतीय हॉकी टीम के अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह ने कहा है लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028 का टिकट मिलने से टीम का मनोबल बढ़ा है और अब वह दूने उत्साह से ओलंपिक की तैयारियों में लगेगी। मनप्रीत के अनुसार एशियाई खेलों में जीत से ये लाभ हुआ है कि टीम को सीधे ओलंपिक में जगह मिली है। जिससे अब उसके पास तैयारियों के लिएस काफी समय हो गया है। ऐसे में टीम अब आराम से अपनी कमजोरियों को दूसर करने पर काम कर सकती है। टीम के ओलंपिक जैसे बड़े आयोजन के लिए सुनियोजित तैयारी करने का समय मिल गया है। यह एक रणनीतिक लाभ है जो भारतीय हॉकी को विश्व मंच पर अपनी स्थिति और मजबूत करने का अवसर देगा। मनप्रीत ने कहा कि एशियाई खेल टीम के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव था । उन्होंने कहा, एशियाई खेल हमारे लिए एक महत्वपूर्ण टूर्नामेंट था। हमने इससे सीधे क्वालीफाई कर लिया है। इसलिए हमें अब ओलंपिक क्वालीफायर राउंड नहीं खेलना पड़ेगा और इस दौरान हम अपने कौशल को बेहतर बनाने पर काम कर सकते हैं। इसके साथ ही जो चीजें कमजोर हैं उन पर ध्यान दे सकते हैं। मनप्रीत एशियाई खेलों में तीन स्वर्ण पदक जीतने वाले एकमात्र भारतीय हॉकी खिलाड़ी हैं। एक अनुभवी मिडफील्डर के रूप में, यह उपलब्धि उनके लिए और भी खास है, क्योंकि वह लंबे समय से भारतीय हॉकी टीम के अभिन्न सदस्य रहे हैं। मैदान पर उनका अनुभव और लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन टीम को बड़े टूर्नामेंटों में हमेशा सहारा देता रहा है, जिससे उनकी उपस्थिति टीम के लिए अमूल्य है। यह पहली बार नहीं है जब भारतीय टीम को ओलंपिक से पहले तैयारी के लिए इस तरह का अवसर मिला है। पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए भी भारत ने 2023 हांगझोउ एशियन गेम्स में पुरुष हॉकी में स्वर्ण पदक जीतकर सीधा क्वालीफाई किया था। उस समय भी टीम को ओलंपिक से पहले अपनी रणनीतियों को धार देने और विभिन्न पहलुओं पर काम करने के लिए पर्याप्त समय मिला था।

अय्यर बोले अब वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबले के लिए तैयार हैं

मुम्बई । भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने एशियाई खेलों में मिली सफलता पर खुशी जताते हुए कहा है कि अब उनकी टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ अपनी धरती पर होने वाली पांच मैचों की टी-20 सीरीज के लिए तैयार है। श्रेयस अय्यर ने इस दौरान 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा की है। अय्यर ने कहा कि वैभव मैच और क्रिकेट से संबंधित विषयों पर कम बात करते हैं। इसके बजाय, वे मैदान से बाहर की चीजों पर अधिक चर्चा करते हैं। अय्यर ने इसकी वजह बताते हुए कहा, 'हर कोई उससे क्रिकेट के बारे में ही बात करता रहता है। हम सभी जानते हैं कि वह एक खिलाड़ी के तौर पर कितना प्रतिभावान है।' इसलिए वह वैभव से बातचीत के दौरान उनकी जीवनशैली, उसके परिवार और उसकी अन्य रुचियों के बारे में पूछते हैं। इन विषयों पर बात करने से वैभव काफी उत्साहित और सहज महसूस करता है, जो अय्यर को युवा खिलाड़ी के साथ एक गहरा जुड़ाव बनाने में मदद करता है।

वैभव के खेल और व्यक्तित्व की प्रशंसा करते हुए श्रेयस ने कहा, 'वह बहुत शांत स्वभाव का है। हालांकि, मैदान पर वह बहुत आक्रामक और विनाशकारी खेल खेलता है। उसे देखकर यह विरोधाभास लगता है कि इतना शांत और सहज लड़का मैदान पर इतना आक्रामक कैसे हो सकता है।' अय्यर ने वैभव को 'बातचीत के लिहाज से बहुत प्यारा और आकर्षक इंसान' भी बताया। भारतीय कप्तान ने आगे कहा, 'ड्रेसिंग रूम में उसका होना अच्छा लगता है।'

18 साल की उम्र में सहवाग के बेटे आर्यवीर को मिली दिल्ली अंडर-19 टीम की कप्तानी

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग को वीनू मांकड़ ट्रॉफी के लिए दिल्ली अंडर-19 टीम का नया कप्तान बनाया गया है। आर्यवीर की उम्र अभी केवल 18 साल है और इतनी कम उम्र में टीम की जिम्मेदारी मिलने से साफ है कि वह बेहद प्रतिभाशाली खिलाड़ी बनकर उभरे हैं। कप्तानी मिलने से अब अब आर्यवीर के लिए अपनी नेतृत्व क्षमता और बल्लेबाजी कौशल दोनों को साबित करने का अच्छा अवसर है। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) ने वीनू मांकड़ ट्रॉफी के लिए16 सदस्यीय टीम की घोषणा की है।

आर्यवीर पहली बार किसी बड़ी क्रिकेट टीम की कप्तानी संभालेंगे। यह उनके लिए न केवल खेल कौशल के साथ ही दबाव में फैसला लेने और टीम को एकजुट करने की क्षमता में भी परिपक्वता दिखाने का सुनहरा अवसर है। मांकड़ ट्रॉफी 8 अक्टूबर से विशाखापत्तनम में खेली जाएगी। इसमें सभी की नजरें इस युवा कप्तान पर होंगी कि वह अपने पिता की विरासत को कैसे आगे बढ़ाते हैं।

अपने पिता वीरेंद्र सहवाग की तरह ही आर्यवीर भी एक आक्रामक सलामी बल्लेबाज के तौर पर उभरे हैं। उन्होंने हाल ही में अपने प्रदर्शन से ध्यान खींचा है। पिछले महीने, आर्यवीर ने भारतीय अंडर-19 टीम की ओ से खेलते हुए ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम के खिलाफ तीन यूथ एकदिवसीय मैचों में कुल 109 रन बनाए थे, जिसमें उन्होंने 28, 47 और 34 रनों की उपयोगी पारियां खेली थीं। यह प्रदर्शन दर्शाता है कि वह प्रतिभा और प्रदर्शन के बल पर भी आगे बढ़ रहे हैं अपने पिता के नाम पर नहीं।

आर्यवीर ने साल 2024 में कूच बिहार ट्रॉफी में मेघालय के खिलाफ खेलते हुए 297 रनों की एक लंबी पारी खेली थी, जिसने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा था। इसके अलावा वह दिल्ली प्रीमियर लीग में सेंट्रल दिल्ली किंग्स और वेस्ट दिल्ली लायंस जैसी टीमों के लिए भी खेल चुके हैं। दिल्ली अंडर-19 टीम की कप्तानी मिलना उनके लिए एक बड़ा कदम है, जो उन्हें भविष्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर के क्रिकेट के लिए तैयार करेगा। यह देखना होगा कि वह कप्तान की नई भूमिका में कैसा प्रदर्शन करते हैं।

वेस्टइंडीज ने भारत के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए एंड्रयू की जगह पर आमिर को शामिल किया

मुम्बई । वेस्टइंडीज टीम प्रबंधन ने भारतीय टीम के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए टीम में एक बदलाव करते हुए चोटिल ज्वेल एंड्रयू के कवर के तौर पर आमिर जांगू को टीम में शामिल किया है। दोनो ही टीम के बची पांच मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी जिसे जीतकर इंडीज टीम एकदिवसीय की हार का हिसाब बराबर करना चाहेगी। एंड्रयू को हाल ही में समाप्त हुई एकदिवसीय सीरीज के दौरान चोट लग गयी थी जिससे कैरेबियाई टीम को अपनी रणनीति में बदलाव करने पर मजबूर होना पड़ा है।

एंड्रयू को तीसरे एकदिवसीय मैच में फील्डिंग के दौरान उंगली में चोट लगी थी। इसके बाद हुई जांच के बाद वह टीम से बाहर हो गये थे। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने पुष्टि की है कि मेडिकल टीम अभी भी एंड्रयू की स्थिति पर करीब से नजर रख रही है और उनकी जांच जारी है। अब 29 वर्षीय आमिर विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभालेंगे और बल्लेबाजी क्रम में भी उतरेंगे। जांगू ने पिछले साल दिसंबर में अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया था और तब से उन्होंने वेस्टइंडीज के लिए सात टी20 मैच खेले हैं, जिनमें उन्होंने 120.74 के स्ट्राइक रेट से कुल 163 रन बनाए हैं। आंकड़ों के अनुसार, उनका टी20 अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड औसत रहा है। हालांकि, भारत के खिलाफ हाल ही में संपन्न हुई वनडे सीरीज में जांगू का प्रदर्शन शानदार रहा था। उन्होंने तीन मैचों में नाबाद 58, 114 और 67 रन की शानदार पारियां खेलीं, जिससे वह सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में तीसरे स्थान पर रहे। उनसे आगे सिर्फ वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप (278 रन) और भारत के शुभमन गिल (334 रन) ही थे। गौरतब है कि भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज का पहला मुकाबला मंगलवार को खेला जाएगा।

सचिन, रूट सहित इन क्रिकेटरों के नाम हैं टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक रन

मुम्बई । टेस्ट क्रिकेट को अब भी खेल का आधार माना जाता है और ये भी कहा जाता है कि इसमें बल्लेबाजों की असली परीक्षा होती है। विश्व भर के कई महान खिलाड़ियों ने अपने करियर के दौरान लंबे समय तक क्रीज पर टिककर इस प्रारुप में ऐसे अहम रिकॉर्ड बनाए हैं। इसमें से एक है सबसे अधिक रनों का रिकॉर्ड। भारत के सचिन तेंदुलकर सहित कई बल्लेबाज ऐसे हैं जिनके नाम सबसे अधिक रनों के रिकॉर्ड है।

सचिन तेंदुलकर- इसमें सचिन नंबर एक पर हैं। साल 1989 से 2013 के बीच इस बल्लेबाज ने अपने करियर में 200 टेस्ट मैचों की 329 पारियों में 15921 रन बनाए। उनका उच्चतम स्कोर नाबाद 248 रन और औसत 53.78 का रहा, जिसमें 51 शतक और 68 अर्धशतक शामिल हैं।

जो रूट- वहीं दूसरे नंबर पर इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज और कप्तान जो रूट का नाम आता है। उन्होंने अब तक 169 टेस्ट मैचों में 14278 रन बटोरे हैं, जिसमें 41 शतक और 69 अर्धशतक शामिल हैं। उनका औसत 50.45 और उच्चतम स्कोर 250 रन है।

रिकी पोंटिंग - ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और आक्रामक बल्लेबाज रिकी पोंटिंग इस सूची में तीसरे नंबर पर हैं। साल 1995 से 2012 के बीच 168 टेस्ट मैचों में उन्होंने 13378 रन बनाए, जिसमें 41 शतक और 62 अर्धशतक शामिल हैं। उनका औसत 51.85 और सर्वोच्च स्कोर 257 रन रहा।

जैक्स कैलिस - चौथे स्थान पर दक्षिण अफ्रीका के सर्वकालिक महान ऑलराउंडर जैक्स कैलिस हैं। साल 1995 से 2013 तक खेलते हुए कैलिस ने 166 टेस्ट मैचों में 13289 रन बनाए। उनके नाम 45 शतक और 58 अर्धशतक दर्ज हैं, जबकि उनका औसत 55.37 और उच्चतम स्कोर 224 रन रहा।

राहुल द्रविड़ - भारत के भरोसेमंद बल्लेबाज रहे राहुल द्रविड़ पांचवें नंबर पर हैं। साल 1996 से 2012 के दौरान 164 टेस्ट मैचों में इस बल्लेबाज ने 13288 रन बनाए। उनका सर्वोच्च स्कोर 270 रन,

औसत 52.31, और 36 शतक तथा 63 अर्धशतक उनके करियर की पहचान रहे हैं।

एलिस्टर कुक - इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एलिस्टर कुक छठे स्थान पर हैं। 2006 से 2018 के बीच 161 टेस्ट मैचों में उन्होंने 12472 रन बनाए, जिसमें 33 शतक और 57 अर्धशतक शामिल हैं। उनका उच्चतम स्कोर 294 रन और औसत 45.35 रहा।

कुमार संगकारा - सातवें नंबर पर श्रीलंका के महान विकेटकीपर-बल्लेबाज कुमार संगकारा हैं। 2000 से 2015 के बीच 134 टेस्ट मैचों में उन्होंने 12400 रन बनाए। उनका बेहतरीन औसत 57.40, 38 शतक, 52 अर्धशतक और सर्वोच्च स्कोर 319 रन उनकी बल्लेबाजी का प्रमाण हैं।

ब्रायन लारा - वेस्टइंडीज के जादुई बल्लेबाज ब्रायन लारा आठवें स्थान पर आते हैं। 1990 से 2006 तक लारा ने 131 टेस्ट मैचों में 11953 रन बनाए। उनका उच्चतम स्कोर नाबाद 400 रन है, जो टेस्ट क्रिकेट का एक अटूट विश्व रिकॉर्ड है। उनके खाते में 34 शतक और 48 अर्धशतक भी दर्ज हैं, जबकि उनका औसत 52.88 रहा।

शिवनारायण चंद्रपॉल- नौवें पायदान पर वेस्टइंडीज के ही अनूठे बल्लेबाज शिवनारायण चंद्रपॉल हैं। 1994 से 2015 के दौरान 164 टेस्ट मैचों में उन्होंने 11867 रन बनाए, जिसमें 30 शतक और 66 अर्धशतक शामिल हैं। उनका औसत 51.37 और सर्वोच्च स्कोर नाबाद 203 रन रहा।

महेला जयवर्धने - इस सूची में दसवें और अंतिम स्थान पर श्रीलंका के पूर्व कप्तान महेला जयवर्धने हैं। 1997 से 2014 के बीच 149 टेस्ट मैचों में उन्होंने 11814 रन बनाए। उनके करियर में 34 शतक, 50 अर्धशतक, 49.84 का औसत और 374 रन का उच्चतम स्कोर शामिल है। इन सभी महान खिलाड़ियों ने अपने अद्वितीय कौशल और जुझारूपन से टेस्ट क्रिकेट के इतिहास को समृद्ध किया है।

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री
सीएम यूथ कॉन्क्लेव 2026
युवा सोच, नये अवसर, एक साझा मंच
प्रख्यात गायक
जुबिन नौटियाल
एवं कबीर कैफे बैंड
द्वारा
भव्य लाइव प्रस्तुति
प्रात: 10:00 बजे
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
के साथ
6 अक्टूबर, 2026 | पूर्वाह्न 11:00 बजे
लाल परेड ग्राउंड, भोपाल
70+ स्टॉल, 15 विभागों की संयुक्त भागीदारी
युवाओं को अवसर, कौशल, रोज़गार, नवाचार एवं संभावनाओं से जोड़ने हेतु समर्पित मंच
स्टार्टअप एवं उद्यमिता
युवा उद्यमियों के फार्मास्युटिकल, मैन्युफैक्चरिंग, AI/मशीन लर्निंग और फूड प्रोसेसिंग जैसे क्षेत्रों के स्टार्टअप्स की सहभागिता एवं प्रस्तुति
युवा नवाचार एवं प्रदर्शनी
AI, साइबर सिक्योरिटी, ड्रोन टेक्नोलॉजी, विज्ञान एवं नवाचार, कृषि क्षेत्र में रोज़गार, फ्यूचर रेडी एजुकेशन और टेक्नोलॉजी पर केन्द्रित
सार्वजनिक एवं निजी विश्वविद्यालयों की सहभागिता
विश्वविद्यालयों द्वारा कॅरियर मार्गदर्शन, नवाचार, उद्यमिता, तकनीकी शिक्षा एवं रोज़गार के अवसरों की जानकारी
कॅरियर एवं कौशल के अवसर
कौशल विकास, कॅरियर मार्गदर्शन और रोज़गार से जुड़ी जानकारी एक ही स्थान पर
शासकीय योजनाओं की जानकारी
पात्रता, पंजीयन, आवेदन प्रक्रिया, प्रशिक्षण और उपलब्ध सुविधाओं से संबंधित स्टॉल
सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhypradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी
D11136/26
आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2026

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पदमेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

खेत किनारे खेल रहे 11 वर्षीय बालक को जहरीले सांप ने डंसा, उपचार के दौरान मौत

पदमेश न्यूज। बालाघाट। हट्टा थाना क्षेत्र के ग्राम करियादंड के भुताहटोला में दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां खेत किनारे घर के पीछे आंगन में बच्चों के साथ खेल रहे 11 वर्षीय बालक की जहरीले सांप के काटने से मौत हो गई। घटना के बाद बालक को उपचार के लिए किरनापुर अस्पताल ले जाया गया। लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी। किरनापुर पुलिस ने मृतक बालक रियान उर्फ राजा पिता रमेश नागेश्वर 11 वर्ष का शव का पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम करियादंड निवासी रियान कक्षा चौथी का छात्र था। उसके माता-पिता खेती-किसानी का काम करते हैं। बताया गया कि रियान के पिता मजदूरी करने हैदराबाद गए हुए हैं। जबकि रियान अपनी मां के साथ गांव में रह रहा था।बताया गया है कि 4 अक्टूबर की शाम रियान घर के पीछे आंगन में खेत के किनारे अन्य बच्चों के साथ खेल रहा था। इसी दौरान किसी जहरीले सांप ने उसे डंस लिया। सांप के काटने के बाद रियान की तबीयत बिगड़ने लगी और वह बेहोश होने लगा। परिजन एवं ग्रामीण तत्काल उसे उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए किरनापुर अस्पताल रेफर कर दिया गया।किरनापुर अस्पताल पहुंचने के समय रियान की सांसें चल रही थीं। उसे अस्पताल में भर्ती कर उपचार शुरू किया गया।लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।घटना की सूचना के बाद किरनापुर पुलिस ने 5 अक्टूबर को बालक के शव का पंचनामा तैयार कराया। इसके बाद पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी कर शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम किया है। चूंकि घटना हट्टा थाना क्षेत्र की है। इसलिए प्रकरण को आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित थाना हट्टा भेज दिया गया है।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम से लौट रही बालाघाट की बस ट्रैक्टर से भिड़ी, 25 घायल

हर्रानाला के ग्रामीण तेंदूपत्ता बोनस वितरण कार्यक्रम में गए थे मंडला, वापसी में चिरईडोंगरी के पास हुआ हादसा, 15 घायलों का बम्हनी अस्पताल में इलाज, 3 मण्डला के जिला अस्पताल रिफर

पदमेश न्यूज़। बालाघाट। मुख्यमंत्री के मंडला में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर बालाघाट लौट रहे ग्रामीणों से भरी बस रविवार रात हादसे का शिकार हो गई। मंडला जिले के बम्हनी-बंजर थाना क्षेत्र अंतर्गत पांडीवारा चौकी के ग्राम चंदिया के पास बस और ट्रैक्टर की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में बस में सवार करीब 25 लोगों के घायल हाने की खबर है। जिसमे से 15 लोगो को अधिक चोट आने पर अस्पताल में भर्ती किया गया है। उधर हादसे के बाद मची चीख-पुकार के बीच मौके पर पहुची डायल-112 और पुलिस टीम ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य कर सभी को उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल पहुचाया है।जहां उनका उपचार जारी है। देर रात मिली जानकारी के अनुसार इनमें से 15 घायलो को सकुशल घर पहुंचा दिया गया।

जिले के घायल ग्रामीणों में इनका शमावेश

सूत्रों से मिली घायलों की लिस्ट की फिलहाल आधिकारिक पुष्ठी नही हो पाई है।लेकिन इस हादसे में जिले के हर्रानाला निवासी सुंदरलाल सरोते, दिलीप मर्सकोले, अंतर उइके, चमारसिंह उइके, हरिचंद मरकाम, धर्मचंद पंद्रे, हिरलोल भलावी, मनोज तेकाम, किशन वरकड़े, सुखलाल उइके, भाकचंद तेकाम, टेकचंद तेकाम, मानसिंह उइके, नंदकिशोर तीलगाम, गोबर सिंह उइके सहित अन्य ग्रामीणों के घायल होने की जानकारी है।

चिरईडोंगरी के पास बस और ट्रैक्टर के बीच हुई भिढ़ंत

बालाघाट उत्तर सामान्य वन मंडल,से मिली जानकारी के मुताबिक मण्डला में आयोजित मुख्यमंत्री मोहन यादव के कार्यक्रम के लिए वन विभाग द्वारा करीब 126 बसों के अधिग्रहण की डिमांड भेजी गई थी।लेकिन उन्हें 126 की जगह महज 130 बसे उपलब्ध हो पाई थी।बताया जा रहा है कि बालाघाट जिले से 130 बसों से करीब 6500 लोगो को सीएम कार्यक्रम के लिए मण्डला ले जाया गया था।बताया गया कि हर्रानाला से भी ग्रामीण मुख्यमंत्री के मंडला में आयोजित वर्ष 2024 के तेंदूपत्ता बोनस वितरण कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। कार्यक्रम के बाद ग्रामीण बस से वापस बालाघाट लौट रहे थे। इसी दौरान रात करीब 7 से 8 बजे के बीच चिरईडोंगरी के पास बस की ट्रैक्टर से आमने-सामने टक्कर हो गई।

जो बस हादसे का शिकार हुई उसमे 36 लोग सवार थे

विभागीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार रजा बस क्रमांक एमपी 50 -1237 जब ग्रामीणों के लेकर वापस आ रही थी,उस समय उस बस में करीब 36 लोग सवार थे।सूत्र बताते है कि हादसे में उन 36 में से ड्राइवर सहित करीब 25 लोगो को चोटे आई।उसमे से 15 लोगो को अधिक चोट आने पर उन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है । इस हादसे में बस चालक ओमकार गम्भीर रूप से घायल बताए गए है ।

मामले की जांच जारी

उधर घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। बस और ट्रैक्टर की आमने-सामने टक्कर किन परिस्थितियों में हुई, इसकी जांच की जा रही है। पुलिस द्वारा घायलों की संख्या और हादसे से जुड़े अन्य तथ्यों की भी जानकारी जुटाई जा रही है।

15 घायल पहुंचे अस्पताल, 3 मण्डला रिफर-डॉ सिंगौर

बम्हनी-बंजर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के बीएमओ डॉ. सुमित सिंगौर ने स्थानीय मीडिया को बताया कि हादसे के बाद 15 घायल बम्हनी अस्पताल पहुंचे, जहां उनका उपचार किया गया। इनमें से 3 घायलों को गंभीर चोटों के चलते जिला अस्पताल मंडला रिफर किया गया है। वहीं स्थानीय जानकारी के अनुसार हादसे में करीब 25 लोगों को चोटें आई हैं।

बस चालक बस में फंस गया, पैर में गंभीर चोट-रघुवंशी

उधर बम्हनी-बंजर थाना प्रभारी सत्येंद्र रघुवंशी ने स्थानीय मीडिया को बताया कि हादसे के बाद बस चालक वाहन के अंदर फंस गया था। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से उसे बाहर निकाला गया। चालक के पैर में गंभीर चोट आई है। हादसे के बाद आसपास से एंबुलेंस भी मौके पर पहुंचीं और घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है।वही इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

लामता रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन की रफ्तार ने ली साही की जान

पदमेश न्यूज। बालाघाट। लामता रेलवे स्टेशन से कुछ दूरी पर शनिवार सुबह एक साही की ट्रेन की चपेट में आने

से मौत हो गई। रेलवे ट्रैक पर वन्यजीव की मौत की सूचना मिलते ही वन विभाग सक्रिय हुआ और नियमानुसार कार्रवाई शुरू की गई। मृत साही का पशु चिकित्सा अधिकारियों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम कराया गया। इसके बाद वन विभाग के अधिकारियों एवं अमले की मौजूदगी में उसका अंतिम संस्कार किया गया। बताया गया है कि शनिवार प्रात: लामता रेलवे स्टेशन के समीप एक साही ट्रेन की चपेट में आ गया। हादसे में उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी वन विभाग को मिलने के बाद मृत साही के शव परीक्षण के लिए आवश्यक आवेदन प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात खंड पशु चिकित्सा अधिकारी, बालाघाट डॉ. पंकज पुशाम एवं डॉ. पूजा धुर्वे मौके पर पहुंचे और नियमानुसार मृत साही का शव परीक्षण किया।पशु चिकित्सा अधिकारियों द्वारा आवश्यक चिकित्सकीय परीक्षण एवं नियमानुसार प्रक्रिया पूरी की गई। पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूर्ण होने के बाद वन विभाग के अधिकारियों एवं उपस्थित वन अमले की मौजूदगी में मृत साही का नियमानुसार अंतिम संस्कार किया गया।

वन्यजीव संरक्षण की दृष्टि से महत्वपूर्ण है साही

साही वन पारिस्थितिकी तंत्र का महत्वपूर्ण वन्य प्राणी है। वन्यजीव संरक्षण की दृष्टि से इसका विशेष महत्व है तथा इसे वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत अनुसूची-2 में शामिल किया गया है। ऐसे में रेलवे ट्रैक पर साही की मौत वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर भी महत्वपूर्ण विषय है।पूरे प्रकरण में वन विभाग एवं पशु चिकित्सा विभाग ने आपसी समन्वय के साथ आवश्यक वैधानिक एवं चिकित्सकीय कार्रवाई पूरी की। पोस्टमार्टम के बाद नियमानुसार अंतिम संस्कार किए जाने के साथ ही वन्यजीव से संबंधित प्रक्रिया को पूर्ण किया गया।

विद्युत कार्य के दौरान करंट लगने से युवक घायल

पदमेश न्यूज। बालाघाट। वारासिवनी थाना क्षेत्र के ग्राम एकोड़ी में रविवार को विद्युत लाइन बिछाने के दौरान करंट लगने से एक युवक हाइड्रा वाहन से नीचे गिरकर घायल हो गया। घायल युवक पवन उर्फ पप्पू पिता गुठाली वर्मा 21 वर्ष ग्राम परसवाड़ा, थाना नागौद जिला सतना निवासी बताया गया है। जिसका जिला अस्पताल बालाघाट में उपचार कराया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार पवन वर्मा ग्राम एकोड़ी में रहकर ठेकेदारी के तहत नई विद्युत लाइन लगाने का कार्य कर रहा है। 4 अक्टूबर को करीब 11:30 बजे वह हाइड्रा वाहन के ऊपर चढ़कर विद्युत कार्य के दौरान तार खींच रहा था। इसी दौरान पास से गुजर रही दूसरी विद्युत लाइन से कनेक्शन का करंट लगने से पवन को जोरदार झटका लगा और वह हाइड्रा से नीचे गिर गया।हादसे में पवन घायल हो गया। घटना के बाद उसे तत्काल उपचार के लिए जिला अस्पताल बालाघाट लाया गया। जहां उसका इलाज किया गया।जिला अस्पताल पुलिस ने घायल पवन वर्मा का बयान दर्ज कर मामले की आगे की कार्रवाई के लिए घटनास्थल से संबंधित वारासिवनी थाना पुलिस को भेज दिया है।

नर्मदा नगर में युवक से मारपीट

मोटरसाइकिल रोककर युवक से 5-6 युवकों ने की मारपीट

पदमेश न्यूज। बालाघाट। नर्मदा नगर में रविवार रात में मोटरसाइकिल सवार युवक के साथ विवाद के बाद 5-6 युवकों द्वारा मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। मारपीट में निलेश बिहोने पिता रोशनलाल बिहोने 28 वार्ड नंबर 32 नर्मदा नगर निवासी घायल हो गया। घायल का जिला अस्पताल बालाघाट में उपचार कराया गया। जानकारी के अनुसार निलेश आईटी इंजीनियर का काम करता है। 4 अक्टूबर की रात करीब 9:30 बजे वह मोटरसाइकिल से अपने दोस्त से मिलने उसके के घर जा रहा था। इसी दौरान हीरो सर्विसिंग सेंटर के पास गली में सामने से आ रहे एक मोटरसाइकिल चालक ने उसकी मोटरसाइकिल के सामने अपनी मोटरसाइकिल खड़ी कर दी। आरोप है कि उक्त युवक शराब के नशे में था और निलेश के साथ गाली-गलौज करने लगा।इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। इसके बाद मोटरसाइकिल चालक ने अपने 5-6 साथियों को मौके पर बुला लिया। सभी युवकों ने निलेश के साथ अश्लील गाली-गलौज करते हुए हाथ-बुक्कों से मारपीट की जिससे वह घायल हो गया।मारपीट की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव किया। इसके बाद निलेश के दोस्तों ने उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया। जहां उसका इलाज किया गया। जिला अस्पताल पुलिस ने घायल निलेश का बयान दर्ज कर मामले की जानकारी आगे की कार्रवाई के लिए कोतवाली पुलिस को भेज दी है।

ट्रैक्टर खड़ा करने की बात पर विवाद-युवक के सिर पर ईंट से हमला

पदमेश न्यूज। बालाघाट। थाना तिरोड़ी क्षेत्र के ग्राम हेटी में रोड किनारे ट्रैक्टर खड़े करने को लेकर हुई मामूली कहासुनी पर एक युवक पर जानलेवा हमला कर दिया गया। युवक के सिर पर ईंट मारकर उसे लहूलुहान कर दिया।घायल युवक अमित पिता रामशंकर वगारे 30 वर्ष ग्राम हेटी गोरेगांव निवासी है।तिरोड़ी पुलिस ने इस मामले में पँकेश पाने हेटी निवासी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 4 अक्टूबर को सुबह 9:30 बजे अमित वगारे अपनी मोटरसाइकिल से कुड़वा से अपने घर लौट रहा था। जब वह ग्राम हेटी स्कूल के सामने पहुंचा तो सड़क किनारे एक ट्रैक्टर खड़ा था।इसी को लेकर अमित और पंकेश के बीच विवाद हो गया। पंकेश ने आवेश में आकर अमित को अश्लील गालियां देना शुरू कर दिया। अमित ने गाली देने से मना किया तो पंकेश आवेश में आ गया।आरोप है कि पंकेश ने पहले हाथ-मुक्कों से मारपीट की और फिर पास पड़ी ईंट उठाकर अमित के सिर पर मारी ईंट लगने से अमित का सिर फट गया और खून बहने लगा। बाद में पंकेश ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी।अमित घायल अवस्था में तिरोड़ी थाने पहुंचा और घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई। तिरोड़ी पुलिस ने घायल का मेडिकल परीक्षण कटंगी अस्पताल में कराया। पुलिस ने अमित की शिकायत पर आरोपी पंकेश पाने निवासी हेटी के विरुद्ध अश्लील गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :**9425138710**, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट